सूर्योदय 5:19 सूर्यास्त 7:19

आज का तापमान

शिमला	120.0 न्यू	29.0 अधि
धर्मशाला	20.8 न्यू	35.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	75,868
निफ्टी	23,907

सोना 1,57,000 चांदी 2,62,000

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | शुक्रवार, 29 मई 2026 | 15 ज्येष्ठ, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 3, अंक 150, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | डाक पंजीकरण संख्या : HP/DO/DEHRA/01/2026-2028 follow us on: | 8894521702

न्यूज शॉर्ट्स

ट्विशा केस में सीबीआई ने गिरिबाला को लिया हिरासत में

एजेंसी, भोपाल। भोपाल के एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा मौत मामले में सीबीआई ने उसकी सास रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को गिरफ्तार किया है। सीबीआई के अधिकारी वीरवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे उनके घर पहुंचे थे। करीब 7 घंटे से गिरिबाला से पूछताछ की जा रही थी। गिरिबाला को शाम 5 बजकर 10 मिनट पर गिरफ्तार किया गया। टीम कुछ ही देर में उन्हें मेडिकल चेकअप के लिए अस्पताल ले जाएगी। इसके बाद उन्हें सीबीआई कोर्ट में पेश किया जाएगा। गिरिबाला के घर के बाहर कटारा हिल्स और बाग सेवनिया थानों की पुलिस तैनात है। आसपास बैरिकेडिंग कर दी गई है। इससे पहले बुधवार को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने गिरिबाला की अग्रिम जमानत रद्द कर दी थी। (अनंत ज्ञान)

आसाराम ने जोधपुर सेंट्रल जेल में किया सरेंडर

एजेंसी, जोधपुर। आसाराम ने जोधपुर सेंट्रल जेल में सरेंडर कर दिया। राजस्थान हाईकोर्ट का फैसला आने के बाद वह वीरवार को जोधपुर पहुंचे। दोपहर 2:50 बजे आसाराम

के आने की सूचना पर जोधपुर एयरपोर्ट पर उसके समर्थकों की भीड़ लग गई। आसाराम ने भी गाड़ी से समर्थकों को आशीर्वाद दिया। आसाराम एयरपोर्ट से सीधे पाल गांव स्थित अपने आश्रम पहुंचा। वहां से एम्स गया, जांच करवाने के बाद शाम करीब 5 बजे सेंट्रल जेल में सरेंडर कर दिया। दरअसल, बुधवार को हाईकोर्ट की जोधपुर मुख्यपीठ ने नाबालिग से रेप के मामले में आसाराम की उम्रकैद की सजा को बरकरार रखते हुए अंतरिम जमानत रद्द कर दी थी। (अनंत ज्ञान)

चावल उत्पादन में चीन को पछाड़ भारत बना नंबर वन

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि व किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वीरवार को कहा कि वर्ष 2025-26 में देश का कुल अनुमानित खाद्यान्न उत्पादन 3,765.63 लाख टन तक पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब 188 लाख टन अधिक है। वहीं, चावल उत्पादन में भारत ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि चावल का उत्पादन 1,540.24 लाख टन तक पहुंच गया है और चीन को पछाड़ कर अब दुनिया में भारत नंबर वन बन गया है। उन्होंने बताया कि गेहूं का उत्पादन 1,206.57 लाख टन और मक्का का उत्पादन 550.92 लाख टन दर्ज किया गया है जो अपने आप में रिकॉर्ड स्तर है। (अनंत ज्ञान)

शायर बशीर बद्र का 91 साल की उम्र में निधन

एजेंसी, भोपाल। उर्दू अदब की दुनिया गुरुवार को उस वक्त गहरे सन्नाटे में डूब गई, जब मोहब्बत, तन्हाई और जिंदगी को अपनी गजलों में नई आवाज देने वाले मशहूर

शायर पद्मश्री डॉ. बशीर बद्र ने हमेशा के लिए दुनिया को अलविदा कह दिया। बकरीद के दिन 91 वर्ष की उम्र में उन्होंने भोपाल के ईदगाह हिल्स स्थित अपने निवास पर अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से साहित्य जगत, कला प्रेमियों और देश-दुनिया में फैले लाखों प्रशंसकों में शोक की लहर दौड़ गई। (अनंत ज्ञान)

पंचायत चुनाव के दूसरे चरण में रिकॉर्ड 80 प्रतिशत मतदान

प्रदेशभर में 12 लाख से अधिक मतदाताओं ने डाले वोट; 83.47% के साथ सिरमौर अव्वल, हमीरपुर 66.72% के साथ सबसे पीछे

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में पंचायतीराज चुनाव लोकतंत्र के उत्सव में बदल गए। राज्यभर में मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर मतदान किया और कुल 80 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार प्रदेश की 1293 पंचायतों और 7729 पंचायत वार्डों में मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। कुल 9,23,215 मतदाताओं में से 6,99,704 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। दो वार्डों का डाटा लंबित होने के बावजूद मतदान प्रतिशत ने नई ऊर्जा और ग्रामीण जागरूकता का संदेश दिया।

सबसे अधिक मतदान सिरमौर जिले में दर्ज किया गया, जहां 83.47 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले। जिले में 69,520 मतदाताओं में से 58,026 लोगों ने मतदान किया। सिरमौर में ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह से ही मतदान केंद्रों पर लंबी कतारें देखने को मिलीं और युवाओं के साथ-साथ बुजुर्ग मतदाताओं ने भी लोकतंत्र के इस पर्व में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कुल्लू जिला भी मतदान के मामले में प्रदेश के अग्रणी जिलों में रहा। यहां 83.91 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ। जिले में 57,961 मतदाताओं में से 48,634 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्रों में भी लोगों का उत्साह देखने योग्य रहा।

शिमला जिले में भी मतदाताओं ने शानदार भागीदारी निभाई। जिले में 92,229 मतदाताओं में से 74,723 लोगों ने मतदान किया और कुल मतदान प्रतिशत 81.02 रहा। शिमला जिला प्रदेश के सबसे सक्रिय जिलों में शामिल रहा। कई स्थानों पर महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने लोकतांत्रिक जिम्मेदारी निभाते हुए मतदान केंद्रों तक पहुंचकर प्रेरणादायक उदाहरण पेश किया। सोलन जिले में 80.44 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। यहां 63,991 मतदाताओं में से 51,477 लोगों ने वोट डाले। ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह से ही मतदान को लेकर उत्सव जैसा वातावरण बना रहा।

मंडी जिले में 75.91 प्रतिशत मतदान हुआ। जिले में 1,40,809 मतदाताओं में से 1,06,889 लोगों ने मतदान किया। मंडी प्रदेश के बड़े जिलों में शामिल रहा और यहां मतदान केंद्रों पर दिनभर अच्छी चहल-पहल बनी रही। चंबा जिले में 77.74 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। जिले में 77,234 मतदाताओं में से 60,042 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। दूरदराज क्षेत्रों से लोग पैदल चलकर मतदान केंद्रों तक पहुंचे।

बिलासपुर जिले में 73.79 प्रतिशत मतदान हुआ। यहां 60,186 मतदाताओं में से 44,414 लोगों ने मतदान किया। जिले में शांतिपूर्ण तरीके से मतदान प्रक्रिया संपन्न हुई।

ऊना जिले में 74.54 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। जिले में 67,928 मतदाताओं में से 50,632 लोगों ने मतदान किया। युवाओं और महिलाओं की भागीदारी ने चुनाव को और अधिक उत्साहपूर्ण बना दिया।

किन्नौर जिले में 74.26 प्रतिशत मतदान हुआ। यहां 11,744 मतदाताओं में से 8,721 लोगों ने मतदान किया। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद मतदाताओं का उत्साह कम नहीं हुआ।

कांगड़ा जिले में सबसे अधिक पंचायतों और वार्डों में मतदान हुआ। जिले की 287 पंचायतों और 1713 वार्डों में चुनाव कराए गए। यहां 2,15,198 मतदाताओं में से 1,51,760 लोगों ने मतदान किया और मतदान प्रतिशत 70.52 दर्ज किया गया।

लाहौल-स्पीति जिले में 68.10 प्रतिशत मतदान हुआ। जिले में 5,217 मतदाताओं में से 3,553 लोगों ने मतदान किया। बर्फीले और कठिन इलाकों के बावजूद मतदाताओं ने लोकतंत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। हमीरपुर जिला मतदान प्रतिशत में सबसे पीछे रहा। यहां 61,198 मतदाताओं में से 40,833 लोगों ने मतदान किया और कुल मतदान प्रतिशत 66.72 दर्ज किया गया। हालांकि कई क्षेत्रों में मतदान बहिष्कार और स्थानीय मुद्दों की चर्चा भी बनी रही।

ग्राम पंचायत डवाहण के वार्ड नंबर 3 में महिलाएं उत्साहपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए लाइनों में खड़ी अपनी बारी का इंतजार करती हुईं। अनंत ज्ञान

शांतिपूर्ण रहा दूसरे चरण का मतदान

राज्य निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार प्रदेशभर में मतदान शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ। कई जिलों में महिलाओं, बुजुर्गों और पहली बार मतदान करने वाले युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पंचायत चुनावों में ग्रामीण जनता की यह भागीदारी लोकतंत्र की मजबूती का बड़ा संकेत मानी जा रही है।

116 वर्षीय खड़कू राम ने वोट डाल पेश की मिसाल

अनंत ज्ञान, जाहू। लोकतंत्र के प्रति जागरूकता की मिसाल पेश करते हुए 116 वर्षीय खड़कू राम लाठी के सहारे मतदान केंद्र पहुंचे और अपना वोट डाला। वार्ड नंबर 2 (बरडू) निवासी खड़कू राम ने जाड़ स्थित मतदान केंद्र पर अपने मताधिकार का प्रयोग कर युवाओं को मतदान के लिए प्रेरित किया। मतदान के बाद उन्होंने कहा कि हर नागरिक को वोट जरूर देना चाहिए। प्रशासनिक अधिकारियों ने भी उनके जज्बे की सराहना की और उन्हें सम्मानित किया। खड़कू राम की सक्रियता ने मतदान केंद्र पर मौजूद सभी लोगों को प्रभावित किया।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने घटाया वीआईपी काफिला

सरकारी फिजूलखर्ची पर लगेगी लगाम, अधिकारियों को एक वाहन में सफर करने के निर्देश

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में बढ़ती ईंधन खपत व सरकारी खर्चों को नियंत्रित करने की दिशा में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने एक बड़ा और सराहनीय कदम उठाया है। मुख्यमंत्री ने अपने काफिले में शामिल वाहनों की संख्या कम करने के निर्देश देकर न केवल सरकारी फिजूलखर्ची पर लगाम लगाने का प्रयास किया है, बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र को सादगी, जवाबदेही और ऊर्जा संरक्षण का संदेश भी दिया है।

सुक्खू सरकार का मानना है कि यदि सत्ता और प्रशासन खुद उदाहरण पेश करेगा, तो आम जनता भी ईंधन बचत और संसाधनों के जिम्मेदार उपयोग के प्रति अधिक जागरूक होगी।

जानकारी के अनुसार इस पहल की शुरुआत राजभवन से हुई थी। राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने सबसे पहले लोक भवन में इस्तेमाल होने वाले वाहनों की संख्या कम कर एक नई परंपरा की शुरुआत की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ऊर्जा संरक्षण और ईंधन बचत को लेकर दिए गए संदेश के बाद यह मुहिम अब राज्य सचिवालय और प्रशासनिक व्यवस्था तक पहुंच चुकी है।

मुख्यमंत्री सुक्खू पहले ही अपने आधिकारिक दौरों के दौरान इलेक्ट्रिक वाहन का उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे चुके हैं। अब सरकार पूरे प्रशासनिक ढांचे में ईंधन की खपत कम करने के लिए व्यापक स्तर पर कदम उठाने की तैयारी में है। माना जा रहा है कि आने वाले समय में यह पहल प्रदेश में ऊर्जा बचत और सादगीपूर्ण प्रशासन की एक नई मिसाल बन सकती है।

सरकारी स्कूलों में देंगे आधुनिक और छात्र हितैषी शिक्षा : डॉ. राजेश शर्मा

कहा-9वीं-10वीं के सिलेबस में होगा बड़ा बदलाव, प्रतियोगी परीक्षाओं में मिलेगी सहायता

अनंत ज्ञान

नगरोटा बगवां। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. राजेश शर्मा के नेतृत्व में सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था में लगातार सुधार देखने को मिल रहा है। 'अनंत ज्ञान' से विशेष बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि आने वाले समय में शिक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत, आधुनिक और छात्र हितैषी बनाया जाएगा। उनका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और उन्हें राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है।

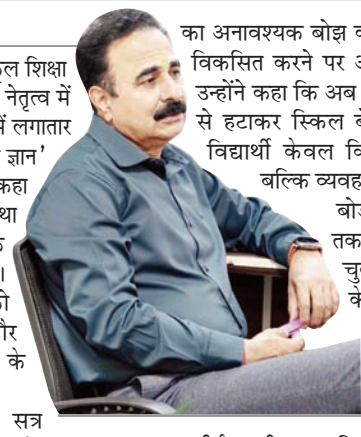

उन्होंने कहा कि शैक्षणिक सत्र 2027-28 से 9वीं और 10वीं कक्षा के सिलेबस में बड़े बदलाव किए जाएंगे। नया सिलेबस पूरी तरह एनसीईआरटी आधारित होगा। इससे छात्रों पर पढ़ाई का अनावश्यक बोझ कम होगा और उनकी समझ विकसित करने पर अधिक ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब शिक्षा व्यवस्था को रट्टा प्रथा से हटाकर स्किल बेस्ड बनाया जाएगा, ताकि विद्यार्थी केवल किताबों तक सीमित न रहें बल्कि व्यवहारिक ज्ञान भी प्राप्त कर सकें। बोर्ड पहले ही चौथी से आठवीं तक के सिलेबस में बदलाव कर चुका है। पुराने और राष्ट्रीय स्तर के सिलेबस में अंतर होने के कारण छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं और उच्च शिक्षा में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। एनसीईआरटी आधारित सिलेबस लागू होने से विद्यार्थियों को पूरे देश में समान शैक्षणिक ढांचा मिलेगा, जिससे उनकी तैयारी अधिक मजबूत होगी।

वोकेशनल एजुकेशन पर फोकस

नई शिक्षा नीति के तहत छठी से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को वोकेशनल एजुकेशन से जोड़ा जाएगा। इसके माध्यम से छात्रों में व्यवहारिक ज्ञान, तकनीकी समझ और रोजगारपरक दक्षताओं का विकास किया जाएगा। यह पहल विद्यार्थियों को भविष्य के लिए अधिक सक्षम बनाने में सहायक होगी।

संस्कृति और शिक्षकों के प्रशिक्षण पर जोर

विद्यार्थियों को हिमाचली संस्कृति और स्वतंत्रता आंदोलन से भी अवगत कराया जाएगा, ताकि वे अपनी जड़ों से जुड़े रहें। उन्होंने यह भी कहा कि बदलते समय के साथ शिक्षकों को भी अपनी टीचिंग मैथड बदलने की आवश्यकता है। इसके लिए बोर्ड जल्द ही विशेष वर्कशॉप आयोजित करेगा। यही नहीं, स्कूलों में सेमेस्टर सिस्टम लागू करने पर भी विचार किया जा रहा है, ताकि विद्यार्थियों पर पढ़ाई का दबाव कम हो और शिक्षा व्यवस्था अधिक व्यवस्थित बन सके। सरकारी स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम शुरू होने के बाद अभिभावकों का विश्वास भी बढ़ा है और अब कई माता-पिता अपने बच्चों का दाखिला निजी स्कूलों से हटाकर सरकारी स्कूलों में करवा रहे हैं।

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने दिया इस्तीफा

कहा-जो आलाकमान ने कहा, मैंने किया

एजेंसी, बेंगलुरु

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने वीरवार को इस्तीफा दे दिया। उन्होंने बेंगलुरु में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा- मैंने पहले ही कहा था कि हाईकमान जब कहेगा, मैं इस्तीफा दे दूंगा। कल हाईकमान ने कहा और आज मैंने इस्तीफा दे दिया।

◆ डीके शिवकुमार होंगे अगले मुख्यमंत्री

उन्होंने बताया कि राज्यपाल थावरचंद गहलोत के सचिव को इस्तीफा सौंपा है। गहलोत फिलहाल पारिवारिक कारणों से बेंगलुरु से बाहर हैं। इसके बाद डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार का मुख्यमंत्री बनना तय माना जा रहा है। शुक्रवार को विधायक दल की बैठक में इसका ऐलान किया जा सकता है।

सिद्धारमैया का हटना रोटेशनल सीएम फॉर्मूला के तहत माना जा रहा है। इससे पहले सिद्धारमैया ने अपने घर पर मंत्रियों के साथ बैठक की और फैसले की जानकारी दी। बैठक के दौरान डीके शिवकुमार ने सिद्धारमैया के पैर छुए, जिसके बाद दोनों गले मिले।

पटना-गंगा में 15 लोगों से भरी नाव डूबी, 3 की मौत, 4 लापता

एजेंसी, पटना। पटना के बाढ़ में गंगा में नाव पलटने से 3 लोगों की डूबने से मौत हो गई, जबकि 5 लापता बताए जा रहे हैं। 7 लोगों को बचा लिया गया है। नाव पर करीब 14 लोग सवार थे, जिसमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे शामिल थे। हादसा बाढ़ के उमानाथ इलाके में हुआ है। नाव पर सवार सभी लोग बाढ़ थाना क्षेत्र के मासूमगंज बिंद टोली के निवासी थे। जानकारी के मुताबिक, वीरवार की सुबह 5:45 बजे बिंद टोली के 14 लोग नाव से समस्तीपुर जिला के सुल्तानपुर दियारा गए थे। बाढ़ से लोग अक्सर सब्जी तोड़ने और खेती के काम उस इलाके में जाते हैं। वापस लौटने के दौरान तेज हवा और क्षमता से अधिक लोड के कारण नाव पलट गई। नाव पर बचाव के उपकरण भी नहीं थे। नाव पर सवार लोगों ने बताया कि जैसे ही नाव नदी की बीच धारा में पहुंची, डगमगाने लगी। हम लोग कुछ समझ पाते इतने में नाव नदी में डूब गई। धारा इतनी तेज थी कि कुछ सवारियां तो बह गईं, उन्हें बचाने तक का मौका नहीं मिला। (अनंत ज्ञान)

कुल्लू में टाटा सूमो खाई में गिरी, 3 की मौत, 8 घायल

अनंत ज्ञान, कमलेश वर्मा, कुल्लू। जिला मुख्यालय के साथ लगती लगघाटी की बढ़ई-बाग-पीज सड़क (जोकू नाला) पर रविवार को टाटा सूमो टैक्सी के दुर्घटनाग्रस्त होने से तीन महिलाओं की मौत हो गई, जबकि आठ लोग घायल हो गए। घायलों में एक 6 वर्षीय बच्चा भी शामिल है। बताया जा रहा है कि वाहन में करीब 11 लोग सवार थे। सभी ग्रामीण मतदान करने के बाद शिरड़ गांव में आयोजित काहिका मेला देखने जा रहे थे, तभी जोकू नाला के पास चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और टैक्सी गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में मैना देवी, कलावती और काली देवी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायलों में जय सिंह, माला देवी, अंजू, कमला, अयांश ठाकुर (6), तारा ठाकुर, प्रोमिला देवी, चित्रु देवी और सवित्रा शामिल हैं। इनमें अयांश और तारा ठाकुर की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें एम्स बिलासपुर रेफर किया गया है। विधायक सुंदर ठाकुर ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना और बेहतर इलाज के निर्देश दिए।

खाई में गिरा वाहन। अनंत ज्ञान

धरोहर मंडी में बरसेलों के ऊपर भी मिली है टांकरी लिपि, जिलाभर के देवी-देवताओं के मोहरों पर भी अंकित है टांकरी

टांकरी लिपि को संजोने में जुटे हिमाचल के विद्वान और शिक्षक

अनंत ज्ञान

अनिल शर्मा, मंडी। ऐतिहासिक नगरी छोटीकाशी राजतंत्र से ही सामाजिक व्यवसायिक और सांस्कृतिक केंद्र बिंदु रही है और यही कारण है कि यहां के राजाओं ने स्कूलों में पढ़ाने के लिए टांकरी जैसी दुर्लभ लिपि की किताब लिखवा कर उसे स्कूलों में पढ़ाया है, लेकिन कालचक्र के प्रभाव से आज यह लिपि विलुप्ति के कगार पर पहुंच गई है। इसे सहेजने के लिए टांकरी गुरु पारुल अरोड़ा ने 10 दिवसीय कार्यशाला में सैकड़ों बच्चों को प्रशिक्षित दिया है। 'अनंत ज्ञान' से खास बातचीत में डॉ. जगदीश कपूर ने बताया कि कश्मीर की शारदा लिपि से टांकरी लिपि और गुरमुखी लिपि का जन्म हुआ है। 1300 ई. के बाद इन लिपियों ने आम जनमानस में काफी पकड़ बना ली थी इसके पश्चात टांकरी लिपि ने देव संस्कृति, रियासत, व्यापार आदि में अपना कार्य व्यवहार का पूर्ण रूप ले लिया इसके पश्चात लॉर्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति के कारण टांकरी लिपि सहित भारत की सैकड़ों लिपियां और भाषाएं विलुप्त हो गई और उस व्यक्ति की कगार पर हैं।

करसोग में मंदिर की घंटी व त्रिलोकीनाथ मंदिर मंडी के अंदर शिलालेख में टांकरी लिपि।

मंडी के पारुल अरोड़ा ने कहा कि टांकरी विषय का संरक्षण और संवर्धन बहुत ही आवश्यक है। पूर्व काल में टांकरी लिपि जन-जन की लिपि रही है और इस कारण बहुत से दस्तावेज अभी भी टांकरी में मिल रहे हैं। यहां तक कि देवताओं के मोहरों से लेकर के शिलालेख तक टांकरी में मिले हैं जिन्हें पढ़ना और उनके ऊपर शोध करना वर्तमान समय में बहुत ही जरूरी है। मंडी में ऐतिहासिक बरसेलों के ऊपर टांकरी लिपि में राजाओं के स्वर्गवास की महत्वपूर्ण तिथियां अंकित है। इसके साथ ही जिलाभर में बहुत से देवी-देवताओं के मोहरों के ऊपर भी टांकरी लिपि में तिथियां और किसके द्वारा बनवाए गए, का काल अंकित है।

चंड महात्मा के पास है हजारों पांडुलिपियां

महापंडित राहुल सांकृत्यायन से प्रभावित होकर टांकरी सहित लोक साहित्य एवं कला संस्कृति की 5000 से अधिक पांडुलिपियां मौजूद हैं, लेकिन इनको सहेजने वाले चंद्रमणि चंड महात्मा की इच्छा आज भी अधूरी ही है। चंद्रमणि का यह विशाल संग्रह आज भी विलुप्ति के कगार पर पहुंच गया है। व्यतीत होते काल क्रम में बहुत से विद्वान आए लेकिन इस महत्वपूर्ण जखीरे को सहेजने की दिशा में अभी तक कोई खास प्रयास पर धरातल पर सफल नहीं हो पाए हैं।

प्रदेश में टांकरी लिपि का इतिहास

राजा विजय सेन ने विक्रमी संवत 1927 यानी 1870 ईस्वी में मंडी के बगसी राम से टांकरी विषय की पुस्तक एक लिखवाई। उसके उपरांत राजा जोगिंद्र सेन के कहने पर बगसी राम के बेटे जयकिसन अतरचंद ने विक्रमी संवत 1986 यानी 1929 ई. में पुनः एक और पुस्तक छपवाई। मंडी रियासत में ही 1953 ईस्वी में लाहौर से आयुर्वेद पर आधारित पुस्तक की प्रकाशित करवाई गई। हिमाचल भाषा संस्कृति के सौजन्य से 1988 ईस्वी में चंबा निवासी डॉ. रीता शर्मा ने टांकरी भाग-2 नामक पुस्तक शोध करने के बाद निकाली। हिमाचल भाषा संस्कृति विभाग द्वारा चंबा स्मारिका 2006 ईस्वी में डॉ. रीता शर्मा का आलेख प्रकाशित है। कांगड़ा निवासी हरिकृष्ण मुरारी, कुल्लू निवासी स्वर्गीय खूबराम खुशदिल ने भी टांकरी लिपि को सहेजने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कुल्लू निवासी यतिन पंडित भी टांकरी के संरक्षण के लिए प्रयासरत हैं। वर्ष 2018 ईस्वी में मंडी निवासी डॉ. जगदीश कपूर ने मंडयाली टांकरी नामक पुस्तक निकाली, जिसने मंडी वासियों का खासा ध्यान आकर्षित किया है।

राज्यपाल ने किया 'मीनिंगफुल वे ऑफ हेल्दी लाइफ' का विमोचन

कहा- डॉ. श्रेयांश कुमार जैन की पुस्तक स्वस्थ जीवन शैली अपनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। जम्मू में आयोजित एक गरिमामयी समारोह में राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने राज्य योग आयुक्त एवं इंडियन योग एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. श्रेयांश कुमार जैन द्वारा लिखित पुस्तक 'मीनिंगफुल वे ऑफ हेल्दी लाइफ' का विमोचन किया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने पुस्तक को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

डॉ. श्रेयांश कुमार जैन की पुस्तक मीनिंगफुल वे ऑफ हेल्दी लाइफ का विमोचन करते राज्यपाल कविंद्र गुप्ता। अनंत ज्ञान

विचार क्रांति मंच इंटरनेशनल के उपाध्यक्ष अशोक गुप्ता ने पुस्तक की विषयवस्तु और महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पुस्तक आम जनमानस, विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और सामाजिक संस्थाओं के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि पुस्तक का उद्देश्य योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से विभिन्न सामान्य रोगों के उपचार और बचाव के प्रति लोगों को जागरूक करना है। डॉ. श्रेयांश कुमार जैन ने राज्यपाल कविंद्र गुप्ता के जीवन और उपलब्धियों पर आधारित एक भावपूर्ण कविता प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन का भी माध्यम है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि जो भी शैक्षणिक संस्थान अथवा गैर सरकारी संगठन इस पुस्तक को प्राप्त करना चाहेंगे, उन्हें यह अत्यंत रियायती दरों पर उपलब्ध कराई जाएगी।

भारतीय जनसंचार संस्थान के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. दलीप कुमार ने भी पुस्तक की सराहना करते हुए इसे पाठकों के लिए उपयोगी बताया। उन्होंने शिवांक प्रकाशन के संपादन और प्रकाशन कार्य की प्रशंसा की तथा इस अवसर पर अपनी स्वरचित पुस्तक भारतीय दृष्टि से तिथि वृत्तांत राज्यपाल कविंद्र गुप्ता को भेंट की।

कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश की लेडी गवर्नर बिंदु गुप्ता को भी सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी पहलों में सहयोग के लिए सम्मानित किया गया। एआरएसएच एनजीओ की अध्यक्ष शिखा जैन ने उन्हें सम्मान स्वरूप स्मृति चिह्न भेंट किया। समारोह में केएस सम्याल, राकेश वर्मा, नरेंद्र वाधेरा, संजय जंडियाल और शिखा जैन सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अंत में के. एस. सम्याल ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया।

अगले महीने शिमला से धर्मशाला स्थानांतरित होगा रेरा का ऑफिस!

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक खर्चों में कटौती और सरकारी संसाधनों के बेहतर उपयोग की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए हिमाचल प्रदेश रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) के कार्यालय को शिमला से धर्मशाला स्थानांतरित करने की तैयारी शुरू कर दी है। सरकार का उद्देश्य निजी भवनों पर होने वाले भारी किराया खर्च को कम करना है, जिसके तहत विभिन्न विभागों और कार्यालयों को चरणबद्ध तरीके से सरकारी परिसरों में स्थानांतरित किया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार एक जून को अधिकारियों की विशेष टीम धर्मशाला में प्रस्तावित नए कार्यालय भवन का निरीक्षण करेगी। निरीक्षण के दौरान भवन की सुविधाओं, कार्यालय संचालन की क्षमता और आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया जाएगा, ताकि स्थानांतरण प्रक्रिया को जल्द अंतिम रूप दिया जा सके।

सूत्रों की मानें तो जून महीने में ही रेरा कार्यालय को शिमला से धर्मशाला शिफ्ट किया जा सकता है। सरकार इस पूरी प्रक्रिया को प्रशासनिक सुधार और खर्च नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मान रही है। कार्यालय को धर्मशाला शिफ्ट करने का मामला पहले कैबिनेट में लिए गए निर्णय के बाद विवादों में आ गया था। इस निर्णय को लेकर मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था। अदालत में सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से कार्यालय स्थानांतरण को लेकर पक्ष रखा गया। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में आदेश देते हुए रेरा कार्यालय को धर्मशाला स्थानांतरित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।बताया जा रहा है कि प्रदेश सरकार आने वाले समय में अन्य विभागों के कार्यालयों को भी सरकारी भवनों में शिफ्ट करने की योजना पर काम कर रही है।

इससे न केवल सरकारी खजाने पर पड़ने वाला अतिरिक्त बोझ कम होगा, बल्कि विभागीय कार्यप्रणाली को भी अधिक व्यवस्थित और केंद्रीकृत बनाया जा सकेगा।

अब सचिवालय में अस्थायी दफ्तर से काम करेंगे सीएम

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश सचिवालय स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय के पुनर्गठन व नए भवन निर्माण कार्य को लेकर प्रशासन ने अस्थायी व्यवस्था लागू कर दी है।

पुराने मुख्यमंत्री कार्यालय और मुख्य सचिव कार्यालय के कुछ हिस्सों को हटाकर नए ढांचे का निर्माण किया जा रहा है। इसी कारण मुख्यमंत्री अब सचिवालय परिसर में ही अस्थायी कार्यालय से कामकाज संभालेंगे। प्रशासनिक स्तर पर नई व्यवस्था को अंतिम रूप दिया जा रहा है ताकि सरकारी कार्य प्रभावित न हों।

जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री के प्रस्तावित अस्थायी कार्यालय में सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत कर दी गई है। प्रवेश द्वार पर आगंतुकों की जांच के लिए मेटल डिटेक्टर लगाए गए हैं, जबकि सुरक्षा कर्मियों की तैनाती बढ़ा दी गई है। अधिकारियों के अनुसार, आगंतुकों के बैठने के लिए अलग वेटिंग रूम की व्यवस्था भी की गई है। मुख्यमंत्री के साथ प्रधान निजी सचिव और सीमित स्टाफ ही अस्थायी कार्यालय में बैठेंगे।

सुरक्षा और निर्माण कार्य को देखते हुए सचिवालय की धरातल मंजिल पर स्थित कई शाखाओं को दूसरी जगह स्थानांतरित किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग की कुछ शाखाओं और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संगठन के कार्यालय को भी अन्य स्थानों पर भेजा गया है। कर्मचारियों की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए इमारत की कैंटीन में अब एक ही प्रवेश मार्ग रखा गया है। पहले कर्मचारी विभिन्न दिशाओं से कैंटीन तक पहुंचते थे, लेकिन अब नई व्यवस्था लागू कर दी गई है। फिलहाल मुख्यमंत्री कार्यालय का स्टाफ पुरानी जगह से ही काम कर रहा है, लेकिन अगले सप्ताह से अस्थायी कार्यालय से कामकाज शुरू होने की संभावना है। मुख्य सचिव और उनके स्टाफ के बैठने को लेकर भी कई विकल्पों पर विचार किया जा रहा है।

रझाणा के जंगलों में भड़की आग

बहुमूल्य वनसंपदा जलकर राख, आसपास के गांवों में भी दहशत का माहौल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। जिला के रझाणा क्षेत्र के जंगलों में वीरवार को अचानक भीषण आग भड़क उठी, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। देखते ही देखते आग ने जंगल के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया और बहुमूल्य वनसंपदा जलकर राख हो गई। जंगल से उठता धुएं का गुब्बार दूर-दूर तक दिखाई देता रहा, जिससे आसपास के ग्रामीणों में भी दहशत का माहौल बना रहा।

शिमला के रझाणा क्षेत्र के जंगलों में लगी भीषण आग का दृश्य। अनंत ज्ञान

आग की सूचना मिलते ही वन विभाग और अग्निशमन विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू कर दिए। हालांकि सूखी घास, चीड़ की पत्तियों और तेज हवाओं के चलते आग तेजी से फैलती रही, जिससे राहत कार्यों में काफी दिक्कतें सामने आईं। विभागीय कर्मचारी लगातार जंगल के विभिन्न हिस्सों में जाकर आग बुझाने में जुटे हुए हैं ताकि आग आबादी वाले क्षेत्रों तक न पहुंच सके। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन वन विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है। विभाग ने लोगों से अपील की है कि जंगलों के आसपास किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें और आग जैसी घटनाओं की सूचना तुरंत प्रशासन को दें।

वहीं स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन से जंगलों की सुरक्षा के लिए स्थायी कदम उठाने की मांग की है।

शिलडू में काली माता मंदिर तक पहुंची आग की लपटें

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। कोटखाई उपमंडल के अंतर्गत आने वाले शिलडू गांव में आग का एक बेहद भयानक रूप देखने को मिला, जिसने पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया। क्षेत्र के समीपवर्ती जंगलों में भीषण आग लगी हुई थी, जिसने धीरे-धीरे विकराल रूप धारण कर लिया। तेज हवाओं और सूखे मौसम के कारण जंगल की यह भयावह आग फैलते हुए सीधे शिलडू गांव के ऐतिहासिक एवं पूजनीय काली माता मंदिर तक पहुंच गई। देखते ही देखते आग की ऊंची लपटों ने पूरे मंदिर परिसर को अपनी आगोश में ले लिया और एक भव्य धार्मिक व सांस्कृतिक धरोहर पल भर में जलकर पूरी तरह राख हो गई। इस भीषण हादसे के बाद पूरे इलाके में चीख-पुकार मच गई और चारों तरफ धुएं का गुबार छा गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों ने अपने स्तर पर आग पर काबू पाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन आग इतनी भयंकर थी कि उस पर नियंत्रण पाना मुश्किल हो रहा था। इसके तुरंत बाद दमकल विभाग की गाड़ियां और प्रशासनिक टीमें मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग को गांव के रिहायशी मकानों तक फैलने से रोका। प्रशासन की ओर से अब आग लगने के सटीक कारणों और कुल नुकसान का विस्तृत मूल्यांकन किया जा रहा है।

पंचायत चुनावों में कांग्रेस का हो रहा सफाया : जम्वाल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता राकेश जम्वाल ने कांग्रेस मंत्री विक्रमादित्य सिंह पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में कांग्रेस का लगातार गिरता जनाधार देखकर वह पूरी तरह बौखला चुके हैं। उन्होंने कहा कि अपनी राजनीतिक जमीन खिसकती देख विक्रमादित्य सिंह अब भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल पर अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। जम्वाल ने कहा कि प्रदेश की जनता कांग्रेस की जनविरोधी नीतियों और केवल आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति से पूरी तरह ऊब चुकी है। राकेश जम्वाल ने कहा कि पंचायत चुनावों में कांग्रेस का पूरी तरह सफाया हो गया है और जनता ने भाजपा समर्थित उम्मीदवारों को ऐतिहासिक समर्थन देकर विकास, पारदर्शिता और मजबूत नेतृत्व पर अपनी मुहर लगाई है।

उन्होंने कहा कि विक्रमादित्य सिंह स्वयं रामपुर और सुन्नी क्षेत्रों में चुनाव प्रचार करने पहुंचे थे, लेकिन वहां भी कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अब स्थिति यह हो गई है कि विक्रमादित्य अपने प्रभाव वाले क्षेत्रों में भी प्रधान और उपप्रधानों को बचाने में असफल साबित हो रहे हैं। भाजपा मुख्य प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस सरकार से प्रदेश की जनता पूरी तरह निराश हो चुकी है और यही कारण है कि पंचायत चुनावों में जनता ने कांग्रेस को सिरे से नकार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अब विकास की बजाय केवल भ्रम और भौकाल की राजनीति कर रही है। जमवाल ने कहा कि भाजपा जनादेश का सम्मान करती है और प्रदेश के विकास, पारदर्शी शासन तथा जनहित के कार्यों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

नवनिर्मित पंचायत धाली में मतदाताओं में दिखा भारी उत्साह

मतदाताओं ने रिकॉर्ड 92 प्रतिशत मतदान कर जागरूकता का दिया परिचय

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। आजादी के बाद पहली बार अस्तित्व में आई नई ग्राम पंचायत धाली में वीरवार को मतदान को लेकर लोगों में भारी उत्साह देखने को मिला। नवनिर्मित पंचायत चुनावों में मतदाताओं ने रिकॉर्ड 92 प्रतिशत मतदान कर लोकतंत्र के प्रति अपनी जागरूकता और उत्साह का परिचय दिया। सहायक निर्वाचन अधिकारी धाली के अनुसार पंचायत में कुल 587 मतदाता पंजीकृत थे, जिनमें से 539 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

नवनिर्मित पंचायत धाली में मतदान केंद्र पर उत्साह के साथ मतदान करने पहुंचे ग्रामीण एवं युवा मतदाता। अनंत ज्ञान

पंचायत क्षेत्र के धाली बागड़ा, ठूंड, शिल्ली, आंजी और चलोग वार्डों के मतदाता सुबह से ही सजधज कर मतदान केंद्रों पर पहुंचे और लोकतंत्र के इस पर्व में बढ़-चढ़कर भाग लिया। राजकीय उच्च पाठशाला धाली में चार मतदान बूथ बनाए गए थे, जबकि एक अन्य बूथ ठूंड गांव में स्थापित किया गया था। कुल 589 मतदाताओं वाली इस पंचायत में मतदान के दौरान उत्सव जैसा माहौल बना रहा तथा लोगों ने शांतिपूर्ण ढंग से अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

प्रशासन और पुलिस विभाग की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे तथा कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। मतदान के प्रति बुजुर्गों और युवाओं का उत्साह भी खास आकर्षण का केंद्र रहा। लंबे समय से बीमार चल रही मीरा देवी शिल्ली से मतदान करने पहुंचीं, वहीं 97 वर्षीय शौंकी राम ने भी मतदान कर लोकतंत्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। दूसरी ओर युवा मतदाता भी काफी उत्साहित नजर आए। तमन्ना, उर्वशी और कोमल ने बताया कि वे सोलन में पढ़ाई कर रही हैं, लेकिन मतदान के लिए विशेष रूप से गांव पहुंची हैं।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए सही उम्मीदवार का चयन बेहद जरूरी है और हर मतदाता को अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए।

हिमाचल में राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूलों से बदलेगी शिक्षा की तस्वीर

हर विधानसभा क्षेत्र में आधुनिक सुविधाओं से लैस आदर्श विद्यालय खोलने की तैयारी

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। सुक्खू सरकार राज्य में शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने के लिए राजीव गांधी राजकीय आदर्श डे-बोर्डिंग स्कूलों की स्थापना में तेजी ला रही है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक अत्याधुनिक डे-बोर्डिंग स्कूल स्थापित किया जाए, ताकि दूरदराज क्षेत्रों के बच्चों को भी बेहतर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सुधारों के माध्यम से सरकारी विद्यालयों को आधुनिक स्वरूप देने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है।

इन आदर्श विद्यालयों में प्री-प्राइमरी से लेकर 12वीं कक्षा तक समग्र शिक्षा प्रदान की जाएगी। स्कूलों में स्मार्ट कक्षाएं, खेल मैदान, इंडोर स्टेडियम, स्विमिंग पूल सहित आधुनिक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रहे, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का माध्यम बने, इसके लिए सरकार शिक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव कर रही है। इसके अलावा प्रदेश सरकार ने शिक्षा विभाग के पुनर्गठन के तहत स्कूल शिक्षा निदेशालय और उच्च शिक्षा निदेशालय की स्थापना की है। वहीं सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय शिक्षा प्रणालियों का अध्ययन करने के लिए विदेशों में एक्सपोजर विजिट पर भेजा जा रहा है। इसके साथ-साथ मेधावी विद्यार्थियों को भी शैक्षणिक भ्रमण के लिए विदेश भेजने की पहल की गई है, ताकि उन्हें वैश्विक स्तर की शिक्षा प्रणाली को समझने का अवसर मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षकों की कमी विद्यार्थियों की पढ़ाई में बाधा न बने, इसके लिए सरकार प्राथमिकता के आधार पर रिक्त पद भर रही है। इसके अतिरिक्त प्रदेश के 156 स्कूलों को सीबीएसई पाठ्यक्रम से संबद्ध किया जा रहा है तथा इन संस्थानों में कला, विज्ञान और वाणिज्य संकाय भी शुरू किए जा रहे हैं। सरकार का लक्ष्य सरकारी स्कूलों को निजी शिक्षण संस्थानों के बराबर सुविधायुक्त बनाना है।

राष्ट्रीय शिक्षा सूचकांक में हिमाचल की लंबी छलांग

प्रदेश सरकार के शिक्षा सुधारों का असर अब राष्ट्रीय स्तर पर भी दिखाई देने लगा है। शिक्षा मंत्रालय की परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स 2.0 रिपोर्ट में हिमाचल प्रदेश ने गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा प्रदान करने में देशभर में छठा स्थान हासिल किया है। राज्य ने 13वें स्थान से छलांग लगाकर शीर्ष राज्यों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करवाई है। वहीं राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण 2025 में भी हिमाचल ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए देश के शीर्ष पांच राज्यों में स्थान बनाया है।

शिमला में सेब, प्लम, खुमानी और चेरी के दाम सुनकर खरीदार हैरान

300 से 500 रुपए प्रति किलो के बीच बिक रही चेरी और खुमानी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। पहाड़ों की रानी शिमला के बाजारों में आजकल सेब, प्लम, खुमानी और चेरी जैसे गुठलीदार फलों की महक तो बिखरी है, लेकिन इनके दाम सुनकर आम आदमी के पसीने छूट रहे हैं। सीजन की शुरुआत होते ही फल मंडियों और स्थानीय बाजारों में गुठलीदार फलों की कीमतें आसमान छूने लगी हैं। जो फल कभी हर घर की डाइनिंग टेबल की शान हुआ करते थे, वे अब सिर्फ खास लोगों की ही पसंद बनकर रह गए हैं।

खुदरा बाजार में इन फलों के दाम पिछले साल के मुकाबले लगभग दोगुने हो चुके हैं, जिससे स्थानीय उपभोक्ताओं के साथ-साथ यहां घूमने आए सैलानी भी हैरान हैं। जानकारी के अनुसार इस बार

मौसम के बदले मिजाज, बेमौसम बारिश व ओलावृष्टि के कारण बगीचों में फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। उत्पादन में आई इसी गिरावट की वजह से मंडियों में फलों की आवक बेहद कम है, जबकि देश-विदेशी बाजारों से इसकी मांग लगातार बनी हुई है। कम सप्लाई और भारी डिमांड के इसी गणित ने कीमतों को रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा दिया है। मंडियों में जहा प्लम का थोक भाव 185 से 200 तक पहुंच रहा है, वहीं खुदरा बाजार में यह 250 प्रति किलो तक बिक रहा है। इसके अलावा, अच्छी गुणवत्ता वाली खुमानी और चेरी के दाम खुदरा में 300 से 500 प्रति किलो के बीच चल रहे हैं, जिसने आम जनता के बजट को पूरी तरह से बिगाड़ कर रख दिया है।

व्यापारियों और आढ़तियों का कहना है कि यदि आने वाले दिनों में मौसम का मिजाज ऐसा ही रहा और मंडियों में फलों की आवक नहीं सुधरी, तो कीमतें और ज्यादा बढ़ सकती हैं। वर्तमान में कोल्ड स्टोर से आ रहा पुराना सेब भी 200 से 300 प्रति किलो के भाव बिक रहा है, जिससे साफ है कि इस सीजन में फल खरीदना मध्यमवर्ग के लिए मुहाल होने वाला है। इससे स्थानीय बागवानों की चिंताएं तो बढ़ी ही हैं, साथ ही शिमला के आम उपभोक्ताओं को भी फलों के स्वाद से दूर रहने पर मजबूर कर दिया है।

गुड न्यूज हिमाचल के सीमावर्ती क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को नया संबल मिलने की उम्मीद

'शिपकी-ला' से फिर शुरू होगा भारत-चीन व्यापार

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। किन्नौर जिले में स्थित भारत-चीन सीमा का ऐतिहासिक शिपकी-ला दर्रा एक बार फिर व्यापारिक गतिविधियों से गुलजार होने जा रहा है। करीब छह वर्षों के लंबे अंतराल के बाद 1 जून से भारत-चीन सीमा व्यापार दोबारा शुरू होगा, जिससे सीमावर्ती क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को नया संबल मिलने की उम्मीद है।

प्रशासनिक स्तर पर सभी तैयारियां लगभग मुकम्मल कर ली गई हैं और इस बार व्यापार के लिए बड़ी संख्या में व्यापारी भी आगे आए हैं। खास बात यह है कि इस व्यापार के तहत भारत से कृषि उत्पाद, हस्तशिल्प, खाद्य सामग्री और घरेलू उपयोग की वस्तुओं का निर्यात किया जाएगा, जबकि तिब्बत क्षेत्र से ऊन, पश्मीना, नमक, हर्बल दवाइयों समेत कई पारंपरिक वस्तुओं का आयात होगा। जानकारी के अनुसार विदेश मंत्रालय से राजनीतिक स्वीकृति मिलने के बाद किन्नौर जिला प्रशासन ने व्यापार सत्र को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं।

उपायुक्त एवं सह-व्यापार प्राधिकरण डॉ. अमित कुमार शर्मा के अनुसार अब तक लगभग 55 व्यापारियों ने आवेदन किया है। इन सभी आवेदनों को सुरक्षा जांच के लिए भेजा गया है और अनुमति मिलने के बाद व्यापारियों को ट्रेड व ट्रैवल पास जारी किए जाएंगे। प्रशासन का मानना है कि सीमा व्यापार शुरू होने से स्थानीय लोगों को रोजगार और कारोबार के नए अवसर प्राप्त होंगे तथा पारंपरिक व्यापारिक संबंधों को भी मजबूती मिलेगी। व्यापार प्रक्रिया को सरल और व्यवस्थित बनाने के लिए जून के पहले सप्ताह में विशेष कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इसमें वाणिज्य मंत्रालय, कस्टम विभाग और विदेश व्यापार महानिदेशक के अधिकारी व्यापारियों को आयात-निर्यात नियमों और प्रक्रियाओं की जानकारी देंगे।

फाइल फोटो

यह कार्यशाला ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन माध्यम से आयोजित हो सकती है। प्रशासन का उद्देश्य है कि व्यापारी सभी नियमों की सही जानकारी लेकर कारोबार करें ताकि किसी प्रकार की परेशानी न हो।

भारत की ओर से इस व्यापार के तहत करीब 36 वस्तुओं का निर्यात किया जाएगा।

इनमें चावल, जौ, आटा, गेहूं, कुट्टू, चाय, कॉफी, फल, सूखे मेवे, ताजी और सूखी सब्जियां, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, मसाले, वनस्पति तेल, कपड़े, रेडीमेड परिधान, हस्तशिल्प, हथकरघा उत्पाद, साइकिल, घड़ियां, स्टेशनरी, तांबे के सामान, स्थानीय जड़ी-बूटियां, अगरबत्ती और प्रार्थना चक्र जैसी वस्तुएं शामिल हैं। वहीं तिब्बत क्षेत्र से ऊन, बकरी का पशम, याक के बाल, खालें, नमक, सुहागा, चाइना क्ले, मक्खन, सिल्क, कालीन और स्थानीय हर्बल दवाइयों समेत लगभग 20 वस्तुओं का आयात किया जाएगा।

स्थानीय लोगों और व्यापारियों का मानना है कि शिपकी-ला व्यापार दोबारा शुरू होने से सीमांत क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार मिलेगी। लंबे समय से बंद पड़े इस व्यापार मार्ग के खुलने से न केवल पारंपरिक कारोबारी संबंध मजबूत होंगे बल्कि पर्यटन और स्थानीय उत्पादों को भी नया बाजार मिल सकेगा।

वोट डालने में बुजुर्ग भी नहीं रहे पीछे

विकास खंड लंबागांव में 100 वर्षीय ठाकरी देवी, 92 वर्षीय सरस्वती देवी के साथ अन्य बुजुर्गों ने लोकतंत्र के पर्व में निभाई भागीदारी।

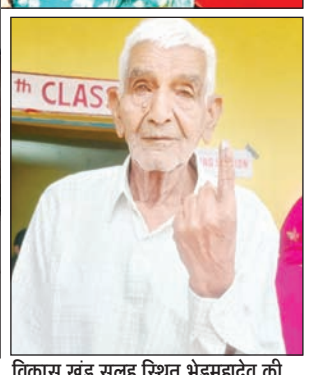

विकास खंड सुलह स्थित भेडूमहादेव की मलकेहड़ पंचायत के 83 वर्षीय बुजुर्ग ज्ञान चंद अपने मत का उपयोग करने उपरांत अंगुली का निशान दिखाते हुए।

सुलह विधानसभा क्षेत्र की डरोह पंचायत में मतदान के दौरान वोट देने के लिए मतदाताओं की लगी भीड़। अनंत ज्ञान

90 वर्षीय सावित्री देवी ने चनौता रोड स्थित आईटीआई मतदान केंद्र पर वोट डाला।

मतदाताओं में दिखा वोट डालने का क्रेज

दूसरे चरण का पंचायत चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न, सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के किए थे व्यापक प्रबंध

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। जिले में पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के तहत मतदान को लेकर मतदाताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। निर्वाचन विभाग के आंकड़ों के अनुसार वीरवार को दोपहर 3 बजे तक जिले में कुल 74.23 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। महिला मतदाताओं की भागीदारी पुरुषों की तुलना में अधिक रही।

जिले की 282 पंचायतों और 1616 पंचायत वार्डों में मतदान प्रक्रिया के आंकड़ों के अनुसार, कुल 3,95,856 मतदाताओं में से 2,93,845 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इनमें 1,38,106 पुरुष तथा 1,55,739 महिला मतदाता शामिल रहे। पुरुष मतदान प्रतिशत 69.11 जबकि महिला मतदान प्रतिशत 79.45 दर्ज किया गया। ब्लॉक स्तर पर इंदौरा में सबसे अधिक 80.63 प्रतिशत मतदान दर्ज किया। पालमपुर में 79.38 प्रतिशत, बड़ा में 78.11 प्रतिशत और नगरोटा बगवां में 78.50 प्रतिशत मतदान हुआ। धर्मशाला में 75.81 प्रतिशत तथा नूरपुर में 75.45 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। देहरा गोपीपुर में 72.90 प्रतिशत, नगरोटा सूरियां में 72.04 प्रतिशत, रैत में 72.13 प्रतिशत और सुलह में 71.89 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ। फतेहपुर में 74.34 प्रतिशत तथा कांगड़ा ब्लॉक में 74.46 प्रतिशत मतदान रहा। भवारना में 74.74 प्रतिशत, बैजनाथ में 73.62 प्रतिशत तथा खुंडियां में 73.62 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। पंचरुखी में 69.27 प्रतिशत और लंबागांव में सबसे कम 64.70 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ। जिला पंचायत अधिकारी सचिन ठाकुर ने बताया कि निर्वाचन विभाग के अनुसार सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए थे तथा मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण रही। सुबह 11 बजे तक जिले में कुल 41.50 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। जिले में कुल 3,95,856 मतदाताओं में से 1,64,282 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इनमें 71,267 पुरुष और 93,015 महिला मतदाता शामिल हैं। पुरुष मतदान प्रतिशत 35.66 जबकि महिला मतदान प्रतिशत 47.45 रहा। धर्मशाला ब्लॉक में सबसे अधिक 49.98 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जबकि कांगड़ा ब्लॉक में सबसे कम 36.44 प्रतिशत मतदान रहा। महिलाओं की भागीदारी अधिकांश ब्लॉकों में पुरुषों से अधिक रही। बैजनाथ ब्लॉक में 39.70 प्रतिशत, बड़ोह ब्लॉक में 41.63 प्रतिशत, भवारना ब्लॉक में 48.50 प्रतिशत, देहरा गोपीपुर ब्लॉक में 46.02 प्रतिशत, धर्मशाला ब्लॉक में 49.98 प्रतिशत, फतेहपुर ब्लॉक में 43.32 प्रतिशत, इंदौरा ब्लॉक में 45.94 प्रतिशत, कांगड़ा ब्लॉक में 36.44 प्रतिशत, लंबागांव ब्लॉक में 43.34 प्रतिशत, नगरोटा बगवां ब्लॉक में 41.00 प्रतिशत, नगरोटा सूरियां ब्लॉक में 39.73, पालमपुर ब्लॉक में 44.39 प्रतिशत, पंचरुखी ब्लॉक में 42.71 प्रतिशत, प्रागपुर ब्लॉक में 43.73 प्रतिशत, रैत ब्लॉक में 37.61 प्रतिशत, सुलह ब्लॉक में 40.66 प्रतिशत तथा सुराणी ब्लॉक में 44.33 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

पंचायत सांबा के मतदान केंद्र में मतदाता मतदान करने के लिए अपनी बारी का इंतजार करते हुए। अनंत ज्ञान

2,93,845 मतदाताओं ने किया मताधिकार का प्रयोग

दोपहर 1 बजे तक जिले में कुल 60.66 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। महिला मतदाताओं में भारी उत्साह देखने को मिला और उनका मतदान प्रतिशत पुरुषों से काफी अधिक रहा। जिले में कुल 3,95,856 मतदाताओं में से 2,93,845 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इनमें 1,03,222 पुरुष तथा 1,36,901 महिला मतदाता शामिल हैं। पुरुष मतदान प्रतिशत 51.65 जबकि महिला मतदान प्रतिशत 69.84 दर्ज किया गया। बैजनाथ ब्लॉक में 60.42 प्रतिशत, बड़ोह ब्लॉक में 67.69 प्रतिशत, भवारना ब्लॉक में 64.26 प्रतिशत, देहरा गोपीपुर ब्लॉक में 62.09 प्रतिशत, धर्मशाला ब्लॉक में 62.36 प्रतिशत, फतेहपुर ब्लॉक में 59.03 प्रतिशत, इंदौरा ब्लॉक में 59.03 प्रतिशत, कांगड़ा ब्लॉक में 61.07 प्रतिशत, लंबागांव ब्लॉक में 55.76 प्रतिशत, नगरोटा बगवां ब्लॉक में 63.40 प्रतिशत, नगरोटा सूरियां ब्लॉक में 57.90 प्रतिशत, नूरपुर ब्लॉक में 61.40 प्रतिशत, पालमपुर ब्लॉक में 64.55 प्रतिशत, पंचरुखी ब्लॉक में 61.44 प्रतिशत, प्रागपुर ब्लॉक में 61.45 प्रतिशत, रैत ब्लॉक में 60.04 प्रतिशत, सुलह ब्लॉक में 58.80 प्रतिशत तथा सुराणी ब्लॉक में 61.25 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

आयुष एवं खेल तथा कानून मंत्री यादविंद्र गोमा ने परनोह पंचायत के बूथ-2 में पिता पूर्व विधायक डॉ. मिल्खी राम गोमा (85 वर्ष) व परिवार के सदस्यों के साथ वोट डाला। अनंत ज्ञान

नगरोटा बगवां की ठारू पंचायत में वार्ड-3 में आरएस बाली ने धर्मपत्नी भूमिका बाली और बहन रति बाली के साथ वोट डाला। अनंत ज्ञान

पूर्व विधायक रविंद्र धीमान ने परिवार सहित डाला वोट

अनंत ज्ञान, नरेंद्र डोगरा, जयसिंहपुर। जांगल पंचायत में पूर्व विधायक रविंद्र धीमान ने अपने परिवार सहित मतदान केंद्र पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक नागरिक का मतदान करना अत्यंत आवश्यक है। मतदान केवल अधिकार ही नहीं, बल्कि देश और समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है।

डाडासीबा पंचायत के वार्ड 6 में 94 वर्षीय अमरनाथ व उनकी 87 वर्षीय धर्मपत्नी रामप्यारी ने मतदान किया। अनंत ज्ञान

हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी विकास संघ (हिमकोफेड) के अध्यक्ष विक्रम शर्मा डिक्की ने अपने गृह गांव समनोली में मतदान किया। अनंत ज्ञान

कठियाड़ा में 106 वर्षीय रतनी देवी ने किया मतदान

अनंत ज्ञान, प्रवेश शर्मा, पराग्पुर। कठियाड़ा पोलिंग बूथ पर 106 वर्षीय रतनी देवी ने अपना वोट डाला पंचायत मनियाला के वार्ड नंबर 1 की निवासी रतनी देवी ने इस उम्र में भी अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाया। मतदान केंद्र पर जब वे अपने मताधिकार का प्रयोग करने पहुंचीं तो वहां मौजूद चुनाव कर्मियों और अन्य मतदाताओं ने उनका उत्साहवर्धन किया।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 16.19 ग्राम चिट्टे सहित कुख्यात तस्कर गिरफ्तार

अनंत ज्ञान

◆ फरार महिला तस्कर को भी पंजाब के जालंधर से हिरासत में लिया

ब्यूरो, धर्मशाला। जिला कांगड़ा पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत दो बड़ी कार्रवाइयों को अंजाम देते हुए चिट्टा तस्करी में संलिप्त पालमपुर थाना से संबंधित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक मामले में पहले से सजायाफ्ता कुख्यात अपराधी को 16.19 ग्राम चिट्टे सहित गिरफ्तार किया गया। जबकि दूसरे मामले में 34 ग्राम चिट्टा और लाखों रुपए की नकदी बरामदगी मामले में फरार चल रही महिला तस्कर को पंजाब के जालंधर से हिरासत में लिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को जिला कांगड़ा पुलिस की विशेष टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए कमलजीत पुत्र भारत भूषण निवासी गांव खिलड़ू, डाकघर बिंद्रावन, तहसील पालमपुर को 16.19 ग्राम चिट्टा सहित गिरफ्तार किया। आरोपी अपनी पिकअप गाड़ी में चिट्टा छिपाकर बेचने की फिराक में था। पुलिस ने हनुमान मंदिर के नीचे वार्ड नंबर-10 मारंडा सड़क किनारे खड़ी गाड़ी की तलाशी ली। तलाशी के दौरान चालक सीट के दाहिनी ओर बने पिलर के अंदर विशेष रूप से छिपाकर रखा गया चिट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी को मौके पर गिरफ्तार कर वाहन को भी कब्जे में ले लिया। पुलिस थाना पालमपुर में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं 21 और 25 के तहत मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी कमलजीत पूर्व में भी एनडीपीएस एक्ट के तीन मामलों में शामिल रह चुका है। वर्ष 2016 में उसके कब्जे से डेढ़ किलो चरस बरामद हुई थी, जिसमें जिला एवं सत्र न्यायालय धर्मशाला ने उसे 11 वर्ष के कठोर कारावास और एक लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। बाद में उसे नवंबर 2024 में उच्चतम न्यायालय से जमानत मिली थी। जमानत पर बाहर आने के बाद भी आरोपी की नशा कारोबार में संलिप्तता सामने आने पर पुलिस उसकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखे हुए थी।

पुलिस विभाग कांगड़ा के एसपी आईपीएस अशोक रत्न ने बताया कि मामले में आगामी कानूनी कार्रवाई जारी है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि नशा माफिया के खिलाफ अभियान आगे भी सख्ती से जारी रहेगा। पुलिस ने आमजन से भी अपील की है कि नशा तस्करों और अवैध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

रुद्रा मिलिट्री अकादमी के छात्रों ने सेना और पुलिस में चयनित होकर बढ़ाया मान

अनंत ज्ञान, जवाली। रुद्रा मिलिट्री अकादमी केहरियां के होनहार छात्रों ने भारतीय सेना और हिमाचल प्रदेश पुलिस में चयनित होकर अकादमी, अपने माता-पिता तथा क्षेत्र का नाम रोशन किया है। भारतीय सेना की डोगरा रेजीमेंट में मोहित कुमार पुत्र पुष्पिंदर कुमार निवासी ज्वाली चयनित हुए हैं। वहीं अभिषेक कुमार पुत्र अशोक कुमार निवासी तहलिया तथा राहुल कुमार पुत्र रोशन लाल निवासी नूरपुर भारतीय सेना की टीए बटालियन में चयनित हुए हैं। इसके अलावा मुहम्मद रिजवान अली पुत्र लालदीन अली निवासी केहरियां का चयन त्रिपुरा स्टेट राइफल्स में हुआ है। हिमाचल प्रदेश पुलिस में संकेत चौधरी पुत्र चमन लाल निवासी हरसर तथा विन्नी कुमार पुत्र बाबूदीन निवासी लाहरु चयनित हुए हैं। सभी चयनित छात्रों की सफलता पर अकादमी में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर अकादमी संचालक एवं भारतीय सेना से सेवानिवृत्त सुनील कुमार ने सभी छात्रों को मिठाई खिलाकर बधाई दी। उन्होंने कहा कि छात्रों ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और लगन के बल पर यह सफलता हासिल की है। रुद्रा मिलिट्री अकादमी के संचालक और समस्त स्टाफ ने सभी चयनित छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

धर्मशाला में पहली बार तिब्बत सांस्कृतिक उत्सव तिब्बती राष्ट्रपति पेम्पा छेरिंग ने किया शुभारंभ

बोले- अरुणाचल से जेएंडके तक फैली है भारत-तिब्बत सीमा

पुलिस ग्राउंड में तीन दिवसीय तिब्बत सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। जिला कांगड़ा मुख्यालय धर्मशाला के पुलिस ग्राउंड में पहली बार तीन दिवसीय तिब्बत सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसका शुभारंभ वीरवार को तिब्बत निर्वासित सरकार के राष्ट्रपति पेम्पा छेरिंग ने किया।

पेम्पा छेरिंग ने कहा कि तिब्बती पिछले 65 वर्षों से निर्वासन में रह रहे हैं। हमें लगता था कि इतने वर्षों में हमारी संस्कृति को जानते होंगे, लेकिन कई लोगों से बातचीत करके लगता है कि तिब्बत की बेसिक इन्फोर्मेशन भी आम लोगों को नहीं है। जब तिब्बत पर कब्जा किया गया था, तब की पीढ़ी अलग थी, आज की जनरेशन अलग है। जिस पर हमने सोचा कि तिब्बत के बारे में भारतीयों को जानना बहुत जरूरी है, क्योंकि भारत-तिब्बत की सीमा अरुणाचल से लेकर जम्मू-कश्मीर तक जाती है। उन्होंने कहा कि तिब्बत की भाषा भारत से आई है, तिब्बत की स्क्रिप्ट भी भारत से आई है, तिब्बत का धर्म बुद्धिज्म, आठवीं शताब्दी में नालंदा परंपरा भी भारत से आया। बौद्ध धर्म की जितनी भी शिक्षाएं हैं, उनका तिब्बती भाषा में अनुवाद किया गया है। इसके चलते तिब्बती सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन धर्मशाला में किया जा रहा है, हमारा प्रयास है कि फंडिंग अधिक होती है तो देश के अन्य राज्यों में भी इस तरह के कार्यक्रम किए जाएंगे, ज्यादा न सही एक साल में एक शहर में ऐसे कार्यक्रम करने के प्रयास किए जाएंगे। हम भारत सरकार का भी धन्यवाद करते हैं, जिनकी ओर से हमें सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं, साथ ही सरकार का भी आभार व्यक्त करते हैं।

हैप्पी बर्थडे

डाडासीबा के अनमोल को जन्मदिवस पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

पंचायत चुनाव में जीते 82 फीसदी लोग भाजपा विचारधारा वाले: मुल्खराज

अनंत ज्ञान, जितेंद्र कौशल, बैजनाथ। पूर्व विधायक मुल्कराज प्रेमी ने कहा कि पंचायत चुनाव के प्रथम चरण में भाजपा विचारधारा के अधिकांश नुमाइंदे जीतकर आए हैं। पूर्व विधायक ने कहा कि विधानसभा की 15 पंचायतों में हुए चुनावों में 82 फीसदी लोग भाजपा की विचारधारा से है। इसमें सुरेंद्र राणा भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन चौधरी जिला भाजपा आईटी प्रभारी रोहित कपूर जिला अध्यक्ष अनुसूचित जनजाति टिबकल कुमार कमल अवस्थी जैसे लोग तो भाजपा के पदाधिकारी है ऐसे में कांग्रेस नेता द्वारा यह कहना कि केवल मात्र कांग्रेस विचार धारा के ही लोग जीतकर आए हैं आम जनता को गुमराह करने के अलावा कुछ नहीं है।

200 ग्राम हेरोइन के साथ तीन युवक किए गिरफ्तार

अनंत ज्ञान

◆ एएनटीएफ ने बाइक और 2 को आईफोन किया जब्त

अशोक ठाकुर, पठानकोट। पठानकोट पुलिस और अमृतसर बॉर्डर रेंज की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मिशन रोड क्षेत्र में तीन कथित नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 200 ग्राम हेरोइन, एक काले रंग की पल्सर मोटरसाइकिल, दो आईफोन और 400 रुपए की ड्रग मनी बरामद की है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहल्ला ईसा नगर निवासी पारस उर्फ आकाश, देव नगर लमीनी निवासी ऐलकस उर्फ ऐडी और मनवाल निवासी सचिन के रूप में हुई है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार एएसआई केवल सिंह चुनाव ड्यूटी के संबंध में पुलिस पार्टी के साथ इलाके में गश्त और चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि अमृतसर बॉर्डर रेंज की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स टीम भी मिशन रोड पर मौजूद है। मुखबिर से पुख्ता जानकारी मिली कि तीन युवक पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार होकर देव नगर लमीनी क्षेत्र में हेरोइन बेचने के लिए ग्राहकों की तलाश कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और एएनटीएफ टीम ने इलाके में जाल बिछा दिया। पुलिस टीम को देखते ही आरोपी घबराकर भागने लगे। इसी दौरान एक युवक ने अपनी जेब से पारदर्शी प्लास्टिक का लिफाफा निकालकर एक केंटर वाहन के पीछे फेंक दिया। पुलिस ने तुरंत घेराबंदी कर तीनों को मौके पर दबोच लिया। डीएसपी सिटी जगदीश राज की मौजूदगी में तलाशी लेने पर लिफाफे से 200 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर नशा तस्करी के नेटवर्क और सप्लाई चेन का पता लगाने में जुटी है।

वन विभाग की राजपुर में बड़ी कार्रवाई, 47 कछुए किए जब्त

शॉप पर रेड डालकर विदेशी मूल के पक्षी और मछली की जब्त। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

जितेंद्र कौशल, बैजनाथ। अवैध वन्यजीव व्यापार पर कड़ी कार्रवाई करते हुए वन विभाग की टीम ने राजपुर, में एक पेट शॉप पर रेड की।

सूचना मिलने पर वन मंडलाधिकारी पालमपुर डॉ संजीव शर्मा द्वारा गठित वन विभाग की टीम राजपुर पहुंची तथा मौके पर दुकान से दो प्रतिबंधित प्रजातियों के 47 कछुए जब्त किए गए जो वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत अनुसूची 1 में आते है । इसके अलावा मौके पर विदेशी मूल के पक्षी और मछली भी दुकान से जब्त किए गए। रेड का संचालन,वन परिक्षेत्र अधिकारी बैजनाथ दीपक भरमौरिया के नेतृत्व में वन विभाग की टीम और पंजाब से वाइल्डलाइफ एक्टिविस्ट साहिल शर्मा ने किया। एसीएफ पालमपुर ओम प्रकाश चंदेल ने बताया कि आरोपी दुकान मालिक के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9, 39, 49बी, 50, 51 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कांग्रेस ने चुनाव आधिकारिक सिंबल पर नहीं लड़ा, अब जीत का दावा कर रही: विश्व चक्षु

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया सह-प्रभारी एडवोकेट विश्व चक्षु ने कांग्रेस पर एक बड़ा और तीखा सियासी हमला बोलते हुए कहा है कि जो पार्टी पहले चुनाव मैदान छोड़ने की बात कर रही थी, वह अब नतीजों के बाद जीत का झूठा श्रेय लेने के लिए सबसे आगे खड़ी हो गई है। धर्मशाला से जारी बयान में उन्होंने कांग्रेस की बदलती राजनीतिक रणनीति पर कड़ा प्रहार किया और कहा कि यह पूरी तरह से कांग्रेस के दोहरे चरित्र, वैचारिक खोखलेपन और सत्ता के प्रति उनके चरम लालच को उजागर करता है। उन्होंने साफ तौर पर रेखांकित किया कि यह चुनाव कांग्रेस ने अपने आधिकारिक सिंबल पर नहीं लड़ा था और स्थिति तो यहां तक पहुंच गई थी कि कांग्रेस नेताओं ने सार्वजनिक रूप से बयान दिए थे कि वे इस बार मैदान में अपना कैंडिडेट तक नहीं उतारेंगे, लेकिन आज पासा पलटते ही पूरी कांग्रेस पार्टी में अचानक मेरे ज्यादा उम्मीदवार जीते की एक अजीब और बेतुकी होड़ मच गई है। उन्होंने कांग्रेस आलाकमान और राज्य के प्रदेश नेतृत्व को कड़ी नसीहत देते हुए कहा कि उन्हें लोकतांत्रिक जनादेश का पूरी ईमानदारी से सम्मान करना सीखना चाहिए।

परीक्षा तंत्र आईसीयू में, युवाओं का भविष्य दांव पर: भंडारी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। देशभर में चल रही कर्मचारी चयन आयोग की जीडी परीक्षा में जो भयावह अव्यवस्था, तकनीकी अराजकता, अचानक रद्दीकरण और पेपर लीक के गंभीर आरोप सामने आए हैं, उन्होंने केंद्र सरकार की परीक्षा व्यवस्था को पूरी तरह बेनकाब कर दिया है। लगभग 46 लाख युवा रात-दिन मेहनत करके, माता-पिता की गाढ़ी कमाई और अपने कीमती साल निवेश करके परीक्षा केंद्रों तक पहुंचे, लेकिन वहां उन्हें बिना किसी पूर्व सूचना के परीक्षा रद्द हो जाना जैसी शर्मनाक स्थिति का सामना करना पड़ा। यह कोई छोटी-मोटी तकनीकी खामी नहीं, बल्कि व्यवस्थागत कुप्रबंधन और युवाओं के भविष्य के साथ बड़ा खिलवाड़ है। आम आदमी पार्टी, हिमाचल प्रदेश के राज्य प्रवक्ता कल्याण भंडारी ने प्रेस बयान में कहा कि नीट, सीबीएसई, यूजीसी-नेट से लेकर अब एसएससी जनरल ड्यूटी तक- एक के बाद एक राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में हो रही धांधलियां, पेपर लीक और प्रशासनिक लापरवाही यह साफ साबित कर रही है कि मोदी सरकार युवाओं को एक सुरक्षित, पारदर्शी और निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली देने में पूरी तरह नाकाम रही है। उन्होंने आगे कहा कि सबसे चिंताजनक बात यह है कि सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, इंडो तिब्बत सीमा पुलिस व असम राइफल्स जैसे देश के अत्यंत संवेदनशील सुरक्षा बलों में भर्ती की परीक्षा को भी इस अराजकता ने तमाशा बना दिया है। परीक्षा प्रणाली अब पूरी तरह वेंटिलेटर पर है। अगर इसे तुरंत नहीं बचाया गया तो पूरा देश इसका खामियाजा भुगतेगा।आम आदमी पार्टी युवाओं के न्याय के लिए संघर्ष करती रहेगी।

बुजुर्गों के जज्बे को सलाम

बारी पंचायत के झनिक्कर बूथ पर वोट डालने जाती हुईं 90 वर्षीय कौशल्या देवी।

भलवानी में 94 वर्षीय रूमा देवी को वोट डालने के लिए ले जाते परिजन।

भलवानी पंचायत में 90 वर्षीय कौशल्य देवी व 85 वर्षीय सत्या देवी वोट डालने के बाद चुनाव चिन्ह दिखाती हुई।

90 वर्षीय गीता देवी को वोट डालने के लिए ले जाते परिजन।

लुददर महादेव मतदान केंद्र में वोट डालने के लिए जाते 92 वर्षीय गोपी राम।

103 वर्षीय दामोदरी देवी ने बारीं स्कूल मतदान केंद्र में वोट डाला।

पंचायत बधाणी में पहली बार वोट डालने के बाद चुनाव चिन्ह दिखाती अंकिता ठाकुर।

सांसद अनुराग ठाकुर ने समीरपुर में परिवार सहित डाला वोट

अनंत ज्ञान, संजीव चौहान, टौणी देवी। पंचायत चुनाव के दूसरे चरण के मतदान पर सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भोरंज विधानसभा क्षेत्र के समीरपुर गांव में सपरिवार वोट डाला। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को सशक्त बनाए रखने के लिए मतदान करना हम सभी का कर्तव्य है और गांव के विकास व अपना सही प्रतिनिधि चुनने के लिए पंचायत चुनावों में अपने मताधिकार करना चाहिए।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला लुददर महादेव मतदान केंद्र में मतदान करने के लिए लाइनों में खड़ी महिलाएं।

कंगरी में चुनाव बहिष्कार के बीच पड़े सिर्फ पांच वोट

अनंत ज्ञान

सुजानपुर। सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत री के वार्ड नंबर-1 कंगरी के ग्रामीणों ने पंचायतीराज चुनाव का बहिष्कार कर प्रशासन और सरकार के खिलाफ जोरदार नाराजगी जताई। विकास कार्यों की अनदेखी और वर्षों से लंबित समस्याओं के समाधान न होने से नाराज ग्रामीणों ने मतदान प्रक्रिया का विरोध किया।

कुल 273 वोटरों में से सिर्फ 5 वोटरों ने ही अपने वोट डाले। सुबह सात बजे से मतदान शुरू होने के बावजूद मतदान प्रक्रिया में कोई उत्साह नहीं देखा गया। मतदान केंद्र पर पूरे दिन सन्नाटा पसरा रहा और 100 मीटर के दायरे में भी कोई बूथ या एजेंट नजर नहीं आया। ग्रामीणों के अनुसार मतदान तिथियां घोषित होने से पहले ही उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत के माध्यम से प्रशासन को चुनाव बहिष्कार की चेतावनी दी थी। प्रशासन की ओर से सर्वे कराने और समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया गया, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि उस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों की मुख्य मांग कंगरी वार्ड को री पंचायत से हटाकर ख्याह लोहाखरियां पंचायत में शामिल करने अथवा अलग पंचायत बनाए जाने की थी। ग्रामीणों का कहना है कि री पंचायत घर तक पहुंचने के लिए उन्हें करीब 25 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता है।

प्रो. सिकंदर ने अपनी 104 वर्षीय माता प्रभी देवी के साथ किया मतदान

अनंत ज्ञान, सोनल, नादौन। नादौन विधानसभा सभा में मिन्नी संसद के दूसरे चरण के मतदान में राज्य सभा सदस्य प्रो. सिकंदर ने अपनी 104 वर्षीय माता प्रभी देवी के साथ अपने गृह बूथ ढगो में मतदान कर लोकतांत्रिक अधिकार और कर्तव्य का निर्वहन किया। उन्होंने मतदाताओं से आह्वान किया कि लोकतंत्र के इस उत्सव में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें और मतदान अवश्य करें। आपका एक 'मत' ही हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति है। नादौन फोटो कैप्शन- नादौन के ढगो बूथ में मतदान करने के बाद राज्य सभा सांसद प्रो. सिकंदर अपनी माता के साथ

पंचायतीराज चुनाव लोकतंत्र की मजबूत नींव, प्रत्येक मत की अहम भूमिका : धूमल

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। पूर्व मुख्यमंत्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल ने पंचायतीराज चुनावों के तहत वीरवार केा अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र के इस महापर्व में भागीदारी निभाई। इस दौरान उनके साथ उनकी धर्मपत्नी शीला धूमल, भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। धूमल ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक नागरिक का मतदान करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पंचायतीराज चुनाव ग्रामीण विकास और स्थानीय स्वशासन की आधारशिला होते हैं तथा इन चुनावों में चुने गए प्रतिनिधि सीधे तौर पर गांव के विकास, जनसमस्याओं के समाधान और योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दूसरे चरण के लिए 82 पंचायतों में 466 बूथों पर लोगों ने किया मतदान

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव के दूसरे चरण में जिला हमीरपुर की 82 ग्राम पंचायतों में वीरवार को सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हुआ। इस दौरान लोग सुबह से ही बूथों पर पहुंचे और लाइन में लगकर मतदान किया। सभी 466 मतदान केंद्रों पर मतदान दल पहुंच गए हैं। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) गंधर्वा राठौड़ ने बताया कि मतदान प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्वक संपन्न करवाने के लिए पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इन 82 पंचायतों में प्रधान एवं उपप्रधान के कुल 164 पदों और पंचायत सदस्यों के कुल 466 पदों के अलावा इनके अंतर्गत आने वाले जिला परिषद और बीडीसी वार्डों के लिए भी मतदान किया। दूसरे चरण में नादौन ब्लॉक की 21 पंचायतों में 115 बूथ बनाए गए हैं। बिझड़ी ब्लॉक की 17 पंचायतों में 99 बूथ, बमसन ब्लॉक की 8 पंचायतों में 42 बूथ, भोरंज ब्लॉक की 15 पंचायतों में 91 बूथ, हमीरपुर ब्लॉक की 13 पंचायतों में 75 बूथ और सुजानपुर की 8 पंचायतों में 44 बूथ बनाए गए थे।

जिला परिषद उम्मीदवार परमजीत का बेटा अस्वस्थ होने पर भी वोट डालने पहुंचा

अनंत ज्ञान, बड़सर। जिला परिषद वार्ड खज्जियां से परमजीत के बेटे आनंद अपने पिता के समर्थन में मतदान करने पहुंचे, 23 वर्षीय आनंद पूरे दिन बेड पर रहने के बावजूद अपने पिता की जीत के लिए वोट डालने बूथ पर पहुंचे। मतदान के दौरान गारली से भावुक तस्वीर सामने आई है। स्वास्थ्य परिस्थितियों से जूझ रहा बेटा वोट देने मतदान केंद्र पर पहुंचा। इस वक्त जिला परिषद चुनाव लड़ रहे डैंफा का अस्वस्थ बेटे की है। उस वक्त वह अपने आंसू नहीं रोक सके। क्योंकि अगर किसी बाप का बेटा अस्वस्थ हो तो उसे हर वक्त उसकी चिंता रहती है।

पूर्व विधायक अग्निहोत्री ने परिवार के साथ डाला वोट

अनंत ज्ञान, नादौन। भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक विजय अग्निहोत्री ने मिन्नी संसद के दूसरे चरण के मतदान में अपने परिवार सहित गृह बूथ पनसाई में मतदान कर लोकतांत्रिक अधिकार और कर्तव्य का निर्वहन किया।

विधायक सुरेश ने सुलगवान मतदान केंद्र में डाला वोट

अनंत ज्ञान, जाहू। भोरंज विधायक सुरेश कुमार ने धर्मपत्नी किरण कुमारी के साथ जाहू पंचायत के अंतर्गत राजकीय प्राथमिक पाठशाला सुलगवान में बने मतदान केंद्र वार्ड नंबर 10 में अपने मतदान का प्रयोग किया। विधायक ने पीठासीन अधिकारियों व मतदान अधिकारियों से बातचीत की। मतदान करने के उपरांत उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि ग्रामीण विकास में पंचायती राज संस्थाओं को महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसके लिए लोगों को अधिक से अधिक मतदान करना चाहिए तथा अच्छे प्रतिनिधि चुनने चाहिए।

मतदान से पहले एक-दूसरे से गले लगकर मिलीं प्रधान प्रत्याशी उमा शर्मा और वंदना कुमारी

अनंत ज्ञान, एसके ठाकुर, बड़सर। बड़सर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत धबडयाणा से चुनाव लड़ रही प्रधान पद की उम्मीदवार उमा शर्मा वनाम बंदना कुमारी वैसे तो एक दूसरे के विरुद्ध चुनाव लड़ रही है जीत को सनिश्चित करने एक-एक वोट अपने पक्ष में डालने के लिए लोगों से अपील करती नजर आ रही थी ,लेकिन आज एक समय जब दोनों एक पोलिंग बूथ पर इकट्ठी हुई, तो सगी बहनों की तरह मिलीं। एक-दूसरे को शुभकामनाएं दी और कहा जो भी जीतेगी, पंचायत विकास कार्यों के लिए एक दूसरे का सहयोग करती रहेंगी।

पहले चरण में कांग्रेस का परचम, 57 पंचायतों पर जीत, सुक्खू सरकार की नीतियों को समर्थन

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। पंचायत चुनावों के पहले चरण में हमीरपुर जिले में कांग्रेस पार्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। जिले की कुल 83 पंचायतों में से कांग्रेस समर्थित प्रधानों ने 57 सीटों पर कब्जा किया, जबकि उप-प्रधानों की 49 सीटें भी कांग्रेस के खाते में आईं। इस भारी जनसमर्थन को प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की विकासोन्मुखी नीतियों की जनता द्वारा मुहर करार दिया गया है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुमन भारती शर्मा ने जारी प्रेस बयान में कहा कि यह परिणाम साफ संकेत है कि हमीरपुर की जनता कांग्रेस के साथ खड़ी है। सुक्खू सरकार ने जनहितैषी योजनाओं और बुनियादी ढांचे के विकास से जिले का कायाकल्प किया है, जिसका फल पंचायत चुनावों के रूप में मिल रहा है।

करेर के पास गैस सिलेंडरों से भरा ट्रक पलटा, दो घायल

अनंत ज्ञान

भोटा। सलौणी-भोटा रोड पर करेर के पास गैस सिलेंडरों से भरा ट्रक पलट गया। हादसे में ट्रक में सवार दो लोग घायल हुए हैं। जानकारी के अनुसार ट्रक मैहतपुर से भोरंज की ओर गैस सिलेंडरों की सप्लाई लेकर जा रहा था।

दुर्घटना लगभग सुबह 11 बजे के करीब हुई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय निवासी अमित शर्मा व अन्य लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू करते हुए घायलों को ट्रक से बाहर निकाला।

इसके बाद एंबुलेंस को मौके पर बुलाकर दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

जाहू स्कूल के स्वयंसेवियों ने बुजुर्ग मतदाताओं की मदद कर पेश की मिसाल

अनंत ज्ञान, जाहू। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला जाहू के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों ने पंचायत चुनाव के दौरान बुजुर्ग एवं अस्वस्थ मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचाने में सराहनीय सहयोग देकर समाज सेवा की अनूठी मिसाल पेश की।स्कूल के इकाई प्रभारी राम लाल ने बताया कि स्वयं सेवियों शरण्या, कोमल, तनिष्का, रितिका, कसक ठाकुर, अंकित कुमार, दिनेश, युद्धवीर, अशोक, सांवर और अनिल सहित अन्य विद्यार्थियों ने सेवा भावना के साथ चुनाव प्रक्रिया में सहयोग किया। भीषण गर्मी के बावजूद स्वयं सेवियों ने मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचाने, उनकी सहायता करने तथा मतदान के महत्व के प्रति जागरूक करने का कार्य पूरी निष्ठा से निभाया। उन्होंने बताया कि स्वयं सेवियों ने 77 वर्षीय अमृत लाल, 95 वर्षीय सुरमी देवी, 80 वर्षीय शरीफा बेगम तथा 63 वर्षीय रोशनी देवी सहित कई बुजुर्ग मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचाने में मदद की।

जिलास्तरीय फ्लाइंग स्क्वायड ने की छापेमारी, 18 दुकानदारों के चालान

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। कोटपा अधिनियम 2003 और हिमाचल प्रदेश खुली सिगरेट और बीड़ी की बिक्री निषेध एवं सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पादों के खुदरा व्यापार विनियमन अधिनियम, 2016 के तहत जिला स्तरीय फ्लाइंग स्क्वायड ने उपरोक्त अधिनियमों के उल्लंघन को लेकर जांच की।

इस दौरान हमीरपुर जिले के दोसड़का, बाईपास, टिक्कर और भोटा स्थित विभिन्न परिसरों पर छापेमारी की। हमीरपुर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (अतिरिक्त प्रभार) डॉ. अजय कुमार अत्री के नेतृत्व में टीम ने विभिन्न परिसरों पर छापेमारी की और इन अधिनियमों की विभिन्न धाराओं के तहत 18 चालान किए। फ्लाइंग स्क्वायड में जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. अभिषेक ठाकुर, औषधि निरीक्षक मोनिका शर्मा, जिला अधिकारी संदीप और हिमाचल प्रदेश पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के सदस्य शामिल थे। डॉ. अत्री ने लोगों को तंबाकू अधिनियमों के प्रावधानों का पालन करने की चेतावनी दी।

नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने लिया पूर्व सीएम धूमल का आशीर्वाद

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। पंचायतीराज चुनावों में विजयी होकर विभिन्न पंचायतों के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रो. प्रेम कुमार धूमल से भेंट कर उनका आशीर्वाद लेने का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में आज विभिन्न पंचायतों के नव निर्वाचित प्रधान, उप-प्रधान एवं वार्ड पंच अपने समर्थकों सहित समीरपुर स्थित आवास पर प्रो. धूमल से मिलने पहुंचे। ग्राम पंचायत भटेड़ की नव निर्वाचित प्रधान शर्मिला ठाकुर ने अपने समर्थकों सहित प्रो. प्रेम कुमार धूमल से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। वहीं पटनों पंचायत के नव निर्वाचित प्रधान सुभाष चंद एवं उप-प्रधान राजीव कुमार भी प्रो. धूमल से मिलने उनके निवास स्थान पहुंचे और उनसे मार्गदर्शन प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत दरव्याड़ की नव निर्वाचित प्रधान राज कुमारी व उप-प्रधान प्यार चंद घग्गा ने वार्ड पंचों एवं समर्थकों सहित पूर्व मुख्यमंत्री से भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया। कांगू गूगेहड़ा की नवनिर्वाचित प्रधान अनु कुमारी ठाकुर भी अपनी टीम सहित प्रो. धूमल से मिलने पहुंचीं। वहीं टिक्कर बुहला के नव निर्वाचित उप-प्रधान मनोज कुमार भी प्रो. धूमल से आशीर्वाद लेने समीरपुर पहुंचे थे। धूमल ने सभी नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिस जनसेवा के लक्ष्य को लेकर वे चुनाव मैदान में उतरे थे, उसे साकार करने के लिए पूर्ण समर्पण भाव से कार्य करें।

देहरा स्कूल में राज्यस्तरीय नेटबॉल स्पर्धा 6 व 7 जून को

अनंत ज्ञान, जाहू। हिमाचल प्रदेश नेटबॉल संघ की ओर से राज्य स्तरीय सीनियर, जूनियर और सब जूनियर नेटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 6 और 7 जून को किया जाएगा। यह प्रतियोगिता जाहू के समीप बिलासपुर जिला के सिडलिंग पब्लिक स्कूल देहरा के खेल मैदान में आयोजित होगी। प्रदेश नेटबॉल संघ के महासचिव अशोक आनंद ने बताया कि प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर खेल मैदान का निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में नेटबॉल खेल के प्रति युवाओं में विशेष रुचि है और बड़ी संख्या में खिलाड़ी इसमें भाग लेते हैं। प्रतियोगिता में केवल पंजीकृत खिलाड़ी ही भाग ले सकेंगे, जिसके लिए 30 मई तक पंजीकरण अनिवार्य किया गया है। बिना पंजीकरण किसी भी खिलाड़ी को अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए विभिन्न समितियों के साथ 6 सदस्यीय रेफरी कमेटी का भी गठन किया गया है, जिसमें जगजीवन, दिनेश, रोबिन, भावना, योगिता और राम विनय शामिल हैं। इसमें प्रदेश के 9 जिलों से लगभग 250 खिलाड़ी एवं अधिकारी भाग लेंगे।

तीसरे चरण की 77 पंचायतों में चुनाव प्रचार थमा

अनंत ज्ञान

आखिरी चरण : जिले की 77 ग्राम पंचायतों में होगा मतदान

विकास खंड हमीरपुर: फरनोल, चैकी कनकरी, लंबलू, चंगर, नाहलवीं, जटेहड़ी, अमरोह, स्वाहल, बफड़ीं, डबरेड़ा, ललीण और साहनवीं
विकास खंड बमसन: कक्कड़, उटपुर, उहल, पौहंज, गवारडू, बगवाड़ा, बराड़ा, और सिकांदर।
विकास खंड नादौन : भूंपल, धनेटा, नौहंगी, जलाड़ी, फस्टे, कोटला चिल्लियां, मण, किटपल, गाहली, मड़ोली, घलूं, दंगड़ी, गौना, झलाण, मड़ियार, अमलैहड़, बलडूहक, बटराण, पुतड़ियाल और कोहला
विकास खंड सुजानपुर: जोल पलाही, टिहरा, लंबरी, डेरा, चमियाणा, दाड़ला, करोट और चबूतरा
विकास खंड भोरंज : मुंडख्वर, महल, लगमनवीं, कड़ोहता, बाहनवीं, भौंखर, पलपल, पपलाह, गरसाहड़, कोट लांगसा, अम्मण, भकेड़ा, जख्योल और कैहरवीं
विकास खंड बिझड़ी : बल्ह बिहाल, पथलियार, सकरोह, बत्याह, मक्कड़, उसनाड़ कलां, समैला, जमली, कनोह, टिक्कर राजपूतां, घंगोट कलां, क्याराबाग, भैल, दैण और पटेरा

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव के तीसरे एवं अंतिम चरण में जिला हमीरपुर की 77 ग्राम पंचायतों में वीरवार सायं 3 बजे चुनाव प्रचार समाप्त हो गया। इन पंचायतों में प्रधान एवं उपप्रधान के कुल 154 पदों और पंचायत सदस्यों के कुल 429 पदों के अलावा इनके अंतर्गत आने वाले जिला परिषद और बीडीसी वार्डों के लिए भी मतदान होगा।

दूसरे चरण में नादौन ब्लॉक की 20 पंचायतों में 110 बूथ बनाए गए हैं। बिझड़ी ब्लॉक की 15 पंचायतों में 87 बूथ, बमसन ब्लॉक की 8 पंचायतों में 42 बूथ, भोरंज ब्लॉक की 14 पंचायतों में 82 बूथ, हमीरपुर ब्लॉक की 12 पंचायतों में 66 बूथ और सुजानपुर ब्लॉक की 8 पंचायतों में 42 बूथ बनाए गए हैं। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) गंधर्वा राठौड़ ने बताया कि मतदान प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्वक संपन्न करवाने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। इन पंचायतों में मतदान की समाप्ति के लिए निर्धारित समय तक की 48 घंटे की अवधि के भीतर किसी भी तरह की चुनावी जनसभा, जुलूस, सांस्कृतिक कार्यक्रम, टीवी-सिनेमा शो और सार्वजनिक बैठकों इत्यादि पर प्रतिबंध रहेगा। 48 घंटे की इसी अवधि के दौरान इन पंचायतों में शराब की बिक्री और वितरण पर भी प्रतिबंध रहेगा। इस दौरान किसी भी होटल, रेस्तरां, बार, क्लब, मैरिज पैलेस और अन्य सार्वजनिक एवं निजी व्यापारिक प्रतिष्ठानों में भी शराब के वितरण पर पूर्ण पाबंदी रहेगी।

तकनीकी विवि प्रवेश परीक्षा की फाइनल उत्तर कुंजी जारी

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर ने प्रवेश परीक्षा के सभी विषयों की फाइनल उत्तर कुंजी जारी की है। तकनीकी विश्वविद्यालय ने नौ और दस मई को बीटेक, बी फार्मेसी, एमबीए, एमसीए सहित अन्य विषयों की प्रवेश परीक्षा ली थी। सभी विषयों की प्रवेश परीक्षा में 8584 अभ्यर्थी बैठे थे। तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक (अतिरिक्त कार्यभार) चिराग शर्मा ने कहा कि प्रवेश परीक्षा की फाइनल उत्तर कुंजी जारी कर दी है। अभ्यर्थियों को उत्तर कुंजी को लेकर कोई त्रुटि सुधार या सुझाव है, तो वह 20 मई तक का समय दिया था। समीक्षा समिति के अभ्यर्थियों के सुझावों पर राय के बाद फाइनल उत्तर कुंजी जारी की जाएगी। अभ्यर्थी तकनीकी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर फाइनल उत्तर कुंजी देख सकते हैं।

शांति निकेतन स्कूल भरेड़ी के छात्र अक्षित ने जीता स्वर्ण पदक

महाराष्ट्र में ओपन बॉक्सिंग स्पर्धा आयोजित।

अनंत ज्ञान

भोरंज। उपमंडल भोरंज के तहत आने वाले शांति निकेतन पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल भरेड़ी के छात्र अक्षित कुमार कालिया ने मुंबई, महाराष्ट्र में आयोजित ओपन बॉक्सिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। रिड़ा गांव निवासी 16 वर्षीय अक्षित कुमार कालिया ने 24 व 25 मई को महाराष्ट्र में संपन्न हुई दो दिवसीय ओपन बॉक्सिंग प्रतियोगिता में भाग लिया। अक्षित ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए बॉक्सिंग मुकाबलों में स्वर्ण पदक हासिल किया। अक्षित हिमाचल प्रदेश से इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले इकलौते फाइटर थे। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र व विद्यालय में खुशी का माहौल है। अक्षित कुमार कालिया ने अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय प्रबंधन, अपने शिक्षकों तथा माता-पिता को दिया।

नादौन में मनाई बकरीद, एक दूसरे के गले लगकर बधाई दी

बाबा साईं फाजलशाह की दरगाह में गले मिलते बच्चे। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

नादौन। मुस्लिम समुदाय ने उपमंडल में बकरीद का पर्व हर्षोल्लास और धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया।

वीरवार को नादौन के समीप स्थित प्रसिद्ध पीर बाबा साईं फाजलशाह की दरगाह तकिया भरमोटी सहित विभिन्न मस्जिदों और मजारों में लोगों ने एकत्रित होकर नमाज अदा की और एक दूसरे के गले मिलकर इस पर्व की बधाई दी। भरमोटी स्थित दरगाह में ईमाम ने विशेष नमाज अदा करवाई। इस अवसर पर मुस्ताक मोहम्मद, सरदार मोहम्मद, डॉ. सदीक मोहम्मद, अमीन चौहान, डॉ. खान, नसरूदीन, गुलाम मोहम्मद और शेर मोहम्मद सहित बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर देश व समाज में सुख-शांति की कामना की। इसके अलावा बन्ह, बेहा, पन्याला और नादौन वार्ड नंबर सात स्थित मस्जिदों में भी समुदाय के लोगों ने नमाज अदा कर भाईचारे और अमन का संदेश दिया।

मतदान की झलकियां

102 वर्षीय हरी सिंह ने भांबला पंचायत में रोपा ठाठर मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला।

पौंटा की 100 वर्षीय तोदरी देवी ने मतदान कर लोकतंत्र के प्रति अपनी मजबूत आस्था दिखाई।

99 वर्षीय सुंदरु देवी ने पीपली पंचायत में डाला वोट।

98 वर्षीय महिला ने भी मतदान किया। वह स्वतंत्रता सेनानी कांशी राम की पत्नी हैं।

तेबन पंचायत के वार्ड नंबर 2 से फागुनी देवी 87 साल और संत राम 93 साल (पति-पत्नी) मतदान करने के बाद अंगुली पर लगी स्याही दिखाते हुए।

सुंदरनगर के ब्लॉक धनोटू की ग्राम पंचायत चौक के वरिष्ठ नागरिक बलदेव सिंह आयु 82 वर्ष और कमला देवी आयु 72 वर्ष मतदान करने के बाद अंगुली पर लगी स्याही दिखाते हुए।

मैन भरोला पंचायत में मतदान के उपरांत 94 वर्षीय चमारू राम और 91 वर्षीय संती देवी अंगुली पर लगी स्याही दिखाते हुए।

पोंटा के वॉर्ड 5 बग्गी से दीपिका और मानसी पहली बार मतदान करने के बाद रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम सरकाघाट के साथ।

गोपालपुर ब्लॉक के अपर बरोट में अपनी बारी का इंतजार करते मतदाता।

मंडी जिले में वीरवार को पंचायत चुनाव के दूसरे चरण के तहत विभिन्न पंचायतों में वोटिंग हुई। इस दौरान करसोग की ग्राम पंचायत ममेल में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए लाइन में लगे मतदाता।

धर्मपुर के सरी में चुनाव प्रचार करता पाया जलशक्ति विभाग का कर्मचारी

भाजपा ने चुनाव आयुक्त को भेजी शिकायत, सेवाएं समाप्त करने की मांग

अनंत ज्ञान

रितेश चौहान, सरकाघाट। धर्मपुर उपमंडल के जिला परिषद सरी वार्ड से कांग्रेस प्रत्याशी अजय कुमारी के पक्ष में जलशक्ति विभाग का एक कर्मचारी चुनाव करता हुआ पाया गया है, जिसकी शिकायत चुनाव आयोग को की गई है। सूत्रों के अनुसार यह कर्मचारी कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की बैठक में शामिल था और उसके बाद बैनर पकड़ कर प्रत्याशी का प्रचार करता हुआ पाया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस फोटो को सोशल मीडिया पर डाल कर कर्मचारियों द्वारा कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों के चुनाव प्रचार में शामिल होने के आरोपों की पुष्टि हुई है।

कर्मचारियों द्वारा कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों का प्रचार करने पर भाजपा ने करीब आधा दर्जन कर्मचारियों की शिकायत चुनाव आयोग को भेजी है। भाजपा का कहना है कि इस बारे में चुनाव अधिकारी धर्मपुर को भी अवगत कराया था परंतु कोई कार्रवाई न होने पर उनकी निष्पक्ष कार्यप्रणाली संदेह के घेरे में आ गई है।

शिकायत में ऐसे कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त करने की मांग की गई है। बैनर लेकर चलने वाले इस कर्मचारी पर डयूटी में कोताही का भी आरोप है। जिस गांव में इस वाटर गार्ड को तैनात किया गया है, वहां के लोग पानी के लिए तरस रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जगदीश पुत्र दुर्गू दास कई दिन से कांग्रेस प्रत्याशियों के झंडे बैनर लगा रहा है और कैंची मोड़ भलेर कांडापतन में ग्रामीणों को पानी नहीं छोड़ रहा। सोर्स की सफाई न होने के कारण कई ग्रामीणों को गंदला पानी दिया जा रहा है, जबकि कई ग्रामीणों को कई कई दिन पानी नहीं मिल रहा है।

सूत्रों के अनुसार विधायक ने कांग्रेस प्रत्याशियों को जिताने के लिए कर्मचारियों को भी फील्ड में उतार दिया है और जगदीश जैसे कर्मचारी अपनी नौकरी को ताक पर रख कर सरेआम चुनाव प्रचार कर रहे हैं। इसमें कर्मचारियों की भी मदद ली जा रही है।

एसडीओ को सौंपी जांच

जलशक्ति विभाग धर्मपुर के अधिशासी अभियंता इंजीनियर विवेक हाजरी ने कहा कि उन्हें कर्मचारियों के चुनाव प्रचार करने की शिकायतें मिली है, जिसे जांच करने को लेकर एसडीओ को अधिकृत किया गया है। अगर शिकायत सही पाई गई तो कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

सुबह से ही मतदान केंद्रों के बाहर लग गईं लंबी कतारें

अनंत ज्ञान

महेंद्र सिंह राणा, भौर। धनोटू विकास खंड की चौक, कनैड और जुगाहण पंचायतों में पंचायत चुनावों को लेकर मतदाताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। सुबह होते ही लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए मतदान केंद्रों पर पहुंचने शुरू हो गए थे। चौक पंचायत के मतदान केंद्र नंबर-2 और 3 में मतदाता सुबह करीब 6:45 बजे से ही पहुंचने लगे थे। मतदान शुरू होने से पहले ही केंद्रों के बाहर लंबी कतारें लग गई थीं। निर्वाचन अधिकारी बल्ह एवं एसडीएम ने सुबह करीब 7:05 बजे मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चुनाव ड्यूटी में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों से बातचीत कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा मतदान प्रक्रिया का शुभारंभ करवाया।

मतदान केंद्रों में लगी लंबी कतारों से स्पष्ट दिखाई दिया कि लोगों में अपने मत का प्रयोग करने को लेकर काफी उत्साह था। चौक पंचायत के वार्ड नंबर-2 के 72 वर्षीय रोशन ठाकुर और 80 वर्षीय प्रेम सिंह वैसाखियों के सहारे मतदान केंद्र पहुंचे और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं नौलखा स्थित मतदान केंद्र नंबर-1, 2 और 5 में वार्ड नंबर-1 की 82 वर्षीय अधरंग से पीड़ित प्रभि देवी ने भी मतदान कर लोकतंत्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई।

◆ अधरंग से पीड़ित 82 वर्षीय प्रभि देवी ने भी डाला वोट

उधर, जुगाहण पंचायत में भी मतदाताओं ने चुनाव ड्यूटी में लगे अधिकारियों का पूरा सहयोग किया। बुजुर्ग मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचाने और मतदान करवाने में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विशेष सहायता प्रदान की। निर्वाचन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण बनाए रखने के लिए मतदान केंद्रों के भीतर मोबाइल फोन ले जाने और उनके उपयोग पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया था।

सरकाघाट में कार सवार व्यक्ति पर जानलेवा हमला

अनंत ज्ञान

◆ दो युवकों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज

सरकाघाट। पुलिस थाना सरकाघाट में धारा 126(2), 115(2), 351(2), 352 व 3(5) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। यह शिकायत चंद्र कांत पुत्र सीता राम, निवासी गांव भल्याणा (सगयार), डाकघर मसेरन, द्वारा दर्ज करवाई गई है। शिकायतकर्ता के अनुसार वह बद्दी से अपने घर लौट रहा था, तभी गोरुडू के पास दो अज्ञात युवकों ने उसकी गाड़ी रोक ली और उसे बाहर बुलाकर डंडों व पत्थरों से बेरहमी से मारपीट की। आरोप है कि हमलावरों ने उसे सड़क से नीचे धकेलकर जान से मारने का प्रयास भी किया। घटना के बाद शिकायतकर्ता गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटना के कारणों और आरोपियों की पहचान को लेकर तफ्तीश कर रही है।

◆ पुलिस ने केस दर्ज कर शुरू की जांच

हणोगी सुरंग में दो पक्षों के बीच हुई हाथापाई

अनंत ज्ञान, पंडोह। मंडी जिले की हणोगी सुरंग में वाहनों की आवाजाही के दौरान दो वाहन चालकों के बीच विवाद हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रास्ता निकालने को लेकर शुरू हुई तीखी नोकझोंक कुछ ही देर में झगड़े में बदल गई। दोनों पक्ष सड़क पर ही एक-दूसरे के साथ उलझ पड़े, जिससे वहां कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के दौरान मौजूद लोगों ने बीच में आकर मामला शांत करवाने की कोशिश की। इसी बीच किसी व्यक्ति ने पूरी घटना का वीडियो मोबाइल फोन में कैद कर लिया। अब यह वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर तेजी से साझा किया जा रहा है और लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस ने घटना से जुड़े लोगों की पहचान शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

नबाही में युवक पर चाकू से हमला

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। थाना सरकाघाट के अंतर्गत पुलिस ने 27 मई को बीएनएस की धारा 126(2), 115(2), 118(1) व 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह शिकायत राकेश कुमार उर्फ शिवू निवासी चम्याणू सरकाघाट द्वारा दी गई है। शिकायत के अनुसार वह पंचायत चुनाव के परिणाम सुनने के लिए नबाही गया था। इसी दौरान वह दुकान पर पानी पीने के लिए रुका। इसी बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। आरोप है कि वहां दो व्यक्तियो ने उसे पकड़ लिया। इसी दौरान दुकान पर मौजूद एक अन्य व्यक्ति ने उस पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसके सिर पर गंभीर चोट आई तथा हाथ पर भी वार किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है तथा घटनाक्रम की गहनता से छानबीन की जा रही है। मामले की पुष्टि डीएसपी सरकाघाट संजीव गौतम ने करते हुए बताया कि मामल दर्ज लिया गया है और जांच चल रही है।

पनारसा के पास पलटा ट्रैवलर, 5 लोग घायल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। मंडी-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर पनारसा क्षेत्र के समीप एक ट्रैवलर वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि चलते वाहन का अचानक संतुलन बिगड़ गया, जिससे वह सड़क पर पलट गया। हादसे में पांच यात्रियों को चोटें आई हैं। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा।

स्थानीय लोगों और पुलिस कर्मियों ने राहत कार्य चलाते हुए घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। दुर्घटना के चलते हाईवे पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बाद में पुलिस और प्रशासन की मदद से यातायात सुचारु करवाया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

सरकाघाट से 17 वर्षीय किशोरी लापता

अनंत ज्ञान

◆ पुलिस ने दर्ज किया अपहरण का मामला, तफ्तीश शुरू

सरकाघाट। सरकाघाट थाना में धारा 137(2) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत एक मामला दर्ज किया गया है।

यह शिकायत एक प्रवासी महिला ने द्वारा दर्ज करवाई गई है। शिकायत के अनुसार उनकी 17 वर्षीय बेटी ततापर स्थित झुग्गी से अचानक लापता हो गई थी। परिजनों ने आसपास के क्षेत्रों में काफी तलाश की, लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं लग पाया है।शिकायत में आरोप लगाया गया है कि एक प्रवासी युवक उनके साथ मजदूरी करता था, लड़की को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। इसी आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस मामले की गहनता से तफ्तीश कर रही है।

उद्घाटन से पहले धनोटू विश्राम गृह परिसर में लगे गंदगी के ढेर

लोग बोले- केवल कोरी घोषणाएं, धरातल पर नहीं दिख रहा विकास

अनंत ज्ञान

भीम बसेड़ू राजपूत, महादेव। राष्ट्रीय उच्च मार्ग-21 से सटे धनोटू में लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित नया विश्राम गृह आज भी उद्घाटन की प्रतीक्षा कर रहा है। करोड़ों की लागत से निर्मित यह भवन लंबे समय से बंद पड़ा हुआ है और अब धीरे-धीरे बदहाली का शिकार बनता जा रहा है।

भवन के आसपास प्लास्टिक कचरे, सूखे पत्तों और अन्य गंदगी का अंबार लगा हुआ है, जिससे पूरे क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इसकी देखरेख नहीं की गई तो यह सरकारी संपत्ति पूरी तरह खराब हो सकती है। ग्रामीणों और बुद्धिजीवियों में इसको लेकर भारी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का आरोप है कि सरकार केवल बड़ी-बड़ी घोषणाएं कर रही है, जबकि जमीनी स्तर पर हालात कुछ और ही दिखाई दे रहे हैं। लोगों को याद है कि पूर्व में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने नाचन दौरे के दौरान इस विश्राम गृह को शीघ्र शुरू करने की बात कही थी, लेकिन लंबे समय बीत जाने के बाद भी इसका विधिवत उद्घाटन नहीं हो पाया। इसके कारण लोगों में सरकार और विभाग के प्रति नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है। क्षेत्र में यह चर्चा भी जोरों पर है कि भाजपा शासनकाल में निर्मित यह विश्राम गृह राजनीतिक खींचतान की भेंट चढ़ गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि भवन जनता की सुविधा के लिए बनाया गया था, लेकिन वर्तमान में इसका कोई उपयोग नहीं हो पा रहा। लोगों ने लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह से मांग की है कि इस विश्राम गृह का जल्द शुभारंभ किया जाए, ताकि लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और करोड़ों रुपये की सरकारी संपत्ति का सही उपयोग हो सके।

नारी शक्ति पंचायत चुनावों के दौरान महिला सशक्तिकरण की नई तस्वीर बनी मंडी की पंचायतें

बल्ह-धनोटू में महिलाओं के हाथ चुनावी व्यवस्था

अनंत ज्ञान

उमेश भारद्वाज, सुंदरनगर। पंचायतीराज चुनावों के बीच महिला सशक्तिकरण की एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायक तस्वीर सामने आई है। लोकतंत्र के इस महापर्व में जिला मंडी के बल्ह और धनोटू विकास खंड में पहली बार पंचायत चुनाव प्रबंधन की पूरी जिम्मेदारी महिला अधिकारियों और कर्मचारियों को सौंपी गई है। जिला प्रशासन मंडी के अंतर्गत एसडीएम बल्ह स्मृतिका नेगी की पहल पर लिया गया यह अभिनव निर्णय न केवल प्रशासनिक व्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है, बल्कि ग्रामीण लोकतंत्र में महिला नेतृत्व और विश्वास की मजबूत होती भूमिका को भी राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दे रहा है। चुनाव प्रक्रिया के संचालन से लेकर मतदान केंद्रों के प्रबंधन तक हर जिम्मेदारी महिलाओं द्वारा संभालना हिमाचल के पंचायती इतिहास में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। जानकारी देते हुए एसडीएम बल्ह एवं निर्वाचन अधिकारी स्मृतिका नेगी ने कहा कि विकास खंड धनोटू और बल्ह की दो-दो पंचायतों में पूरी तरह से 'महिला संचालित मतदान केंद्र' बनाए गए हैं, जिनमें से एक ग्राम पंचायत चौक भी है। उन्होंने कहा कि यह कदम एक नई सोच और व्यावहारिक जरूरत का परिणाम है।

स्मृतिका नेगी ने बताया कि महिलाएं अब हर क्षेत्र में विशेषकर शिक्षण संस्थानों और अन्य परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर आगे आ रही हैं। उन्होंने कहा कि जब शुरुआत में 69 पोलिंग पार्टियां बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई तो केवल पुरुषों के भरोसे टीमें पूरी नहीं हो पा रही थीं। इसी सोच के साथ महिलाओं को शामिल करने का निर्णय लिया गया।

महिला कर्मियों का मिला पूरा सहयोगः एसडीएम

एसडीएम स्मृतिका नेगी के इस प्रयास को महिला कर्मचारियों का भी भरपूर समर्थन मिला है। चौक पंचायत में तैनात पूरी टीम शिक्षा विभाग से जुड़ी हुई है। इसके अलावा बल्ह ब्लॉक के गलमा में भी राजस्व और ग्रामीण विकास जैसे अलग-अलग विभागों की महिलाओं को मिलाकर विशेष टीमें गठित की गई हैं, जो बेहद खूबी और मुस्तैदी से अपनी जिम्मेदारी निभा रही हैं।

'मॉडल पोलिंग बूथ' पर स्वास्थ्य जांच की सुविधा

स्मृतिका नेगी ने बताया कि मतदाताओं को आकर्षित करने और उनकी सुविधा के लिए इन केंद्रों को 'मॉडल पोलिंग बूथ' के रूप में विकसित किया गया है। लोग सुबह से ही लंबी लाइनों में खड़े रहते हैं, इसलिए मतदान के साथ-साथ चौक पंचायत के मतदान केंद्र पर अन्य जनसुविधाएं भी जोड़ी गई हैं। मतदाताओं के लिए मौके पर ही स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था की गई है। वहीं मतदान के लिए आने वाले बच्चों की देखभाल के लिए मतदान केंद्र में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं द्वारा संचालित विशेष क्रेच यानी शिशु गृह भी बनाया गया है।

अविश्वास आदमी की प्रवृत्ति को जितना बिगाड़ता है, विश्वास उतना ही बनाता है। **-धर्मवीर भारती**

संपादकीय

हिमाचल में बढ़ते सड़क हादसे

हिमाचल प्रदेश अपनी प्राकृतिक सुंदरता, ऊंचे पहाड़ों और मनमोहक वादियों के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध है, लेकिन अब यही पहाड़ी सड़कें धीरे-धीरे लोगों के लिए मौत का रास्ता बनती जा रही हैं। प्रदेश में लगभग हर दिन किसी न किसी हिस्से से सड़क हादसों की दुखद खबर सामने आती है। कभी बस गहरी खाई में गिर जाती है, कभी कार अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो जाती है और कभी तेज रफ्तार वाहन लोगों की जान ले लेते हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि अधिकांश सड़क हादसे तकनीकी खराबियों से कम और मानवीय लापरवाही के कारण अधिक होते हैं।

कल्लू जिले में एक टाटा सूमो वाहन के गहरी खाई में गिरने से तीन महिलाओं की मौत हो जाना बेहद दुखद है। यह हादसा सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल है। वाहन में चालक सहित नौ महिलाएं और एक बच्चा सवार थे। महिलाएं मतदान करने के बाद मेला देखने जा रही थीं। लोकतंत्र के पर्व और उत्सव के माहौल के बीच किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि कुछ ही पलों में खुशी मातम में बदल जाएगी। इस हादसे ने कई परिवारों से उनकी खुशियां छीन लीं।

सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि आखिर उन महिलाओं का क्या दोष था, जिन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी? हादसे में चालक का बच जाना भी लोगों के मन में कई प्रश्न खड़े करता है। यदि चालक अपनी जान बचाने में सफल हो गया, तो यात्रियों को क्यों नहीं बचाया जा सका? हालांकि सड़क दुर्घटनाएं अक्सर कुछ ही सेकंडों में घटित हो जाती हैं और उस समय किसी के पास सोचने या प्रतिक्रिया देने का पर्याप्त समय नहीं होता। फिर भी यह आवश्यक है कि चालक पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ वाहन चलाए, क्योंकि यात्रियों की जान उसी के हाथ में होती है।

चालक ने दुर्घटना का कारण वाहन के ब्रेक फेल होना बताया है। यदि वास्तव में ऐसा हुआ, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यात्रा शुरू करने से पहले वाहन की सही तरीके से जांच की गई थी? पहाड़ी क्षेत्रों में वाहन चलाने से पहले ब्रेक, टायर, स्टीयरिंग और अन्य तकनीकी हिस्सों की जांच बेहद जरूरी होती है। छोटी सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। यदि वाहन की गति नियंत्रित होती, तो संभव है कि ब्रेक फेल होने की स्थिति में भी हादसे को टाला जा सकता था या उसका असर कम होता।

हिमाचल प्रदेश की भौगोलिक स्थिति देश के अन्य राज्यों से अलग और अधिक चुनौतीपूर्ण है। यहां की सड़कें संकरी, घुमावदार और गहरी खाइयों के किनारे बनी होती हैं। ऐसे रास्तों पर वाहन चलाने के लिए विशेष अनुभव और धैर्य की आवश्यकता होती है, लेकिन कई बार चालक तेज रफ्तार, ओवरटेकिंग और लापरवाही के कारण नियंत्रण खो बैठते हैं। कुछ चालक मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए या थकान की स्थिति में भी वाहन चलाते हैं, जिससे दुर्घटना की संभावना और बढ़ जाती है।

प्रदेश में बढ़ते सड़क हादसे यह भी दर्शाते हैं कि सड़क सुरक्षा नियमों का पूरी तरह पालन नहीं हो रहा। बाहरी राज्यों से आने वाले कई चालक पहाड़ी सड़कों की परिस्थितियों से परिचित नहीं होते, जिसके कारण दुर्घटनाएं बढ़ जाती हैं। इसलिए सरकार और परिवहन विभाग को पहाड़ी क्षेत्रों के लिए अलग और सख्त दिशा-निर्देश जारी करने चाहिए।

चालकों को स्पष्ट जानकारी दी जानी चाहिए कि पहाड़ों में वाहन किस गति से चलाना सुरक्षित है, तीखे मोड़ों पर कैसे नियंत्रण रखना है तथा चढ़ाई और उतराई में वाहन को किस प्रकार संभालना है। वाहनों की फिटनेस जांच को भी गंभीरता से लेना होगा। कई बार पुराने और खराब वाहन बिना उचित जांच के सड़कों पर दौड़ते रहते हैं। परिवहन विभाग को नियमित रूप से वाहनों की तकनीकी जांच सुनिश्चित करनी चाहिए। सड़क किनारे सुरक्षा दीवारें, चेतावनी संकेत, रिफ्लेक्टर और पैरापिट भी मजबूत किए जाने चाहिए, ताकि दुर्घटनाओं की स्थिति में नुकसान कम हो सके। सरकार के साथ-साथ आम लोगों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। यात्रियों को भी यह समझना होगा कि ओवरलोडिंग और तेज रफ्तार को बढ़ावा देना उनकी अपनी जान के लिए खतरा बन सकता है।

यदि चालक लापरवाही से वाहन चला रहा हो, तो यात्रियों को उसे तुरंत सावधान करना चाहिए। सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। आज आवश्यकता इस बात की है कि सड़क हादसों को केवल सामान्य घटना मानकर नजरअंदाज न किया जाए। हर दुर्घटना कई परिवारों के सपनों और खुशियों को खत्म कर देती है। यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो हिमाचल की सड़कें इसी तरह लोगों की जान लेती रहेंगी। सड़क सुरक्षा नियमों का पालन, वाहन की नियमित जांच, नियंत्रित गति और जागरूकता ही इन हादसों को रोकने का सबसे प्रभावी उपाय है।

आज की प्रमुख हस्ती

भारतीय जनता पार्टी के राजनीतिज्ञ

डॉ. एल. मुरुगन भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख नेताओं में से एक हैं। उनका जन्म 29 मई 1977 को तमिलनाडु के नमक्कल जिले के पारामती में हुआ था। वे एक कुशल अधिवक्ता और सक्रिय राजनीतिज्ञ हैं। उन्होंने मद्रास विश्वविद्यालय से कानून में परा स्नातक की उपाधि प्राप्त की तथा बाद में मद्रास उच्च न्यायालय में वकालत प्रारंभ की। छात्र जीवन से ही वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे और सामाजिक तथा राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय भाग लेते रहे।

डॉ. एल. मुरुगन
जन्म : 29 मई, 1977

एल. मुरुगन ने भारतीय जनता पार्टी के माध्यम से राजनीति में अपनी पहचान बनाई। वर्ष 2011 में उन्होंने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में राशिपुरम सीट से चुनाव लड़ा, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। इसके बावजूद उन्होंने राजनीतिक क्षेत्र में निरंतर कार्य जारी रखा। उनकी मेहनत और संगठन क्षमता को देखते हुए 11 मार्च 2020 को उन्हें तमिलनाडु भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इससे पहले वे राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग के उपाध्यक्ष के रूप में भी कार्य कर चुके थे।

7 जुलाई 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल विस्तार में उन्हें केंद्रीय राज्य मंत्री बनाया गया। वे मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री के रूप में कार्यरत रहे। डॉ. एल. मुरुगन अपने सरल व्यक्तित्व, संगठन कौशल और सक्रिय नेतृत्व के कारण तमिलनाडु भाजपा के महत्वपूर्ण नेताओं में गिने जाते हैं। वे सामाजिक न्याय, विकास और जनकल्याण के मुद्दों को प्रमुखता से उठाते रहे हैं।

तुम भी करो गौर

कैप्टन (डॉ.) जय महलवाल (अनजान), ई 01 प्रोफेसर कॉलोनी, राजकीय महाविद्यालय, बिलासपुर (हि.प्र.)

मतदान के लिए हो जाओ तैयार, कर लो थोड़ी सी बातों पर गौर।
एक तो वोटिंग कंपार्टमेंट के अंदर न ले जाएं फोन।
न लगाएं किसी पार्टी का चिन्ह, न ही लांघे कोई प्रतिबंधित जोन।
आपसी रिश्ते बनाएं रखें मधुर, मतदान करें बिलकुल होकर मुखर।
किसी से न करें कोई दंगा, न ही किसी को दें बिन मतलब का डंडा।
वोट करते समय जरूर सुनें बीप की आवाज।
पर्ची देखकर सुनिश्चित करें मतदान का आगाज।
बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें मतदान में।
मनचाहे और ईमानदार उम्मीदवार को जिताएं जो हो मैदान में।
दूसरों को प्रोत्साहित करें वोट देने के लिए।
मत झांसे में आएं पैसे देने वालों के।
मजबूत लोकतंत्र बनाएं आगे आने वालों के लिए।
विश्वगुरु है भारत अपना ये संदेश दें दुनिया वालों को।

जंगलों में आग पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा

हिमाचल प्रदेश अपने घने जंगलों, बर्फ से ढके पहाड़ों, स्वच्छ नदियों और जैव विविधता के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध है। देवदार, चीड़, बान, खरसू और कई दुर्लभ वनस्पतियों से भरपूर हिमाचल के जंगल केवल प्राकृतिक सुंदरता का प्रतीक नहीं हैं, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और लोगों के जीवन का आधार भी हैं लेकिन पिछले कुछ वर्षों में जंगलों में लगने वाली आग एक गंभीर समस्या बनकर उभरी है।

विशाल कल्याण
सहायक प्रोफेसर, महाराजा अग्रसेन यूनिवर्सिटी, सोलन

अनंत ज्ञान
दैनिक समाचार पत्र

गर्मियों के मौसम में प्रदेश के कई जिलों-जैसे शिमला, मंडी, सोलन, सिरमौर, कांगड़ा, चंबा और कुल्लू में लगातार वनाग्नि की घटनाएं सामने आती हैं। तेज गर्मी, सूखा मौसम, चीड़ की सूखी पत्तियां और मानवीय लापरवाही मिलकर इस संकट को और भयावह बना रही हैं। जंगलों में लग रही आग केवल पेड़ों को नहीं जलाती, बल्कि यह हिमाचल की पर्यावरणीय सुरक्षा, जल स्रोतों, वन्य जीवों, पर्यटन और स्थानीय लोगों के भविष्य को भी खतरे में डाल रही है।

हिमाचल में जंगलों की आग का सबसे बड़ा नुकसान पर्यावरण को होता है। जंगल पृथ्वी के 'फेफड़े' माने जाते हैं क्योंकि वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। जब हजारों हेक्टेयर जंगल आग की चपेट में आते हैं तो वातावरण में भारी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड और जहरीली गैसें फैलती हैं। इससे वायु प्रदूषण बढ़ता है और जलवायु परिवर्तन की समस्या और गंभीर हो जाती है। हिमाचल जैसे पर्वतीय राज्य में तापमान बढ़ने का असर ग्लेशियरों पर भी पड़ता है। ग्लेशियर तेजी से पिघलने लगते हैं, जिससे भविष्य में जल संकट की संभावना बढ़ जाती है। वनाग्नि मिट्टी की ऊपरी उपजाऊ परत को भी नष्ट कर देती है, जिससे भूमि की उर्वरता कम हो जाती है और नए पौधों का विकास प्रभावित होता है।

वनों में लगने वाली आग का दूसरा बड़ा नुकसान जैव विविधता को होता है। हिमाचल के जंगल अनेक दुर्लभ वनस्पतियों और वन्य जीवों का घर हैं। तेंदुआ, कस्तूरी मृग, हिमालयी मोनाल, भालू, जंगली खरगोश, लोमड़ी और कई पक्षी प्रजातियां इन जंगलों पर निर्भर हैं। आग लगने पर कई छोटे जीव और पक्षी जलकर मर जाते हैं, जबकि बड़े जानवर अपने आवास छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। इससे मानव-वन्यजीव संघर्ष भी बढ़ता है, क्योंकि जानवर भोजन और पानी की तलाश में गांवों की ओर आने लगते हैं। कई औषधीय पौधे, जो केवल हिमालयी क्षेत्रों में पाए जाते हैं, आग के कारण नष्ट हो जाते हैं। यह नुकसान केवल वर्तमान के लिए नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी गंभीर खतरा है। हिमाचल की अर्थव्यवस्था में पर्यटन

की महत्वपूर्ण भूमिका है और जंगलों की आग इस क्षेत्र को भी प्रभावित कर रही है। राज्य में हर साल लाखों पर्यटक प्राकृतिक सुंदरता और ठंडे मौसम का आनंद लेने आते हैं लेकिन जब पहाड़ धुएं से भर जाते हैं और जंगल जलते दिखाई देते हैं, तो पर्यटकों की संख्या कम होने लगती है।

शिमला, मनाली, धर्मशाला और कसौली जैसे पर्यटन स्थलों के आसपास आग की घटनाएं प्रदेश की छवि को नुकसान पहुंचाती हैं। धुएं और प्रदूषण के कारण पर्यटकों को स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इससे होटल, टैक्सी, रेस्तरां और छोटे व्यापारियों की आय प्रभावित होती है। पर्यटन पर निर्भर हजारों परिवारों के रोजगार पर भी इसका सीधा असर पड़ता है। वनाग्नि का प्रभाव ग्रामीण जीवन पर भी गहराई से पड़ता है। हिमाचल के अनेक गांव जंगलों के पास बसे हुए हैं और ग्रामीण अपनी दैनिक आवश्यकताओं-जैसे पशुओं के लिए चारा, ईंधन की लकड़ी और पानी के लिए जंगलों पर निर्भर रहते हैं।

आग लगने से चारा और वन संसाधन नष्ट हो जाते हैं, जिससे ग्रामीणों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई बार आग गांवों तक पहुंच जाती है और घरों, खेतों तथा पशुओं को भी नुकसान पहुंचाती है। किसानों की फसलें जल जाती हैं और आर्थिक नुकसान होता है। जंगलों के नष्ट होने से जल स्रोत सूखने लगते हैं, क्योंकि पेड़ वर्षा जल को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। परिणामस्वरूप ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की कमी बढ़ जाती है। हर वर्ष हिमाचल प्रदेश में हजारों हेक्टेयर वन क्षेत्र आग की चपेट में आ जाता है, जिससे करोड़ों रुपये की वन संपदा नष्ट होती है। केवल पेड़ों का ही नहीं, बल्कि मिट्टी, जैव विविधता और पर्यावरणीय सेवाओं का भी भारी नुकसान होता है। विशेषज्ञों के अनुसार वनाग्नि से होने वाला वास्तविक नुकसान सरकारी आँकड़ों से कहीं अधिक होता है, क्योंकि इसके प्रभाव लंबे समय तक दिखाई देते हैं। एक बार जंगल जल जाने के बाद उस क्षेत्र को दोबारा विकसित होने में कई दशक लग सकते हैं।

हिमाचल में वनाग्नि के पीछे प्राकृतिक और मानवीय दोनों कारण जिम्मेदार हैं। अत्यधिक गर्मी, कम वर्षा और सूखी हवाएँ आग को फैलाने में मदद करती हैं, जबकि लोगों की लापरवाही समस्या को और गंभीर बना देती है। जलती बीड़ी-सिगरेट फेंकना, सूखी घास जलाना और पिकनिक के बाद आग पूरी तरह न बुझाना कई घटनाओं का कारण बनता है। चीड़ की सूखी पत्तियाँ भी आग को तेजी से फैलाती हैं।

सरकार और वन विभाग इस समस्या से निपटने के लिए फायर लाइन, ड्रोन, जागरूकता अभियान और वन कर्मियों की विशेष टीमें तैनात कर रहे हैं। फिर भी, केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। जंगलों की सुरक्षा के लिए आम नागरिकों की भागीदारी भी आवश्यक है। छोटी-छोटी सावधानियाँ अपनाकर वनाग्नि जैसी गंभीर समस्या को काफी हद तक रोका जा सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

हिमाचल को नशामुक्त बनाने के लिए जनता को बनना होगा पुलिस का सहयोगी

देवभूमि हिमाचल प्रदेश आज एक गंभीर सामाजिक चुनौती का सामना कर रहा है। यह चुनौती है युवाओं में तेजी से बढ़ते नशे के प्रचलन की। कभी अपनी संस्कृति, सभ्यता और शांत वातावरण के लिए पहचाने जाने वाला हिमाचल आज नशे जैसी भयावह समस्या से जूझ रहा है। विशेष रूप से केमिकल और सिंथेटिक नशे का बढ़ता उपयोग समाज और परिवारों के लिए गहरी चिंता का विषय बन चुका है। यह केवल कानून व्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक पतन का संकेत भी है।

ठाकुर हेमराज राणा
स्वतंत्र लेखक, सिरमौर

अनंत ज्ञान
दैनिक समाचार पत्र

प्रदेश में आए दिन पुलिस द्वारा नशे के सौदागरों और नशा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पुलिस लगातार नशा तस्करों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचा रही है। बावजूद इसके जिस तेजी से युवाओं में नशे का फैलाव हो रहा है, वह बेहद चिंताजनक है। नशे की गिरफ्त में आकर कई युवा अपना भविष्य बर्बाद कर रहे हैं। अनेक परिवार अपने बच्चों को खो चुके हैं और कई घरों के चिराग हमेशा के लिए बुझ गए हैं। यह स्थिति केवल प्रशासन के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए खतरे की घंटी है।

हिमाचल प्रदेश पुलिस नशे के खिलाफ लगातार सख्त अभियान चला रही है। जगह-जगह छापेमारी, जागरूकता अभियान, मैराथन दौड़, नशे के खिलाफ लेखन और सांस्कृतिक कार्य, मों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। पुलिस प्रशासन उन व्यक्तियों और संस्थाओं को भी सम्मानित करता है जो समाज में नशामुक्ति को लेकर सकारात्मक कार्य कर रहे हैं। यह प्रयास निश्चित रूप से सराहनीय हैं और समाज में पुलिस के प्रति विश्वास को मजबूत करते हैं।

इसके साथ ही प्रदेश सरकार भी नशे के खिलाफ कठोर कदम उठा रही है। सरकार से अपेक्षा है कि नशा तस्करों और नशे के

कारोबार से जुड़े लोगों के खिलाफ और अधिक सख्त कार्रवाई की जाए। उनकी अवैध संपत्तियों को जब्त कर उसे जनहित और प्रदेश के विकास कार्यों में लगाया जाना चाहिए। इससे समाज में एक कड़ा संदेश जाएगा कि नशे का कारोबार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

हालांकि केवल पुलिस और सरकार के प्रयासों से इस समस्या का पूर्ण समाधान संभव नहीं है। जब तक आम जनता पुलिस प्रशासन का सहयोग नहीं करेगी, तब तक हिमाचल को पूरी तरह नशामुक्त बनाना कठिन रहेगा। समाज के बुद्धिजीवियों, शिक्षकों, अभिभावकों और युवाओं को इस लड़ाई में आगे आना होगा। नशे की समस्या को किसी दूसरे घर की समस्या समझने के बजाय अपने घर और समाज की समस्या मानना होगा।

अक्सर देखा जाता है कि कई क्षेत्रों में लोग नशा कारोबारियों की जानकारी होने के बावजूद पुलिस को सूचना नहीं देते। कुछ लोग डर या सामाजिक दबाव के कारण चुप रहते हैं। यही चुप्पी नशा तस्करों के हौसले बढ़ाती है। यदि जनता समय-समय पर पुलिस को सही जानकारी और सहयोग दे, तो नशे के बड़े नेटवर्क को आसानी से तोड़ा जा सकता है। समाज और पुलिस के बीच मजबूत तालमेल ही इस समस्या से लड़ने का सबसे प्रभावी उपाय है।

आज जरूरत इस बात की है कि युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए परिवार और समाज मिलकर सकारात्मक माहौल तैयार करें। खेल, शिक्षा, रोजगार और सांस्कृतिक गतिविधियों की ओर युवाओं को प्रेरित करना होगा। स्कूलों और कॉलेजों में नशे के दुष्प्रभावों को लेकर नियमित जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। अभिभावकों को भी अपने बच्चों की गतिविधियों पर ध्यान देना चाहिए और उनके साथ संवाद बनाए रखना चाहिए। नशा केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को बर्बाद कर देता है। हिमाचल को नशामुक्त बनाने के लिए पुलिस, प्रशासन, सरकार और आम जनता सभी को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

हिमाचल प्रदेश पंचायती राज चुनाव : गांव की सरकार चुनने का लोकतांत्रिक महापर्व

हिमाचल प्रदेश की शांत वादियों, ऊंचे पहाड़ों, खेतों और दूरस्थ गांवों में जब पंचायती राज चुनावों का बिगुल बजता है, तब यह केवल एक चुनावी प्रक्रिया नहीं रहती, बल्कि लोकतंत्र, जनभागीदारी और ग्रामीण चेतना का उत्सव बन जाती है। वर्ष 2026 के पंचायती राज चुनाव भी इसी लोकतांत्रिक परंपरा का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आए हैं।

सुभाष चंद काशव
गांव जौवा, जिला चंबा (हि.प्र.)

अनंत ज्ञान
दैनिक समाचार पत्र

गांवों की चौपालों में चर्चाएं तेज हैं, युवाओं में उत्साह दिखाई दे रहा है और महिलाओं में नई उम्मीदों की चमक साफ झलक रही है। हर गांव अपने भविष्य का नेतृत्व चुनने के लिए तैयार खड़ा है। इस बार पंचायती राज चुनाव सामान्य वर्षों की तुलना में कुछ देर से आयोजित हो रहे हैं। आमतौर पर ये चुनाव सर्दियों में करवा लिए जाते थे, लेकिन पिछले वर्ष प्रदेश में आई भारी प्राकृतिक आपदा और बरसात के कारण चुनाव लगभग चार महीने देरी से करवाए जा रहे हैं। इसके बावजूद ग्रामीण जनता में लोकतंत्र के इस पर्व को लेकर भारी उत्साह देखने को मिल रहा है।

हिमाचल प्रदेश में पंचायती राज व्यवस्था केवल प्रशासनिक ढांचा नहीं, बल्कि ग्रामीण जीवन की आधारशिला मानी जाती है। पहाड़ी प्रदेश होने के कारण यहां गांवों की समस्याएं अलग और चुनौतीपूर्ण हैं। कहीं सड़क की आवश्यकता है, कहीं पेयजल संकट है, तो कहीं स्वास्थ्य सेवाओं और रोजगार की कमी लोगों के लिए बड़ी समस्या बनी हुई है। ऐसे में पंचायतें गांवों के विकास की पहली सीढ़ी मानी जाती हैं। यही कारण है कि हिमाचल में पंचायत चुनावों को विधानसभा चुनावों जितना ही महत्व दिया जाता है।

राज्य चुनाव आयोग द्वारा अप्रैल 2026 में पंचायत चुनावों की घोषणा की गई थी। चुनाव तीन चरणों में आयोजित किए जा रहे हैं। 26 और 28 मई को दो चरणों में मतदान हो चुका है और अब अंतिम चरण में 30 मई

को वोड डाले जाएंगे। इन चुनावों में लगभग 50 लाख से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। खास बात यह है कि इस बार बड़ी संख्या में युवा पहली बार मतदान कर रहे हैं। लगभग 52 हजार नए मतदाता गांव की सरकार चुनने में भागीदारी निभा रहे हैं। यह दर्शाता है कि हिमाचल का युवा लोकतंत्र के प्रति जागरूक हो रहा है और ग्रामीण राजनीति में उसकी रुचि बढ़ रही है। इस बार पंचायत चुनावों में कुल 31 हजार से अधिक पदों के लिए चुनाव हो रहे हैं। इनमें प्रधान, उपप्रधान, वार्ड सदस्य, पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य शामिल हैं। गांवों से लेकर जिला स्तर तक लोकतंत्र की यह विशाल प्रक्रिया ग्रामीण जनता की भागीदारी को मजबूत करती है। महिलाओं की भागीदारी इस बार विशेष रूप से उल्लेखनीय मानी जा रही है। बड़ी संख्या में महिलाएं चुनाव मैदान में उतरी हैं और गांवों के नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालने के लिए आगे आ रही हैं। यह हिमाचल प्रदेश में सामाजिक बदलाव और महिला सशक्तिकरण का सकारात्मक संकेत है। खेतों, घरों और पशुपालन में अहम भूमिका निभाने वाली महिलाएं अब पंचायतों के माध्यम से विकास योजनाओं और नीतियों में भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रही हैं।

इन चुनावों में स्थानीय मुद्दे सबसे अधिक प्रभावी दिखाई दे रहे हैं। ग्रामीण सड़कें, पेयजल योजनाएं, स्वास्थ्य सुविधाएं, शिक्षा, इंटरनेट कनेक्टिविटी, कृषि, बागवानी, पर्यटन और रोजगार जैसे मुद्दे चुनावी चर्चा के केंद्र में हैं। युवाओं का गांवों से शहरों की ओर बढ़ता पलायन भी एक बड़ी चिंता बना हुआ है। ऐसे में पंचायतों से उम्मीद की जा रही है कि वे गांवों में रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में काम करें।

हालांकि पंचायत चुनावों में प्रतिस्पर्धा के साथ सामाजिक सौहार्द बनाए रखना भी जरूरी है। गांवों में रिश्ते और सामाजिक संबंध बेहद गहरे होते हैं। ऐसे में चुनावी मतभेद कभी-कभी सामाजिक तनाव का कारण बन जाते हैं। इसलिए बुद्धिजीवी वर्ग और वरिष्ठ लोग लगातार यह संदेश दे रहे हैं कि चुनाव लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन चुनाव समाप्त होने के बाद गांव का भाईचारा और एकता बनी रहनी चाहिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

एड्स : शताब्दी का सबसे भयावह और चुनौतीपूर्ण वैश्विक अभिशाप

आधुनिक युग में विज्ञान और चिकित्सा के क्षेत्र में अनेक उपलब्धियां हासिल की गई हैं, लेकिन इसके बावजूद कुछ बीमारियां आज भी मानव समाज के लिए गंभीर चुनौती बनी हुई हैं। एड्स ऐसी ही एक घातक और जानलेवा बीमारी है, जिसने पूरी दुनिया में भय और चिंता का वातावरण पैदा किया। भारत में भी एड्स ने धीरे-धीरे अपनी गहरी पैठ बना ली है। कब और कैसे इस बीमारी के विषाणु हमारे देश में पहुंचे, इसका स्पष्ट पता नहीं चल पाया, लेकिन जब तक लोगों को इसकी गंभीरता का एहसास हुआ, तब तक यह बीमारी हजारों लोगों को अपनी चपेट में ले चुकी थी।

डॉ. पीसी कौंडल
गांव ददोह, (बल्ह) जिला मंडी

अनंत ज्ञान
दैनिक समाचार पत्र

भारत में एड्स का पहला रोगी वर्ष 1986 में चेन्नई में पाया गया, जबकि हिमाचल प्रदेश में इसका पहला मामला वर्ष 1992 में सामने आया। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 1995 तक विश्वभर में करोड़ों लोग एचआईवी सं, मण का शिकार हो चुके थे। भारत भी इससे अछूता नहीं रहा। समय के साथ यह बीमारी तेजी से फैलती गई और आज भी यह स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

एड्स वास्तव में एचआईवी नामक वायरस के कारण होने वाला रोग है। यह वायरस शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को धीरे-धीरे कमजोर कर देता है। मानव शरीर में मौजूद प्रतिरक्षा कोशिकाएं रोगों से लड़ने का कार्य करती हैं, लेकिन एचआईवी वायरस इन कोशिकाओं को नष्ट कर देता है। परिणामस्वरूप सं, मित व्यक्ति सामान्य बीमारियों का भी आसानी से शिकार हो जाता है। इस बीमारी को विकसित होने में कई वर्षों का समय लग सकता है, इसलिए कई बार व्यक्ति लंबे समय तक यह नहीं जान पाता कि वह सं, मित है।

एचआईवी संक्रमित व्यक्ति में शुरूआती दौर में कोई विशेष लक्षण दिखाई नहीं देते। हालांकि समय के साथ शरीर कमजोर होने लगता है। लगातार बुखार रहना, वजन घटना,

भूख कम लगना, दस्त, कमजोरी, मुंह में छाले, निमोनिया और शरीर में गांठें बनना इसके सामान्य लक्षण माने जाते हैं। लेकिन केवल लक्षणों के आधार पर इस बीमारी की पहचान संभव नहीं है। इसकी पुष्टि केवल चिकित्सकीय जांच से ही हो सकती है।

एड्स के फैलने के मुख्य कारणों में असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित रक्त चढ़ाना, सं, मित सुई या इंजेक्शन का उपयोग तथा संक्रमित मां से बच्चे में सं, मण शामिल हैं। इसलिए इस बीमारी के प्रति जागरूकता बेहद जरूरी है। यह रोग छूने, साथ बैठने, भोजन साझा करने या सामान्य सामाजिक संपर्क से नहीं फैलता। समाज में आज भी एड्स को लेकर कई भ्रांतियां और भेदभाव देखने को मिलते हैं, जिन्हें दूर करना आवश्यक है।

चूंकि एड्स का पूर्ण इलाज अभी तक संभव नहीं है, इसलिए बचाव ही इसका सबसे प्रभावी उपाय माना जाता है। हमें अनजान व्यक्तियों से असुरक्षित संबंध बनाने से बचना चाहिए। रक्त चढ़ाने से पहले उसकी जांच सुनिश्चित करनी चाहिए तथा हमेशा सुरक्षित और स्वच्छ सुई का ही प्रयोग करना चाहिए। साथ ही समाज में जागरूकता फैलाना भी हमारी जिम्मेदारी है। आज आवश्यकता इस बात की है कि एड्स के प्रति डर नहीं बल्कि जागरूकता बढ़ाई जाए। एड्से से संक्रमित हुए व्यक्तियों के साथ भेदभाव करने के बजाय उन्हें सहयोग और सहानुभूति दी जानी चाहिए। यदि समय रहते लोग जागरूक हो जाएं, तो इस बीमारी पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है। वास्तव में 'रोकथाम इलाज से बेहतर है' की कहावत एड्स जैसी बीमारी पर पूरी तरह लागू होती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद धर्मशाला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

अप्सरा से कम नहीं है आलोंसो

पैराग्वे: लुआना आलोंसो पैराग्वे की स्विमर हैं, जो कि सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। लुआना सही मायने में किसी अप्सरा से कम नहीं लगती हैं। उन पर हर तरह का आटफिट बेमिसाल लगता है।

स्पोर्ट्स विंडो

यूनिटी कप के सेमीफाइनल में जमैका से हारी भारतीय टीम

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम लंदन में यूनिटी कप 2026 के सेमीफाइनल में जमैका से 0 . 2 से हारकर बाहर हो गई । जमैका के लिए कर्टनी क्लार्क ने आठवें और काहेम डिक्सॉन ने 78वें मिनट में गोल दागे । अब तीसरे स्थान के प्लेआफ मुकाबले में भारत का सामना जिम्बाब्वे से होगा जिसे दूसरे सेमीफाइनल में नाइजीरिया ने हराया । वहीं, फाइनल में पिछले साल की तरह नाइजीरिया की टक्कर जमैका से होगी । भारत के लिये नोफाल पीएन और रिकी शाबोंग ने सीनियर टीम में पदार्पण किया। भारतीय टीम का ब्रिटेन में यह पहला मैच था। फीफा रैंकिंग में 71वें स्थान पर काबिज जमैका ने आक्रामक शुरूआत करके आठवें ही मिनट में बढत बना ली। डिक्सॉन 17वें मिनट में बढत दुगुनी करने के करीब पहुंचे लेकिन गुरप्रीत संधू ने गोल नहीं होने दिया। ब्रेक के पहले भारतीयों ने कुछ अच्छे मूव बनाए, लेकिन गोल में नहीं बदल सके । ब्रेक के बाद 53वें मिनट में जमैका के डिफेंस और गोलकीपर की गलती का फायदा उठाकर भारत गोल करने के करीब भी पहुंचा। रोशन ने गेंद पर नियंत्रण बनाकर रहीम अली को गेंद सौंपी जो लालरिंडिका की जगह हाफ टाइम के बाद उतरे थे। अली आफ साइड में थे, लिहाजा फॉलोअप में छांगटे का गोल मान्य नहीं हुआ। इसके बाद हालांकि भारतीय टीम अचानक लय में दिखने लगी और काफी आक्रामक खेल दिखाया, लेकिन जब लग रहा था कि भारत बराबरी कर लेगा, उसी समय डिक्सॉन ने जमैका के लिये दूसरा गोल कर दिया। (अनंत ज्ञान)

वैभव सूर्यवंशी की तूफानी पारी, फिर भी नहीं टूटा सुरेश रैना का रिकॉर्ड

एजेंसही, नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में विस्फोटक बल्लेबाजी कर हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। वैभव ने सिर्फ 29 गेंदों में 97 रन ठोक दिए। उनकी पारी में 5 चौके और 12 लंबे छक्के शामिल रहे। इस आक्रामक बल्लेबाजी ने राजस्थान को तेज शुरुआत दिलाई और कई रिकॉर्ड भी उनके नाम दर्ज हुए। हालांकि, इतनी शानदार पारी के बावजूद वैभव आईपीएल का एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड तोड़ने से चूक गए। यह रिकॉर्ड पूर्व चेन्नई सुपर किंग्स स्टार सुरेश रैना के नाम दर्ज है। रैना ने आईपीएल 2014 के क्वालीफायर-2 में पंजाब के खिलाफ महज 25 गेंदों में 87 रन बनाए थे। उनकी पारी में 12 चौके और 6 छक्के शामिल थे। शुरुआती 25 गेंदों में सबसे ज्यादा रन बनाने का यह रिकॉर्ड आज भी कायम है। वैभव सूर्यवंशी ने अपनी पारी के पहले 25 गेंदों में 81 रन बनाए, लेकिन वह रैना के रिकॉर्ड को पार नहीं कर सके। इससे पहले ट्रैविस हेड, प्रभसिमरन सिंह और जैक फ्रेजर मैकगर्क जैसे बल्लेबाज भी इस रिकॉर्ड के करीब पहुंचे, लेकिन कोई इसे तोड़ नहीं पाया। (अनंत ज्ञान)

पैट कमिंस बोले-गलत समय पर विकेट गंवाना पड़ा भारी

एजेंसी, मुल्लांपुर। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ एलिमिनेटर में मिली 47 रन की हार के बाद माना कि उनकी टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अहम मौकों पर विकेट गंवाए, जिसका खामियाजा भुगतना पड़ा। मैच के बाद कमिंस ने कहा, '245 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सब कुछ सही होना जरूरी था, लेकिन हमने गलत समय पर विकेट गंवा दिए। हम टॉप-2 में पहुंचने से थोड़ा दूर रह गए, लेकिन खिलाड़ियों की कोशिशों पर कोई सवाल नहीं उठाया जा सकता।' राजस्थान की जीत के हीरो युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी रहे, जिन्होंने सिर्फ 29 गेंदों में 97 रन की विस्फोटक पारी खेली। उनकी बल्लेबाजी की तारीफ करते हुए कमिंस ने कहा, 'वह शानदार खेला। पिच बल्लेबाजी के लिए बेहतरीन थी, लेकिन गलती की कोई गुंजाइश नहीं थी। अगर यॉर्कर चूक जाए तो वह बल्लेबाज नहीं चूकता।' कमिंस ने अपनी युवा टीम और गेंदबाजों की भी सराहना की। (अनत ज्ञान)

हैदराबाद को हराकर क्वालीफायर-2 में पहुंची टीम राजस्थान

गुजरात-राजस्थान के बीच महामुकाबला आज

एजेंसी, मुल्लांपुर

आईपीएल एलिमिनेटर मुकाबले में राजस्थान ने हैदराबाद को 47 रनों से हराकर क्वालीफायर-2 में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस जीत के हीरो 15 साल के युवा वैभव सूर्यवंशी रहे, जिन्होंने सिर्फ 29 गेंदों में 12 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 97 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली। इस तूफानी पारी के साथ ही उन्होंने क्रिस गेल का 14 साल पुराना एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है।

आईपीएल 2026 के फाइनल का टिकट हासिल करने के लिए शुक्रवार, 29 मई को राजस्थान और गुजरात के बीच क्वालीफायर-2 का महामुकाबला खेला जाएगा। इस हाई-वोल्टेज मैच पर क्रिकेट फैंस की नजरें टिकी होंगी, क्योंकि जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में पहुंचकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से खिताबी भिड़ंत करेगी।

राजस्थान की टीम इस सीजन में संतुलित प्रदर्शन करती नजर आई है। बल्लेबाजी में टीम के टॉप ऑर्डर ने लगातार रन बनाए हैं, जबकि गेंदबाजों ने मुश्किल परिस्थितियों में

विकेट निकालकर मैच पलटने का काम किया। कप्तान की आक्रामक रणनीति और युवा खिलाड़ियों का आत्मविश्वास टीम की सबसे बड़ी ताकत बना हुआ है।

वहीं, गुजरात की टीम भी पूरे टूर्नामेंट में दमदार लय में दिखी है। टीम के बल्लेबाज बड़े मैचों में जिम्मेदारी संभालने के लिए जाने जाते हैं, जबकि गेंदबाजी आक्रमण विपक्षी बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाने में सक्षम है। खासतौर पर डेथ ओवर्स में गुजरात के गेंदबाजों का प्रदर्शन शानदार रहा है। दोनों टीमों के बीच मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। राजस्थान जहां तेज शुरुआत कर बड़ा स्कोर खड़ा करना चाहेगी, वहीं गुजरात की नजर शुरुआत से दबाव बनाकर मैच अपने नियंत्रण में लेने पर होगी। फैंस को एक कांटे की टक्कर देखने को मिल सकती है। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि कौन-सी टीम जीत दर्ज कर फाइनल में आरसीबी को चुनौती देगी और ट्रॉफी के एक कदम और करीब पहुंचेगी। (अनंत ज्ञान)

मैच : शाम 7.30 बजे से

संभावित टीमें

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), साईं सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), जेसन होल्डर, इशांत शर्मा, जयंत यादव, कगिसो रबाडा, राहुल तेवतिया, ल्यूक वुड, शाहरुख खान, साईं किशोर, वाशिंगटन सुंदर, राशिद खान, मोहम्मद सिराज, ग्लेन फिलिप्स, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलवंत खेजरोलिया, अनुज रावत (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), मानव सुथार, कोनोर एस्टरहुइजेन, गुरनूर ब्रार, निशांत सिंधु, अरशद खान, अशोक शर्मा।

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जायसवाल, रवींद्र जडेजा, एडम मिल्ने, संदीप शर्मा, डोनोवन फेरिरा (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), युद्धवीर सिंह, डसून शनाका, जोफ्रा आर्चर, शिमरोन हेटमायर, तुषार देशपांडे, नांद्रे बर्गर, कुलदीप सेन, रवि बिश्नोई, सुशांत मिश्रा, शुभम दुबे, विग्नेश पुथुर, अमन राव, अमनजोत सिंह चहल, यश पुंजा, रवि सिंह, बृजेश शर्मा, क्वेना मफाका, लुआन-ड्रे प्रीटोरियस।

वैभव बोले-गेल का रिकॉर्ड पता नहीं था, बस टीम के लिए खेलना था

गेल ने 30 बॉल में 100 बनाए थे, सूर्यवंशी 3 रन से चूके

एजेंसी, चंडीगढ़

राजस्थान के ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने बुधवार को आईपीएल के एलिमिनेटर में हैदराबाद के खिलाफ 29 गेंदों में 97 रन बनाए। वे आईपीएल इतिहास का सबसे तेज शतक बनाने के क्रिस गेल (30 गेंद) के रिकॉर्ड से चूक गए।

मैच के बाद वैभव से पूछा गया कि क्या उन्हें सबसे तेज शतक के रिकॉर्ड की जानकारी थी। उन्होंने कहा, 'मुझे आउट होने के बाद ही इस रिकॉर्ड के बारे में पता चला। उस समय मेरा पूरा ध्यान सिर्फ टीम के लिए ज्यादा से ज्यादा रन बनाने पर था। शतक तो आगे भी बनते रहेंगे, लेकिन अभी हमारा पूरा फोकस इस बात पर है कि टीम के लिए ट्रॉफी कैसे जीती जाए।'

वैभव ने कहा, 'जब हम जीतते हैं तो हम बस उसी पॉजिटिव अप्रोच को आगे ले जाते हैं और अगले मैच पर ध्यान लगाते हैं। हमारी कोशिश अगले मैच को भी इसी तरह जीतकर फाइनल में पहुंचने की है।'

वैभव सूर्यवंशी 8वें ओवर में प्रफुल्ल हिंगे की गेंद पर थर्ड मैन पर कैच दे बैठे। इस पर वैभव ने कहा- 'मैं शतक के बारे में नहीं सोच रहा था। मैंने मैदान पर मौजूद फील्डर्स को देखने के बाद वह शॉट खेला था, लेकिन टाइमिंग गलत हो गई। अगर मैंने गेंद को सीधे थर्ड मैन की तरफ जाने दिया होता, तो वह आसानी से बाउंड्री पार चली जाती।' वैभव भले ही शतक से चूक गए, लेकिन उन्होंने एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का क्रिस गेल का 14 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। वैभव के नाम इस सीजन में 65 छक्के हो गए हैं। विरोधी टीमों की प्लानिंग पर वैभव ने कहा, 'विपक्षी टीम क्या प्लान बना रही है, वह उनका काम है। मैं सिर्फ अपने प्लान पर फोकस करता हूं और नॉर्मल क्रिकेट खेलता हूं।' (अनंत ज्ञान)

नॉर्वे चेस : आर प्रज्ञानानंदा ने मैग्नस कार्लसन को हराया

एजेंसी, ओस्लो

आर प्रज्ञानानंदा ने दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को यहां नॉर्वे शतरंज के तीसरे दौर के रोमांचक मुकाबले में हराकर पूरे तीन अंक ले लिए जबकि मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश का खराब फॉर्म जारी रहा। गुकेश को अलीरजा फिरोजा ने आर्मागेडोन (सडन डैथ टाइब्रेकर) पर हराया चूंकि बाजी ड्रॉ रही थी।

इस साल टूर्नामेंट में कार्लसन चिर परिचित फॉर्म में नहीं दिख रहे थे लेकिन सात बार के चैंपियन को उसके देश में हराना विश्व शतरंज की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। बुकारेस्ट में सुपरबेट शतरंज क्लासिक रोमानिया में शानदार प्रदर्शन करके आये प्रज्ञानानंदा ने उस लय को कायम रखा। इस जीत के बाद उनके 4.5 अंक हो गए हैं और वह दूसरे स्थान पर हैं। फिरोजा 7.5 अंक लेकर शीर्ष पर हैं। गुकेश के 3.5 अंक है और वह छह खिलाड़ियों के ओपन वर्ग में चौथे स्थान पर हैं। कार्लसन 1.5 अंक लेकर छठे स्थान पर है। प्रज्ञानानंदा ने 2024 में इसी टूर्नामेंट में क्लासिकल प्रारूप में पहली बार कार्लसन को हराया था। गुकेश का खराब फॉर्म चिंता का सबब है, क्योंकि उन्हें इस साल के आखिर में जावोखिर सिंडारोव के खिलाफ विश्व चैंपियनशिप मुकाबला खेलना है। (अनंत ज्ञान)

लक्ष्मीरतन शुक्ला ही रहेंगे बंगाल के मुख्य कोच

एजेंसी, कोलकाता। बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) ने लक्ष्मीरतन शुक्ला को प्रदेश की रणजी टीम का मुख्य कोच बरकरार रखा है जबकि महाराष्ट्र के पूर्व बल्लेबाज सुरेंद्र भावे 2026-27 सत्र के लिये सहायक कोच होंगे। कैब ने 24 अप्रैल को कोच के पदों के लिये आवेदन मंगवाए थे, जिससे लग रहा था कि 2022 से इस पद पर काबिज शुक्ला की छुट्टी हो सकती है। कैब ने एक बयान में कहा,''उत्कृष्टता और पारदर्शिता के शीर्ष मानदंडों को बनाये रखने के लिए स्वतंत्र चयन समिति ने उम्मीदवारों का चुनाव किया। समिति में अरुण लाल, देवांग गांधी और कल्याण चौधरी जैसे पूर्व अंतरराष्ट्रीय और प्रथम श्रेणी क्रिकेटर थे।'' शुक्ला के कोच रहते बंगाल 2022-23 में रणजी ट्रॉफी फाइनल में और दो बार सेमीफाइनल में पहुंचा।

◆तिवारी अंडर-19 टीम के कोच

भारत के पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी को बंगाल की अंडर 19 टीम का कोच बनाया गया है । दत्तात्रेय मुखर्जी सहायक कोच होंगे। भारत के पूर्व विकेटकीपर रिधिमान साहा अंडर 23 टीम के मुख्य कोच रहेंगे । अनुस्तूप मजूमदार को अंडर 16 टीम का कोच बनाया गया है। (अनंत ज्ञान)

न्यूजीलैंड और आयरलैंड के बीच एकमात्र टेस्ट मैच

ब्लंडेल-रचिन के शतकों से आयरलैंड पस्त

पहले दिन न्यूजीलैंड 361/5

एजेंसी, बेलफास्ट (आयरलैंड)

टॉम ब्लंडेल और रचिन रवींद्र के शानदार शतकों की बदौलत न्यूजीलैंड ने आयरलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के पहले दिन मजबूत पकड़ बना ली। बेलफास्ट में खेले जा रहे मुकाबले में कीवी टीम ने स्टंप्स तक 5 विकेट पर 361 रन बनाए।

शुरुआत में न्यूजीलैंड की हालत खराब थी। टीम ने 85 रन तक चार विकेट गंवा दिए थे। मार्क एडेर ने टॉम लैथम, डेवोन कॉनवे और डैरिल मिचेल को आउट कर कीवी बल्लेबाजी पर दबाव बनाया, जबकि लियाम मैकार्थी ने केन विलियमसन का विकेट लिया।

इसके बाद रचिन रवींद्र और टॉम ब्लंडेल ने पारी संभाली। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 217 रन जोड़कर आयरिश गेंदबाजों की मेहनत पर पानी फेर दिया। रवींद्र ने 194 गेंदों में 121 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। वहीं ब्लंडेल 142 रन बनाकर नाबाद लौटे। उन्होंने 233 गेंदों की अपनी पारी में 18 चौके और 2 छक्के जड़े।

रवींद्र के आउट होने के बाद डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने ब्लंडेल का अच्छा साथ निभाया। दोनों के बीच छठे विकेट के लिए 58 रन की अविजित साझेदारी हुई। आयरलैंड की ओर से मार्क एडेर सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने तीन विकेट लिए। (अनंत ज्ञान)

बकरीद पर दिल्ली-यूपी में मस्जिदों पर ड्रोन से निगरानी

पीएम और राष्ट्रपति ने देशवासियों को दी ईद की शुभकामनाएं

एजेंसी, नई दिल्ली/लखनऊ

देशभर में बकरीद का त्योहार मनाया जा रहा है। मुस्लिम धर्मावलंबी ईदगाहों में नमाज पढ़ने पहुंचे। पीएम नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी देशवासियों को ईद की शुभकामनाएं दी हैं।

राजस्थान के अजमेर में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में जन्नती दरवाजा खोला गया। यूपी, बंगाल दिल्ली में पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स फ्लैग मार्च कर रही है। मस्जिदों और ईदगाहों पर ड्रोन के जरिए निगरानी रखी जा रही है।

उत्तराखंड, चंडीगढ़ की मस्जिदों और ईदगाहों में इस बार नमाजी पोस्टर लेकर पहुंचे। जिन पर लिखा था-गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करें। ईद-उल-अजहा या बकरीद को 'बलिदान का त्योहार' भी कहा जाता है। यह इस्लामी हिजरी कैलेंडर के 12वें महीने, धू अल-हिज्जा के 10वें दिन मनाया जाता है। यह मक्का में होने वाली सालाना हज यात्रा के समापन का प्रतीक है।

बकरीद की तारीख हर साल बदलती रहती है क्योंकि यह चंद्र कैलेंडर पर आधारित होता है, जो ग्रेगोरियन कैलेंडर से लगभग 11 दिन छोटा होता है। इसका नतीजा यह होता है कि पश्चिमी कैलेंडर में ईद हर साल थोड़ा पहले आ जाती है। यूपी में वीरवार को ईद-उल-अजहा मनाई जा रही है। आगरा के ताजमहल परिसर में 5 हजार लोगों ने बकरीद की नमाज अदा की। संभल-वाराणसी में ईदगाह और मस्जिदों के बाहर पुलिस की तैनाती की गई है। कानपुर में ड्रोन से निगरानी की जा रही है। बुलंदशहर में ईदगाह मस्जिद में भीड़ अधिक होने पर कुछ लोग बाहर नमाज पढ़ने की कोशिश करने लगे। सीओ ने उन्हें रोका तो नमाजी नाराज हो गए। (अनंत ज्ञान)

◆उत्तराखंड में नमाजी बोले-गाय को राष्ट्रीय पशु करें घोषित

डोनाल्ड ट्रंप के बर्थडे पर व्हाइट हाउस में होगी यूएफसी फाइट

एजेंसी, वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 80वें जन्मदिन पर व्हाइट हाउस में अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप (यूएफसी) मुकाबलों का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन 14 जून को होगा और इसे अमेरिका के 250वें स्थापना वर्ष के जश्न का हिस्सा बनाया जा रहा है। यूएफसी प्रमुख डाना व्हाइट ने बताया कि व्हाइट हाउस में फाइट कराने का विचार खुद ट्रंप का था। इसके लिए व्हाइट हाउस के साउथ लॉन में खास फाइटिंग एरिया तैयार किया जा रहा है। अस्थायी स्टेडियम में 4 हजार से ज्यादा दर्शकों के बैठने की व्यवस्था होगी। व्हाइट हाउस के पास मौजूद एलिप्स फील्ड में भी बड़ी स्क्रीनें लगाई जाएंगी, जहां 75 हजार से 1 लाख लोग मुफ्त में मुकाबले देख सकेंगे। (अनंत ज्ञान)

गलवान तनाव के बाद फिर खुलेगा भारत-चीन व्यापार का रास्ता

एजेंसी, पिथौरागढ़। भारत-चीन सीमा पर 2020 के गलवान संघर्ष के बाद बंद हुआ लिपुलेख व्यापार मार्ग अब दोबारा खुलने जा रहा है। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ से 300 व्यापारियों की सूची विदेश मंत्रालय को भेजी गई है। व्यापारी बिना वीजा और पासपोर्ट के ट्रेड पास के जरिए तिब्बत के तकलाकोट बाजार तक पहुंच सकेंगे। इस बार की सबसे बड़ी खासियत यह है कि सीमा तक सड़क पहुंच चुकी है, जिससे सामान अब घोड़े-खच्चरों की बजाय वाहनों के जरिए ले जाया जाएगा। इससे सीमांत व्यापार को नई रफ्तार मिलने की उम्मीद है। तिब्बती व्यापारी कभी याक और भेड़ों के काफिलों के साथ नमक, ऊन और बोरेक्स लेकर भारत आते थे, जबकि भारतीय व्यापारी कपड़ा, अनाज और मसाले तिब्बत पहुंचाते थे। (अनंत ज्ञान)

बांग्लादेश में 'ट्रंप' भैंसे की कुर्बानी टली, नेशनल जू भेजा

एजेंसी, ढाका

ढाका। बांग्लादेश में डोनाल्ड ट्रंप नाम से मशहूर सफेद भैंसे की ईद-उल-अजहा पर होने वाली कुर्बानी रोक दी गई है। 700 किलो वजनी इस भैंसे को 3.85 लाख टका (करीब 3 लाख रुपए) में खरीदा गया था, लेकिन अब सरकार के आदेश के बाद इसे बांग्लादेश नेशनल जू भेज दिया गया है।

यह भैंसा राजधानी ढाका के पास नारायणगंज स्थित रबेया एग्रो फार्म में पाला गया था। जिंजिरा के रसूलपुर निवासी मोहम्मद शोरोन ने इसे 23 मई को कुर्बानी के लिए खरीदा था। इसकी कीमत 550 टका प्रति किलो तय की गई थी। भैंसे की लोकप्रियता बढ़ने और सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सरकार का ध्यान इस ओर गया। गृह मंत्रालय ने कुर्बानी रोकने का आदेश जारी करते हुए खरीदार को पूरी रकम लौटाने के निर्देश दिए। जू प्रशासन ने भैंसे के लिए अलग बाड़ा तैयार किया है। उसकी देखभाल के लिए विशेष कर्मचारियों की तैनाती की गई है। जू के क्यूरेटर अतीकुर रहमान के मुताबिक, भैंसे को फिलहाल दो सप्ताह तक क्वारंटीन और निगरानी में रखा जाएगा। इसके बाद आम लोग उसे देख सकेंगे।

इस भैंसे की सबसे बड़ी खासियत उसके सिर पर मौजूद सुनहरे बाल हैं, जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हेयरस्टाइल जैसे दिखते हैं। इसी वजह से लोगों ने मजाक में उसका नाम 'ट्रंप' रख दिया। सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद इसे देखने के लिए फार्म पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ने लगी थी। (अनंत ज्ञान)

ईरान के बाद ओमान को ट्रंप की धमकी

कहा-होर्मुज पर किसी का कंट्रोल बर्दाश्त नहीं; उड़ा देंगे, मुझे चुनाव की परवाह नहीं

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप होर्मुज स्ट्रेट को लेकर ईरान के बाद अब ओमान की धमकी दी है। उन्होंने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्ता है और यहां किसी एक देश का कब्जा नहीं हो सकता। दुनिया के सभी जहाजों को यहां से गुजरने की आजादी होगी।

ट्रंप ने कहा कि हम इस पर नजर रखेंगे, लेकिन इसे कोई कंट्रोल नहीं करेगा। ईरान इसे कंट्रोल करना चाहता है, लेकिन ऐसा नहीं होगा। यह अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र है। ओमान को भी बाकी देशों की तरह व्यवहार करना होगा, नहीं तो उसे उड़ा देंगे। इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि ईरान को लगा था कि वह बातचीत से पीछे हट जाएंगे, लेकिन अब तेहरान के पास समझौता करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

व्हाइट हाउस में कैबिनेट बैठक के दौरान ट्रम्प ने कहा, 'ईरान को लगा था कि वे मुझे इंतजार करवाकर थका देंगे। उन्हें लगा कि मेरे सामने मिडटर्म चुनाव हैं, लेकिन मुझे इसकी परवाह नहीं है।

ईरान अब सिर्फ समझौता करना चाहता है।' स्पेन ने दक्षिणी लेबनान में इजराइल की लगातार बमबारी पर कड़ी नाराजगी जताई है। स्पेन के विदेश मंत्री होसे मैनुअल अल्बारेस ने कहा कि जैसे इसराइल को शांति और सुरक्षा के साथ अपना देश रखने का अधिकार है, वैसे ही फिलिस्तीनी और लेबनानी लोगों को भी वही अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसराइल को समझना होगा कि दूसरे देशों और लोगों को भी शांति और सुरक्षा के साथ रहने का उतना ही अधिकार है। (अनंत ज्ञान)

TJCM Govt. College Sujanpur Tira, Distt. Hamirpur H.P.-176110
Phone No : 01972-272440. E-mail : gcsujanpurhp@gmail.com

Admission Notice 2026-27

Online admission to the BBA/ BCA 1st semester (self-financing courses) and BA/BSc/B.Com 1st year courses for academic session 2026-27 will commence from 1st June, 2026 to 19th June, 2026. The 1st Merit List will be displayed in the college notice board 20th June, 2026. Candidates can visit the website : **www.gcsujanpur.ac.in**

Name of Course	Eligibility	Date for submission of application form	No. of Seats
BBA	10+2 exam passed with 50% marks & for SC/ST 45%)	01-06-2026 to 19-06-2026	Subsidized = 45 Non-Subsidized = 15
BCA	10+2 exam passed with 50% marks & for SC/ST 45%)	01-06-2026 to 19-06-2026	Subsidized = 45 Non-Subsidized = 15

Students seeking admission in BA/BSc/B.Com 1st Year are advised to visit the college website for eligibility, no. of seats, mode of admission, important dates etc. whereas students seeking admission in BA/BSc/BCom 2nd Year & 3rd Year must apply for roll on admission from 1st June to 19th June, 2026 on the online admission portal by visiting the college website.

Online Registration Portal Link: admission.gcsujanpur.ac.in

Principal/Director (HEIS)

बुजुर्गों ने बढ़ाया उत्साह

102 वर्षीय रामकी देवी ने लझेरी पंचायत के डीम बूथ में किया मतदान। अनंत ज्ञान

भूमतीर की 96 साल की चंपाकली ने किया वोट। उम्र के इस पड़ाव पर पहुंच के भी उन्होंने अपने कर्तव्य को नहीं छोड़ा। अनंत ज्ञान

लाहौल-स्पीति के हिक्किम वार्ड में 86 वर्षीय मतदाता यंगचेन ने वोटा डाला।

लाहौल ब्लॉक में पहली बार मतदान करने के बाद खुश युवती

लगवैली की ब्राह्मण पंचायत के भुट्ठी गांव की परसी देवी (100 साल) मतदान करने जाती हुई। अनंत ज्ञान

लाहौल घाटी में मतदान करने के बाद वापसी करती हुई महिलाएं।

पंचायत चुनाव : मतदाताओं में दिखा भारी उत्साह

दूसरा चरण के तहत लाहौल ब्लॉक में हुआ 68.53 फीसदी मतदान, कुरछेड वार्ड में नहीं पड़ा एक भी वोट

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, केलांग। लाहौल ब्लॉक में पंचायत चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गए। लोकतंत्र के इस पर्व में ग्रामीण क्षेत्रों के मतदाताओं ने उत्साह के साथ भाग लिया और पूरे ब्लॉक में औसतन 68.53 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। चुनाव प्रक्रिया सुबह सात बजे शुरू हुई और दोपहर बाद तक मतदान केंद्रों में मतदाताओं की आवाजाही बनी रही ।चुनाव आंकड़ों के अनुसार पूरे ब्लॉक में पुरुष मतदाताओं की भागीदारी महिलाओं के मुकाबले अधिक रही। पुरुष मतदाताओं में 70.67 फीसदी ने मतदान किया, जबकि महिला मतदाताओं का प्रतिशत 66.40 फीसदी दर्ज किया गया। सलग्रां पंचायत में मतदान को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। पंचायत के धार सलग्रां वार्ड में सबसे अधिक 88.61 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। थान वाणी वार्ड में 76.27 फीसदी, सलग्रां वार्ड में 78.79 फीसदी तथा गरबुत सलग्रां वार्ड में 84.09 फीसदी मतदान हुआ। वहीं कुरछेड वार्ड में किसी भी मतदाता ने वोट नहीं डाला और यहां मतदान प्रतिशत शून्य रहा। चिमरेट पंचायत में घारी वार्ड में 65.96 फीसदी, शाकोली वार्ड में 70.73 फीसदी, चिमरेट वार्ड में 63.72 फीसदी, तामलू वार्ड में 74.23 फीसदी और करपत वार्ड में 65.91 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। उदयपुर पंचायत के विभिन्न वार्डों में भी मतदान अच्छा रहा। उदयपुर-एक वार्ड में 75 फीसदी, उदयपुर-दो में 68.18 फीसदी, उदयपुर-तीन में 71.25 फीसदी, सलपट वार्ड में 82.52 फीसदी और उदयपुर-चार वार्ड में 73.61 फीसदी मतदान हुआ।

थिरोट पंचायत में सिंधवाड़ी-एक वार्ड में 81.98 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। सिंधवाड़ी-दो में 69.23 फीसदी, थिरोट वार्ड में 70.75 फीसदी, झोलिंग-एक में 76.92 फीसदी तथा झोलिंग-दो वार्ड में 72 फीसदी मतदान रहा। जुंडा पंचायत में यांगथांग वार्ड में 77.14 फीसदी मतदान हुआ। लोमाच वार्ड में 77.38 फीसदी, तलजोन में 61.70 फीसदी, जुंडा-एक में 85.33 फीसदी तथा जुंडा-दो वार्ड में 65.43 फीसदी मतदान दर्ज किया गया ।जोबरंग पंचायत के जोबरंग-एक वार्ड में 62.34 फीसदी मतदान हुआ। जोबरंग-दो में 68.35 फीसदी, रापे वार्ड में 76.15 फीसदी, राशेल में 75 फीसदी तथा लिंगर वार्ड में 80 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। वारपा पंचायत में लप्शक वार्ड में 60.12 फीसदी मतदान हुआ। रांग्बे वार्ड में 57.27 फीसदी, तोजिंग में 62.71 फीसदी, लोट-1 में 70.51 फीसदी तथा लोट-2 वार्ड में 67.12 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। कोलोंग पंचायत में कोलोंग वार्ड में 62.91 फीसदी मतदान हुआ। खंगसर वार्ड में 62.82 फीसदी, मेह में 54.72 फीसदी, गेमूर में 55.70 फीसदी तथा तिंन्हो वार्ड में 50 फीसदी मतदान दर्ज किया गया।

सिस्सू पंचायत में रोपसंग वार्ड में 62.03 फीसदी मतदान हुआ। गोम्पाथांग में 66.67 फीसदी, शाशिन में 76.92 फीसदी, जगदंग में 69.67 फीसदी तथा शुर्टग वार्ड में 63.87 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। युरनाथ पंचायत में युरनाथ वार्ड में 70 फीसदी मतदान हुआ। गुमरंग वार्ड में 74.67 फीसदी, गुमलिंग में 74.39 फीसदी, स्टिंगरी में 69.57 फीसदी तथा क्वारिंग वार्ड में 62.50 फीसदी मतदान दर्ज किया गया।

गौशाल-1 वार्ड में 72 फीसदी मतदान दर्ज

गौशाल पंचायत में गौशाल-1 वार्ड में 72 फीसदी मतदान हुआ। गौशाल-2 में 62.79 फीसदी, गौशाल-तीन में 70.45 फीसदी, गौशाल-4 में 81.08 फीसदी तथा गौशाल-5 वार्ड में 68.85 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। गोंधला पंचायत में थोरंग वार्ड में 75.50 फीसदी मतदान हुआ। गोंधला वार्ड में 70.65 फीसदी, यांगला में 67.02 फीसदी, फुकतल में 59.76 फीसदी तथा खिनांग वार्ड में 64.17 फीसदी मतदान दर्ज किया गया।

तीसरे चरण में काजा की दो पंचायतों के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना

अनंत ज्ञान ब्यूरो, काजा। स्पीति के काजा विकास खंड के तहत तीसरे एवं अंतिम चरण में दो पंचायतों लालुंग और लोसर में 30 मई, 2026 को होने वाले मतदान के लिए आज वीरवार को 10 पोलिंग पार्टियों को चुनाव सामग्री सहित इन पंचायतों में चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करवाने के लिए संबंधित मतदान केंद्रों के लिए स्वाना किया गया। यह जानकारी निर्वाचन अधिकारी एवं खंड विकास अधिकारी काजा अंशुल शांडिल ने दी। उन्होंने सभी पात्र मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में आकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की।

गंभीर बीमार होने के बावजूद लोकतंत्र के उत्सव में शामिल हुईं अनीता कुमारी

पति सुरेंद्र कुमार ने व्हीलचेयर पर पोलिंग बूथ पर पहुंचाया, कांपते हाथों से स्वंय डाला वोट। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान, जितेंद्र गुप्ता आनी। कहते हैं कि अगर हौसला बुलंद हो, तो इंसान बड़ी से बड़ी चुनौती को भी मात दे सकता है। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है आनी के ग्राम पंचायत डिंगीधार के गंच्छवा गांव की रहने वाली अनीता कुमारी ने। पैरालिसिस (लकवे) के गंभीर अटैक के कारण महीनों मौत से जूझने के बाद, अनीता ने आज पंचायत चुनावों में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। समाजिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक और संवेदनशील रही अनीता का यह जज्बा आज पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है।इसी साल जनवरी के महीने में अनीता कुमारी को पैरालिसिस का एक मेजर अटैक आया था। झटका इतना गंभीर था कि वह पूरी तरह बेसुध हो गईं। जनवरी से लेकर अप्रैल माह तक अनीता पूरी तरह अचेत (कोमा जैसी) अवस्था में रहीं। लगभग तीन-चार महीनों तक वह अस्पताल के बिस्तर पर जिंदगी और मौत के बीच झूलती रहीं। परिवार के लिए यह समय किसी बुरे सपने जैसा था। अप्रैल के बाद अनीता के स्वास्थ्य में सुधार आया और आज उन्होंने मतदान कर लोगों को लोकतंत्र के प्रति अपना कर्तव्य निभाने का संदेश दिया है। अनीता अभी भी पूरी तरह स्वस्थ नहीं हैं और चलने-फिरने में असमर्थ हैं। लेकिन जब पंचायत चुनावों का दिन आया, तो उन्होंने बीमार होने के बावजूद मतदान करने की इच्छा जताई।

पर्यटकों के लिए खुली 'मून लेक', अब कर सकेंगे चंद्रताल झील का दीदार

लाहौल-स्पीति जिला प्रशासन और सीमा सड़क संगठन ने कड़ी मशक्कत के बाद चंद्रताल जाने वाले मार्ग को सभी वाहनों के लिए किया बहाल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, केलांग/काजा। हिमालय की गोद में बसी और अपनी अलौकिक सुंदरता के लिए दुनिया भर में मशहूर चंद्रताल झील एक बार फिर पर्यटकों के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार है। लाहौल-स्पीति जिला प्रशासन और सीमा सड़क संगठन ने कड़ी मशक्कत के बाद चंद्रताल जाने वाले मार्ग को सभी प्रकार के वाहनों के लिए बहाल कर दिया है। मार्ग खुलते ही देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों का 'मून लेक' के नाम से प्रसिद्ध इस अद्भुत झील की खूबसूरती को निहारने का इंतजार खत्म हो गया है। समुद्र तल से लगभग 4,300 मीटर (करीब 14,100 फीट) की ऊंचाई पर स्थित चंद्रताल झील हिमाचल प्रदेश के सबसे आकर्षक और प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है।

इस झील का नाम 'चंद्रताल' इसकी खास अर्धचंद्राकार (आधे चांद जैसी) आकृति के कारण पड़ा है। नीले आसमान और बर्फ की सफेद चादर ओढ़े पहाड़ों के बीच स्थित यह झील दूर से देखने पर किसी विशाल चांदी के दर्पण (शीशे) की तरह चमकती हुई दिखाई देती है, जो यहां आने वाले हर सैलानी को मंत्रमुग्ध कर देती है ।करीब 2.5 किलोमीटर के दायरे में फैली इस झील को दुनिया की सबसे साफ और स्वच्छ झीलों में गिना जाता है। इसका पानी इतना पारदर्शी और निर्मल है कि इसमें आसपास की ऊंची पहाड़ियों और तैरते बादलों का प्रतिबिंब किसी तस्वीर की तरह साफ दिखाई देता है। इस झील की सबसे बड़ी खासियत यह है कि मौसम और सूर्य की रोशनी के बदलते मिजाज के साथ इसका पानी नीले, हरे और फिरोजी रंगों में बदलता रहता है, जो इसकी खूबसूरती में चार चांद लगा देता है।

मून लेक के नाम से प्रसिद्ध चंद्रताल झील। (फाइल फोटो) अनंत ज्ञान

महाभारत काल से जुड़ा है इतिहास: चंद्रताल झील का सिर्फ प्राकृतिक ही नहीं, बल्कि गहरा धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व भी है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, महाभारत काल में यही वह पवित्र स्थान था जहां स्वयं देवराज इंद्र का रथ युधिष्ठिर को सशरीर स्वर्ग ले जाने के लिए उतरा था। धार्मिक आस्था के कारण स्थानीय लोग इस झील को बेहद पवित्र मानते हैं व इसकी शुद्धता का विशेष ध्यान रखते हैं।

जून से अक्तूबर तक ही मिलता है यात्रा का मौका

यह खूबसूरत झील कुंजुम दर्रा और बटाल के बीच स्थित है, जहां बातल से लगभग 16 किलोमीटर की एक संपर्क सड़क के जरिए पहुंचा जा सकता है। अत्यधिक ऊंचाई पर होने के कारण सर्दियों में यहां भारी बर्फबारी होती है, जिससे यह क्षेत्र पूरी दुनिया से कट जाता है। यही वजह है कि यहां केवल जून से अक्टूबर के बीच ही आवाजाही संभव हो पाती है। अब रास्ता खुलने से पर्यटन व्यवसाय से जुड़े स्थानीय लोगों के चेहरों पर भी रौनक लौट आई है।

अंतरराष्ट्रीय महत्व की 'रामसर साइट'

चंद्रताल केवल सैलानियों के लिए ही नहीं, बल्कि पर्यावरण प्रेमियों के लिए भी बेहद खास है। लगभग 50 वर्ग किलोमीटर में फैला यह क्षेत्र चंद्रताल वन्यजीव अभयारण्य के अंतर्गत आता है। अपनी अनूठी पारिस्थितिकी के कारण इसे अंतरराष्ट्रीय महत्व की 'रामसर साइट' का दर्जा भी प्राप्त है। यहां दुर्लभ हिमालयी वनस्पतियों के साथ-साथ कई संकटग्रस्त और दुर्लभ जीव-जंतु भी पाए जाते हैं।

एडवेंचर, कैंपिंग और एस्ट्रो-फोटोग्राफी का गढ़

गर्मियों की शुरुआत होते ही चंद्रताल का शांत इलाका साहसिक पर्यटन का बड़ा केंद्र बन जाता है। यहां ट्रैकिंग, कैंपिंग और फोटोग्राफी के शौकीन बड़ी संख्या में डेरा डालते हैं। खासकर, रात के समय प्रदूषण मुक्त साफ आसमान में दिखने वाले करोड़ों तारों का नजारा और झील के किनारे की रहस्यमयी शांति पर्यटकों को जीवन भर न भूलने वाला एक जादुई अनुभव प्रदान करती है। यदि आप भी इस गर्मियों में प्रकृति के किसी स्वप्नलोक को जीना चाहते हैं, तो चंद्रताल की वादियां आपका स्वागत करने के लिए तैयार हैं।

तेरा रामजी करेंगे बेड़ा पार, उदासी मन काहे को करे : साध्वी मीनू भारती

संध्या फेरी में भाग लेते गणमान्य लोग। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। आगामी 30 मई से रथ ग्राउंड, ढालपुर, कुल्लू में होने जा रही भव्य श्रीरामकथा के उपलक्ष्य में तीसरी संध्या फेरी की शुरुआत राधा कृष्ण मंदिर भुंतर से हुई, जिसका शुभारंभ महंत स्वामी राम शरण दास जी ने पूजन कर किया।

आशुतोष महाराज जी की शिष्या साध्वी गार्गी भारती ने अपने विचारों में कहा कि 'हृदय मंदिर में राम विराजे ,कहां ढूंढते उनको, अंतर के तुम पट खुलवालो ,वहीं मिलेंगे तुमको। श्री राम का नाम कल्याण करने वाला है। प्रभु का नाम ही हमारे अंत:हृदय में प्रकट होकर हमारे मन के राग और द्वेष मिटाने में सक्षम है, इसलिए हम प्रभु के बताए मार्ग पर चल कर और उनसे प्रेरणा लेकर अपने जीवन को कृतार्थ करें। साध्वी जी ने बताया कि दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के संस्थापक एवं संचालक आशुतोष महाराज जी की शिष्या कथा व्यास साध्वी सुश्री गरिमा भारती राम कथा का वाचन करेंगी द्य इस अवसर पर विशेष रूप से साध्वी विष्णु अर्चना भारती,साध्वी सोनिया भारती,साध्वी गुरु गीता भारती और महंत शिव राम त्यागी उपस्थित रहे। संध्या फेरी में करमचंद ठाकुर, दविंदर ठाकुर,नरेश ठाकुर, बुद्धराम ठाकुर, रोशन लाल,अवमिंदर,हरिचरण, हरीश शर्मा,कश्मीर सिंह,खेमराज समेत अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। संध्या फेरी का समापन भगवान शिव मन्दिर,भुंतर बाजार में हुआ ।विश्राम में प्रभु की पावन आरती कर सभी को प्रसाद वितरित किया गया।

कर्म से बदलें भाग्य की लकीर : सुधांशु

साधना शिविर के दौरान साधकों को योग बारे जागरुक करते हुए सुधांशु जी महाराज। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। विश्व जागृति मिशन के आचार्य सुधांशु जी महाराज ने कहा है कि किस्मत के भरोसे बैठना एक कायरता है। यह बात उन्होंने वीरवार को कुल्लू जिला के घुड़दौड़ में आयोजित हो रहे साधना शिविर के दौरान साधकों को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि अपनी मेहनत से सफलता के नई राह तलाशें। हाथ की लकीरें मार्ग दिखा सकती है लेकिन उन मार्गों पर चलकर मंजिल तक पहुंचना हमारे कर्मों के हाथ में है। जब आप लगातार और सही दिशा में प्रयास करते हैं तब विधाता को भी आपकी किस्मत की लकीरें को बदलनी पड़ती है। भाग्य का निर्माण किसी चमत्कार से नहीं, बल्कि आपके पसीने की हर एक बूंद और रोज़ की मेहनत से होता है। उन्होंने कहा कि बहाने बनाना बंद करें और अपने कर्म से किस्मत को जगाएं। मुश्किलें चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हो अगर आपके इरादे मजबूत हैं तो हर बंद रास्ता खुल जाता है। सुधांशु महाराज ने आगे कहा कि अपना स्वर्ग स्वयं निर्मित करें और भविष्य में कैसा जन्म पाना चाहते हैं, उसको भी विचार करके जीवन जिएं। हर क्षण को आनन्द में जीना तथा अपनी हिम्मत, साहस, शक्ति को कायम बनाएं रखें। अपने साथ जैसा व्यवहार करते हैं उसी प्रकार दूसरों के साथ भी करें और मुस्कराहट बनाएं रखें।

ध्यान एवं योग गुरु डॉ अर्चिका दीदी जी ने कहा कि जीवन में जब तक सन्तुलन नहीं होगा तब तक जीवन में उन्नति नहीं होगी इसलिए उन्होंने इसके लिए आध्यात्मिक मार्ग में चलने को कहा।

आनी ब्लॉक में दूसरे चरण में 84.77 फीसदी रहा मतदान

अनंत ज्ञान

आनी। विकास खंड आनी में वीरवार को द्वितीय चरण में आनी खंड की 13 पंचायतों फनौटी, बिश्लाधार, लझेरी,पोखरी, बिनन, कराना-1, खनी, कमांद, बुछैर, डिंगीधार, जावन, ब्यूंगल तथा पलेही के सभी 71 वार्डों में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न हुआ। दूसरे चरण में भी मतदाताओं में भारी उत्साह देखा गया। प्रथम चरण में कुल 82 % मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था।

दूसरे चरण में कुल 15728 मतदाताओं में से 84.77% प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले। ग्राम पंचायत डिंगीधार के गंछवा गांव की अनीता देवी ने पैरालिसिस के बावजूद व्हील चेयर पर मतदान केंद्र में पहुंचकर वोटर धर्म निभाया। पूरे खंड में नए वोटरों में विशेष उत्साह देखा गया सर्वाधिक मतदान प्रतिशत ग्राम पंचायत पोखरी में 89.58 % दर्ज किया गया, जबकि जावन पंचायत में 80.71% प्रतिशत सबसे कम रहा। मतदान के दौरान निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम आनी लक्ष्मण कनेट ने सुचारु एवं निष्पक्ष निर्वाचन के लिए पंचायत जावन , ब्यूंगल , डिंगीधार तथा प्लेही में 7 मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। सेक्टर मजिस्ट्रेट तहसीलदार आनी रत्नेश्वर शर्मा ने ग्राम पंचायत खनी, लझेरी , कमांद, बुछेर तथा बीडीओ आनी विवेक टेसू ने पोखरी ,बिश्लाधार , बिनन आदि के विभिन्न मतदान केंद्रों पर व्यक्तिगत रूप से निर्वाचन प्रक्रिया का निरीक्षण किया।

मतदान के पश्चात ग्राम पंचायत के प्रधान , उपप्रधान तथा वार्ड सदस्य की मतगणना ग्राम पंचायत के निर्धारित स्थल पर की जाएगी जिसका परिणाम देर शाम तक घोषित किया जायेगा जबकि पंचायत समिति तथा जिला परिषद सदस्य की मतगणना 31 मई को राजकीय महाविद्यालय आनी (हरिपुर) में होगी।

केलांग में विश्व पर्यावरण दिवस पर करवाई जाएंगी कई प्रतियोगिताएं

अनंत ज्ञान

ब्यूरो केलांग। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर 5 जून को केलांग में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की व्यापक तैयारियों के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त किरण भड़ाना ने की। बैठक में कार्यक्रम को भव्य, सुव्यवस्थित और प्रभावशाली बनाने के लिए चर्चा हुई और आयोजन स्थलों, जिम्मेदारियों तथा विभिन्न समितियों के गठन को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि क्रिकेट, वॉलीबाल, कबड्डी सहित अन्य आउटडोर खेल प्रतियोगिताएं पुलिस ग्राउंड, केलांग में आयोजित की जाएंगी, जबकि बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज और क्रोशे जैसी इंडोर प्रतियोगिताएं ओल्ड सर्किट हाउस, केलांग में कराई जाएंगी। पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, वन संरक्षण और नशा निवारण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चित्रकला और निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें स्थानीय विद्यार्थियों, युवाओं और स्कूली बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा जनजागरूकता और विभागीय योजनाओं से संबंधित स्टॉल भी लगाए जाएंगे। बैठक में बच्चों और युवाओं के लिए चिकित्सा, इंजीनियरिंग, प्रशासनिक सेवाओं, आईटी एवं अन्य पेशेवर क्षेत्रों में करियर मार्गदर्शन कार्यशालाओं के आयोजन का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त अग्निशमन विभाग, होमगार्ड और एसडीआरएफ द्वारा प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़, भूस्खलन, भूकंप एवं अन्य आपात स्थितियों में बचाव और राहत कार्यों को लेकर मॉक ड्रिल और लाइव प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। डीसी ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्त समाज और आपदा प्रबंधन का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है। बैठक में एसडीएम केलांग कुनिका एकर्स, वनमंडलाधिकारी इंद्रजीत सीरा, बीडीओ विवेक गुलेरिया, तहसीलदार विकास कुमार और जिले के सभी विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

डीसी लाहौल स्पीति अधिकारियों से चर्चा करते हुए। अनंत ज्ञान

पच्छाद की बनाह धीन्नी पंचायत में प्रधान पद का हाई-वोल्टेज ड्रामा, उप-प्रधान बने राजेश कुमार

अनंत ज्ञान

सराहा। पंचायतीराज चुनाव के पहले चरण में हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिला के विकास खंड पच्छाद की बनाह धीन्नी पंचायत का प्रधान पद का चुनाव चर्चा का विषय बन गया। यहां इलाके के जाने-माने कारोबारी व समाज सेवक विजय शर्मा ने भाजपा मंडल पछाद के अध्यक्ष अनूप शर्मा को सीधे मुकाबले में 138 मतों की बड़ी बढ़त प्राप्त कर जीत हासिल की। मतपेटी अदलाबदली से रुकी थी गिनती:गौरतलब है कि मंगलवार को मतपेटियों की अदलाबदली का मामला सामने आने के बाद यहां वोटों की गिनती रोक दी गई थी। पूरे दिन चली चर्चाओं और हंगामे के बाद बुधवार को चुनाव अधिकारियों की देखरेख में गलती सुधार कर प्रक्रिया फिर शुरू हुई।

सायं करीब 6:30 बजे पहले उप-प्रधान पद की गिनती हुई जिसमें *राजेश कुमार* विजयी रहे। इसके तुरंत बाद प्रधान पद के लिए विजय शर्मा को विजेता किया गया। विजय शर्मा की इस जीत ने पूरे क्षेत्र में राजनीतिक हलचल तेज कर दी है।

बनाह धीन्नी पंचायत के विजयी प्रत्याशी। अनंत ज्ञान

पंचायत चुनाव में आमतौर पर स्थानीय मुद्दे और व्यक्तिगत छवि अहम भूमिका निभाते हैं, लेकिन इस मुकाबले को इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि इसमें भाजपा संगठन से जुड़े प्रभावशाली नेता अनूप शर्मा को सीधी चुनौती मिली। चुनाव परिणाम आने के बाद विजय शर्मा के समर्थकों में भारी उत्साह देखने को मिला। पंचायत क्षेत्र में जगह-जगह समर्थकों ने मिठाइयां बांटी और ढोल-नगाड़ों के साथ जीत का जश्न मनाया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि विजय शर्मा लंबे समय से क्षेत्र में सामाजिक कार्यों से जुड़े रहे हैं। जरूरतमंद परिवारों की सहायता, युवाओं के लिए खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने और पंचायत स्तर पर विकास कार्यों में उनकी सक्रियता का लाभ उन्हें चुनाव में मिला। वहीं दूसरी ओर भाजपा समर्थित उम्मीदवार की हार को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

तपती धूप में कई किलोमीटर पैदल चलने को मजबूर हुए चुनाव कर्मचारी

चुनाव कर्मियों की कठिन परीक्षा, चिलचिलाती धूप में कई किलोमीटर पैदल चलकर पहुंचे मतदान केंद्र

अनंत ज्ञान

नाहन। जिला सिरमौर के दुर्गम क्षेत्रों में पंचायती राज चुनाव के दूसरे चरण के मतदान को सफल बनाने के लिए चुनाव कर्मियों का संघर्ष इस बार चर्चा का विषय बन गया है। पहाड़ों की कठिन चढ़ाई, तपती धूप और कंधों पर भारी चुनावी सामग्री उठाए कर्मचारी लोकतंत्र के महापर्व को सफल बनाने के लिए जोखिम भरे रास्तों पर पैदल चलते नजर आए।कई तस्वीरों में कर्मचारी सिर पर ईवीएम और चुनाव सामग्री, कंधों पर बैग और हाथों में जरूरी सामान लेकर ऊंचे पहाड़ी रास्तों से गुजरते दिखाई दिए।

तपती धूप में चुनावी सामग्री उठाकर पोलिंग बूथ जाते हुए। अनंत ज्ञान

कई किलोमीटर पैदल सफर के दौरान कर्मचारियों को भीषण गर्मी, थकावट और दुर्गम रास्तों का सामना करना पड़ा। लेकिन इसके बावजूद ड्यूटी पर तैनात कर्मियों के कदम नहीं रुके। इसी बीच चुनावी व्यवस्थाओं को लेकर भी कई सवाल उठने लगे हैं। बताया जा रहा है कि कई पोलिंग पार्टियों को ठहरने के लिए उचित व्यवस्था नहीं मिल पाई। खाने-पीने और बुनियादी सुविधाओं को लेकर भी कर्मचारियों के बीच नाराजगी की चर्चाएं सुनने को मिलीं।चुनावी भत्ते को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि पहाड़ों की कठिन परिस्थितियों और जान जोखिम में डालकर निभाई जा रही ड्यूटी के मुकाबले मिलने वाला भत्ता बेहद कम है।

वहीं वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्यवस्थाओं को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। सवाल उठ रहे हैं कि क्या चुनाव आयोग की व्यवस्थाएं वास्तव में जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंच पा रही हैं या फिर कई दावे सिर्फ कागजों तक ही सीमित रह जाते हैं।हालांकि चुनावी ड्यूटी में तैनात कर्मचारी बिना किसी शोर-शराबे के अपने कर्तव्य का निर्वहन करते नजर आए। लेकिन पहाड़ों से सामने आई ये तस्वीरें एक बड़ा सवाल जरूर छोड़ रही हैं कि आखिर हर चुनाव में लोकतंत्र का सबसे भारी बोझ उन्हीं कंधों पर क्यों दिखाई देता है, जो बिना शिकायत अपनी जिम्मेदारी निभाते रहते हैं।

कई कर्मचारियों ने मांग उठाई कि भविष्य में दुर्गम इलाकों में चुनाव ड्यूटी के लिए विशेष भत्ता और बेहतर सुविधाएं दी जाएं।

न्यूज ब्रीफ

भाजपा ने विधायक पर लगाया आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप

नाहन। नाहन के कांग्रेसी विधायक अजय सोलंकी पर पंचायती राज चुनाव के लिए ग्राम सेन की सैर में आचार संहिता का उल्लंघन करके एक पब्लिक मिटिंग आयोजित करने का आरोप लगाया है। पार्टी के लीगल सेल ने रिटर्निंग ऑफिसर एंव एसडीएम नाहन को लिखित शिकायत दी है।

भाजपा ने पत्र में कहा कि 28 मई को दूसरे चरण के लिए होने वाले मतदान के लिए चुनावी प्रचार 26 मई को सांय 5 बजे बन्द हो गया था। मगर कांग्रेस के विधायक अजय सोलंकी ने 27 मई को इस पंचायत में एक जन सभा करके आचार संहिता का खुला उल्लंघन किया है । शिकायत में विधायक के खिलाफ आचार संहिता की उल्लंघना को लेकर एक्शन लिया जाए।

जिला निर्वाचन अधिकारी एंव डीसी सिरमौर प्रियंका वर्मा ने भाजपा की विधायक के खिलाफ आचार संहिता के उल्लंघन को शिकायत मिलने की पुष्टि की है। डीसी ने बताया कि मामले में जांच नोडल अधिकारी एंव एडीसी सिरमौर को सौंप दी गई है। विधायक द्वारा आचार संहिता का उल्लंघन हुआ है या नही यह जांच रिपोर्ट आने के बाद एक्शन लिया जाएगा।इस मामले के सामने आने के बाद पंचायत चुनाव के दौरान राजनीतिक माहौल और गर्मा गया है। भाजपा लीगल सेल की ओर से दी गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद जनसभा आयोजित करना निर्वाचन आयोग के नियमों का सीधा उल्लंघन है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि इससे चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता प्रभावित हो सकती है।

वहीं कांग्रेस समर्थकों का कहना है कि विधायक अजय सोलंकी क्षेत्र के दौरे पर थे और इसे राजनीतिक रंग दिया जा रहा है। हालांकि प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। प्रियंका वर्मा ने स्पष्ट किया कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। अब सभी की नजरें एडीसी सिरमौर की जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं, जिससे यह तय होगा कि आचार संहिता का उल्लंघन हुआ है या नहीं।

जिला परिषद व पंचायत समिति सदस्य की मतगणना के संबंध में पूर्वाभ्यास आयोजित

सोलन। पंचायती राज निर्वाचन-2026 के अंतर्गत आज यहां सोलन विकास खण्ड के जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों की मतगणना को सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न करवाने के उद्देश्य से मतगणना पूर्वाभ्यास का आयोजन किया गया।

पूर्वाभ्यास की अध्यक्षता निर्वाचन अधिकारी एवं उपमण्डलाधिकारी सोलन डॉ. पूनम बंसल ने की। डॉ. पूनम बंसल ने मतगणना के लिए नियुक्त सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मतगणना प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पंचायती राज निर्वाचन में मतगणना बैलेट पेपर के माध्यम से की जानी है, इसलिए प्रत्येक कर्मचारी को पूरी सावधानी, निष्पक्षता एवं जिम्मेदारी के साथ अपना कार्य करना होगा ताकि वास्तविक मतगणना के समय किसी प्रकार की त्रुटि न रहे।

इस अवसर पर खण्ड विकास अधिकारी सोलन मंजुला कंवर, तहसीलदार सोलन राजीव रांटा सहित 119 अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रधान माया देवी तथा उप-प्रधान सुनिल कुमार व पराड़ा में प्रधान नितेश कुमारी तथा उप-प्रधान मनोज पंवार को निर्वाचित घोषित किया गया। उन्होंने बताया कि मतगणना प्रक्रिया के दौरान सभी नियमों का सख्ती से पालन किया जाएगा।

प्रथम चरण के चुनावों में विभिन्न पंचायतों में प्रधान और उप-प्रधान विजयी हुए

नाहन। जिला सिरमौर में पंचायती राज संस्थाओं के 26 मई को प्रथम चरण में हुए मतदान व मतों की गणना के उपरांत चुनावों का परिणाम घोषित कर दिया गया। विकास खंड नाहन जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त सिरमौर प्रियंका वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया विकास खंड नाहन की 10 ग्राम पंचायतें जिसमें ग्राम पंचायत नेहली धीड़ा में प्रधान पद के लिए सुनीता देवी तथा उप-प्रधान विरेंद्र सिंह, रामाधौण में प्रधान सीमा देवी तथा उप-प्रधान यशपाल, धगेड़ा में प्रधान नरेंद्र कुमार तथा उप-प्रधान रघुवीर सिंह, नलका में प्रधान विद्या सागर तथा उप-प्रधान हरी सिंह, विक्रमबाग में प्रधान अशोक कुमार तथा उप-प्रधान रामचरण, कालाअंब में प्रधान यशपाल तथा उप-प्रधान अशोक कुमार, त्रिलोकपुर में प्रधान सुरेंद्र कुमार तथा उप-प्रधान विक्रम सिंह, पालियों में प्रधान जगो देवी तथा उप-प्रधान नवीन कुमार, चाकली में प्रधान संजय कुमार तथा उप-प्रधान कौशल शर्मा व नाहन-2 में प्रधान पद पर रामनिवास तथा उप-प्रधान सुनील को निर्वाचित घोषित किया गया।

सोलन में पंचायत चुनाव के प्रथम चरण का परिणाम घोषित

सोलन। विकास खंड सोलन में पंचायत चुनाव के प्रथम चरण के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं, जिससे क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। मतगणना प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से पूरी की गई और संबंधित अधिकारियों की निगरानी में परिणाम जारी किए गए। विभिन्न पंचायतों में विजयी उम्मीदवारों के समर्थकों ने जीत का जश्न मनाया, जबकि पराजित उम्मीदवारों ने परिणामों को स्वीकार किया।

चुनाव प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही और मतदान से लेकर मतगणना तक सभी चरणों को पारदर्शिता के साथ संपन्न किया गया। परिणामों के बाद अब नए प्रतिनिधियों के सामने विकास कार्यों को गति देने की बड़ी जिम्मेदारी होगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं और योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

विकास खंड सोलन में पंचायत चुनाव के प्रथम चरण के परिणाम घोषित होने के बाद पूरे क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी और बढ़ गई है। कई पंचायतों में नए चेहरे उभरकर सामने आए हैं, जबकि कुछ स्थानों पर अनुभवी प्रतिनिधियों ने अपनी सीटें बरकरार रखी हैं। मतगणना के दौरान प्रशासन द्वारा पूरी पारदर्शिता और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई, जिससे प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। परिणाम घोषित होने के बाद विजयी प्रत्याशियों के समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों के साथ उत्सव मनाया और मिठाइयां बांटी। वहीं, पराजित उम्मीदवारों ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया को स्वीकार करते हुए जनता का आभार व्यक्त किया।

श्याम लाल बने बागा पंचायत के प्रधान

अर्की। सोलन जिला में पंचायती राज संस्थाओं के प्रथम चरण के निर्वाचन के परिणाम घोषित हो गए हैं। यह जानकारी आज यहां ज़िला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने दी। मनमोहन शर्मा ने कहा कि विकास खण्ड कुनिहार की ग्राम पंचायत बागा (करोग) के प्रधान पद के लिए श्याम लाल 39 मतों से तथा उप प्रधान पद के लिए राम पाल 90 मतों से विजयी घोषित किए गए। ग्राम पंचायत बेरल के प्रधान पद के लिए जोगिन्दर सिंह 86 मतों से तथा उप प्रधान पद के लिए जगदीश 33 मतों से विजयी घोषित किए गए।

ग्राम पंचायत हनुमान बड़ोग के लिए कांता देवी 53 मतों से प्रधान पद के लिए तथा नरेश कुमार 80 मतों से उप प्रधान पद के लिए विजयी घोषित किए गए। ग्राम पंचायत बसन्तपुर के प्रधान पद के लिए 524 मतों से दीपिका कुमारी तथा उप प्रधान पद के लिए 162 मतों से धनी राम विजयी घोषित किए गए।

इंसानियत की मिसाल बने रचित साहनी: आग से झुलसे बच्चे और गरीब महिला की मदद को हाथ बढ़ाया

अनंत ज्ञान

सोलन। सोलन के शिल्ली रोड पर कुछ दिन पहले हुए अग्निकांड ने एक गरीब परिवार को झकझोर कर रख दिया। अस्थायी कमरे में अचानक लगी भीषण आग में परिवार का सारा सामान जलकर राख हो गया, वहीं कमरे में मौजूद एक मासूम बच्चा गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद से बच्चे का इलाज क्षेत्रीय अस्पताल सोलन में चल रहा है, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर होने के कारण इलाज और रोजमर्रा के खर्च का बोझ उठाना मुश्किल हो गया है।

इस कठिन समय में शहर के कई समाजसेवी और स्थानीय लोग पीड़ित परिवार की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। इसी कड़ी में सोलन के व्यवसायी रचित साहनी ने मानवता का परिचय देते हुए पीड़ित महिला को 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की।

रचित साहनी ने कहा कि एक गरीब

मानवता की मिसाल बने रचित साहनी। अनंत ज्ञान

मां अपने झुलसे हुए बच्चे को बचाने के लिए अस्पतालों के चक्कर काट रही है और ऐसे समय में समाज के हर सक्षम व्यक्ति का आगे आना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद की मदद करना ही सच्ची इंसानियत है।

उन्होंने शहरवासियों से भी अपील की कि पीड़ित परिवार की सहायता के लिए आगे आएं ताकि बच्चे का बेहतर इलाज हो सके और परिवार दोबारा अपने जीवन को संभाल सके। रचित साहनी की इस पहल की स्थानीय लोगों ने जमकर सराहना की है। समाज में बढ़ रहा सहयोग भाव।

जून में सिरमौर आरटीओ ने जारी किया वाहन पासिंग और ड्राइविंग टेस्ट कार्यक्रम

अनंत ज्ञान

नाहन। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सिरमौर ने जून 2026 के लिए जिले के विभिन्न क्षेत्रों में ड्राइविंग टेस्ट और वाहन पासिंग का विस्तृत शेड्यूल जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार नाहन, पांवटा साहिब, राजगढ़, शिलाई, कफोटा, संगड़ाह और सराहां में निर्धारित तिथियों पर वाहन पासिंग और ड्राइविंग टेस्ट की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।आरटीओ कार्यालय के अनुसार नाहन में वाहन पासिंग 5 जून और 24 जून को आयोजित की जाएगी, जबकि ड्राइविंग टेस्ट 6 जून और 23 जून को होंगे। पांवटा साहिब में 8 जून और 25 जून को निजी वाहनों और स्कूल बसों की पासिंग रखी गई है। वहीं 9 जून और 27 जून को केवल कमर्शियल वाहनों की पासिंग होगी। यहां ड्राइविंग टेस्ट 10 जून और 30 जून को आयोजित किए जाएंगे। विभिन्न उपमंडलों में तय तिथियों पर होंगे टेस्ट राजगढ़ में 22 जून को वाहन पासिंग और ड्राइविंग टेस्ट दोनों एक ही दिन आयोजित किए जाएंगे। शिलाई में 3 जून को दोपहर बाद टेस्ट और पासिंग की प्रक्रिया होगी, जबकि कफोटा में 3 जून को पूर्वाह्न में दोनों प्रक्रियाएं निर्धारित की गई हैं।संगड़ाह में 20 जून और सराहां में 12 जून को ड्राइविंग टेस्ट तथा वाहन पासिंग आयोजित की जाएगी। आरटीओ कार्यालय ने कहा है कि सभी आवेदकों और वाहन चालकों को निर्धारित तिथियों और समय के अनुसार संबंधित स्थानों पर पहुंचना होगा ताकि प्रक्रिया समय पर पूरी की जा सके।

एमवीआई इंजीनियर की रहेगी तैनात आरटीओ सिरमौर सोना चंदेल ने बताया कि जून माह के लिए कार्यक्रम जारी कर दिया गया है और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि वाहन पासिंग और ड्राइविंग टेस्ट के लिए सभी उपमंडलों में एमवीआई इंजीनियर विजय चौहान की तैनाती रहेगी। नियमों का पालन करने की अपील की है। समय पर प्रक्रिया पूरी होगी।

सुखना झील के पानी से 15 घंटे में बुझी कसौली के जंगलों की आग

अनंत ज्ञान

सोलन। हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल कसौली के जंगलों में लगी भीषण आग पर भारतीय सेना और वायुसेना ने संयुक्त अभियान चलाकर काफी हद तक काबू पा लिया है। करीब 15 घंटे तक चले हवाई और जमीनी अग्निशमन अभियान में चंडीगढ़ की सुखना झील का पानी इस्तेमाल किया गया। हालांकि क्षेत्र में अभी भी धुआं फैला हुआ है, लेकिन आग की लपटों पर नियंत्रण कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार 26 मई की दोपहर करीब तीन बजे कसौली के पश्चिमी ढलान स्थित गिल्बर्ट ट्रेल और अपर मॉल क्षेत्र में अचानक आग भड़क उठी। तेज हवाओं और सूखे जंगलों के कारण आग तेजी से फैलने लगी, जिसके बाद स्थानीय प्रशासन ने तुरंत सेना से सहायता मांगी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कसौली

कसौली के जंगल में लगी आग। अनंत ज्ञान

ब्रिगेड ने भारतीय वायुसेना के साथ मिलकर संयुक्त राहत एवं अग्निशमन अभियान शुरू किया। अभियान के तहत वायुसेना के हेलीकॉप्टरों ने चंडीगढ़ स्थित सुखना झील से पानी भरकर कई 'बम्बी बकेट सॉर्टीज' के जरिए आग प्रभावित क्षेत्रों में लगातार पानी की बौछारें कीं।

वहीं दूसरी ओर सेना के जवानों ने जमीन पर फायर टेंडरों और जल वाहनों की मदद से मोर्चा संभाला। दुर्गम और घने जंगल वाले इलाकों में जवानों ने फायर ब्रेक तैयार कर संवेदनशील क्षेत्रों को अलग-थलग किया, ताकि आग दोबारा न फैल सके। संयुक्त अभियान के चलते गिल्बर्ट हिल और अपर मॉल सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में आग पर नियंत्रण पाने में सफलता मिली। सेना ने आग को संवेदनशील वन क्षेत्रों और आबादी वाले इलाकों तक पहुंचने से भी रोक दिया।

इस दौरान वेस्टर्न कमांड के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह भी मौके पर पहुंचे।

सोलन में भीषण गर्मी की मार, फसलों के गिरते दाम और बढ़ती महंगाई से किसान परेशान

अनंत ज्ञान

सोलन। जिला सोलन इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। लगातार बढ़ते तापमान और मौसम के बदलते मिजाज ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। एक ओर खेतों में तैयार फसलें गर्म हवाओं और तेज धूप से प्रभावित हो रही हैं, वहीं दूसरी ओर मंडियों में फसलों के उचित दाम न मिलने से किसान आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। मौसम विभाग ने सोलन सहित कई जिलों में हीटवेव को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है।

किसानों का कहना है कि सब्जियों और अन्य नकदी फसलों के दाम लगातार गिर रहे हैं, जबकि खाद, बीज, डीजल और दवाइयों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इससे खेती की लागत बढ़ गई है और किसानों की आमदनी घटती जा रही है। हाल ही में सोलन मंडी में कई फसलों के भाव में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे किसानों में चिंता का माहौल है।

किसानों ने बताया कि मौसम की अनिश्चितता भी खेती पर भारी पड़ रही है। कभी बेमौसम बारिश तो कभी तेज गर्मी फसलों की गुणवत्ता को प्रभावित कर रही है, जिसके कारण बाजार में उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा। कई किसानों ने सरकार से राहत पैकेज, न्यूनतम समर्थन मूल्य और बिजली-पानी की बेहतर व्यवस्था की मांग उठाई है स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर जल्द राहत नहीं मिली तो आने वाले समय में खेती करना और कठिन हो जाएगा।

किसानों ने प्रशासन और सरकार से मांग की है कि महंगाई पर नियंत्रण के साथ कृषि क्षेत्र के लिए विशेष सहायता योजनाएं लागू की जाएं ताकि किसानों को राहत मिल सके।जिला सोलन में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी ने कृषि व्यवस्था पर गहरा असर डालना शुरू कर दिया है। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण खेतों में खड़ी फसलें सूखने लगी हैं, जिससे उत्पादन पर सीधा असर पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि इस समय सबसे बड़ी समस्या फसलों की सिंचाई और पानी की कमी बन गई है, क्योंकि कई क्षेत्रों में जल स्रोत भी कम होते जा रहे हैं। इसके साथ ही मंडियों में फसलों के दाम गिरने से किसानों की आर्थिक स्थिति और कमजोर हो रही है।

किसानों ने बताया कि एक तरफ उत्पादन लागत लगातार बढ़ रही है, जबकि दूसरी तरफ बाजार में उचित मूल्य नहीं मिल रहा। इससे खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। मौसम विभाग द्वारा जारी हीटवेव अलर्ट ने चिंता और बढ़ा दी है। किसानों ने सरकार से मांग की है।

एंटी चिट्टा वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए जिला सिरमौर अंडर-21 टीम का चयन

चयनित टीम को सम्मानित करते हुए विद्यालय के शिक्षक। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

राजगढ़। एंटी चिट्टा अंतर-जिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए जिला सिरमौर अंडर-21 (ब्वॉयज) टीम का चयन कर लिया गया है। इसके लिए ट्रायल्स रविवार को गुरुकुल स्कूल राजगढ़ में आयोजित किए गए। ये ट्रायल्स प्रथम एंटी चिट्टा इंटरनेशनल समर फेस्टिवल वॉलीबॉल चैम्पियनशिप शिमला 2026 के अंतर्गत रखे गए थे।

जिला वॉलीबॉल संघ के महासचिव भूपेंद्र चौहान ने बताया कि समर फेस्टिवल के दौरान एंटी चिट्टा अंतर-जिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन शिमला में किया जा रहा है। प्रतियोगिता 8 से 12 जून 2026 तक आयोजित होगी, जिसमें प्रदेश के सभी जिलों की टीमें भाग लेंगी।

ट्रायल्स के आधार पर चयनित टीम में निर्भय पुंडीर, पारस पुंडीर, अक्षत ठाकुर, अंकुश, वंशज नेगी, निशांत पंवार, वंश अत्री, आदित्य पंवार, तरुण चौहान, अमन और विनोद को शामिल किया गया है। चयनित खिलाड़ियों ने ट्रायल्स के दौरान बेहतर तकनीकी कौशल और टीमवर्क का प्रदर्शन किया।

टीम के कोच नितिन कुमार होंगे। चयन प्रक्रिया में सुभाष ठाकुर, नितिन कुमार और विकास कंवर शामिल रहे। जिला सिरमौर वॉलीबॉल संघ ने बताया कि चयनित टीम को प्रतियोगिता से पहले विशेष प्रशिक्षण शिविर में अभ्यास कराया जाएगा, ताकि खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर सकें। टीम का प्रदर्शन शानदार रहेगा।

सलोगड़ा में संदिग्ध शव मिलने से हड़कंप

सोलन। शहर के साथ सटे सलोगड़ा में एक संदिग्ध परिस्थितियों में स्थानीय युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। जहां शव मिला उसके कुछ दूरी पर दुर्घटनाग्रस्त वाहन भी मिला। सूचना मिलने पर पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार शव एक सुनसान स्थान पर पड़ा मिला। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर मौत के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो पाएगा।

हिमाचल के जगवीर सिंह रंधावा को राष्ट्रीय वॉलीबॉल टीम चयन में मिली बड़ी जिम्मेदारी

अनंत ज्ञान

राजगढ़। हिमाचल प्रदेश के लिए यह गौरव का विषय है कि नादौन, जिला हमीरपुर से संबंध रखने वाले जगवीर सिंह रंधावा को भारतीय अंडर-17 बालक एवं अंडर-18 बालिका वॉलीबॉल टीमों के चयन हेतु मुख्य चयनकर्ता की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी अगुवाई में इन दोनों राष्ट्रीय टीमों के चयन ट्रायल 28 व 29 मई को अहमदाबाद (गुजरात) में आयोजित किए जा रहे हैं।जगवीर सिंह रंधावा पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं अनुभवी कोच रह चुके हैं। वर्तमान में वे राष्ट्रीय स्तर पर चयन प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनके नेतृत्व में देशभर से आई उभरती वॉलीबॉल प्रतिभाओं की बारीकी से परख की जा रही है।इन ट्रायल्स के माध्यम से चयनित अंडर-18 बालिका टीम 1 से 7 जुलाई तक आयोजित एशियन वॉलीबॉल चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए कतर जाएगी, जबकि अंडर-17 बालक टीम 19 से 29 अगस्त तक होने वाली विश्व

वॉलीबॉल चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए थाईलैंड रवाना होगी।

इस अवसर पर जिला सिरमौर वॉलीबॉल संघ के महासचिव एवं पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी भूपेंद्र चौहान ने कहा कि जगवीर सिंह रंधावा का राष्ट्रीय चयन प्रक्रिया में मुख्य चयनकर्ता के रूप में योगदान दे। उन्होंने कहा कि चयन ट्रायल्स पूरी तरह पारदर्शी और तकनीकी आधार पर किए जाएंगे ताकि देश को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मिल सकें। इससे क्षेत्र में खेलों को भी नई पहचान मिलेगी।खिलाड़ियों में उत्साह और बढ़ता जा रहा है। बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद है।

गोंदपुर बनेहड़ा अपर में ट्यूबवेल बंद होने से फसलें सूखने की कगार पर

40 कनाल में मक्की और चरी को भारी नुकसान होने से किसान परेशान

अनंत ज्ञान

राकेश कुमार, दौलतपुर चौक। प्रदेश सरकार जहां किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए लाखों रुपए खर्च कर विभिन्न क्षेत्रों में ट्यूबवेल स्थापित कर रही है, वहीं गगरेट क्षेत्र के गांव गोंदपुर बनेहड़ा अपर में किसानों को पिछले दो सप्ताह से सिंचाई संकट का सामना करना पड़ रहा है। गांव का अंबोइयां दा ट्यूबवेल तकनीकी खराबी के कारण बंद पड़ा है, जिससे किसानों की फसलें बर्बादी की कगार पर पहुंच गई हैं।

सूख रहीं फसल का निरीक्षण करते विभागीय अधिकारी। अनंत ज्ञान

जानकारी के अनुसार, ट्यूबवेल करीब दो सप्ताह पहले खराब हो गया था। विभाग द्वारा मोटर बदलकर दोबारा लगाई गई, लेकिन नई मोटर में तकनीकी खराबी आने के कारण ट्यूबवेल सुचारु रूप से चालू नहीं हो पाया। किसानों का आरोप है कि वे लगातार विभाग से मोटर ठीक करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन उन्हें केवल आश्वासन देकर टालमटोल किया जा रहा है। ट्यूबवेल बंद होने से करीब 40 कनाल भूमि में बोई गई मक्की, मूंगी, चरी और सोयाबीन की फसल प्रभावित हुई है। किसानों सुरेश कुमार, ओम प्रकाश, केवल और तरसेम लाल ने बताया कि भीषण गर्मी और तेज धूप के चलते फसलें सूखकर झुलस गई हैं। उन्होंने कहा कि पशुओं के हरे चारे के लिए चरी और मक्की के अलावा खेतों में सब्जियां भी लगाई गई थीं, लेकिन पानी न मिलने से सब कुछ खराब होने लगा है।

किसानों ने बताया कि उन्होंने फसलों की बुवाई के लिए बैंक से कर्ज लिया था, लेकिन सिंचाई सुविधा ठप होने से उनकी मेहनत और निवेश दोनों पर संकट खड़ा हो गया है। उनका कहना है कि यदि जल्द पानी की व्यवस्था नहीं हुई तो पूरी फसल बर्बाद हो सकती है। उधर, मामले को लेकर जब जल शक्ति विभाग के अधिशाषी अभियंता पंकज से बात की गई तो उन्होंने बताया कि ट्यूबवेल में तकनीकी खराबी के कारण समस्या उत्पन्न हुई है। विभाग जल्द ही खराबी दूर कर ट्यूबवेल चालू करेगा, ताकि किसानों के खेतों तक दोबारा सिंचाई का पानी पहुंच सके।

घनारी में 29 को लगेगा आधार अपडेट शिविर

अनंत ज्ञान, घनारी। उपमंडल गगरेट के घनारी स्थित श्री सिद्ध बाबा मौनी धाम मंदिर में भारतीय डाक विभाग द्वारा आधार कार्ड अपडेट करवाने हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 29 मई, शुक्रवार को सुबह 10 बजे से शुरू होगा, जिसमें क्षेत्र के लोगों को आधार संबंधी विभिन्न सेवाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। घनारी डाक विभाग के सब पोस्ट मास्टर गौरव शर्मा ने बताया कि विशेष कैंप में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों के आधार कार्ड निशुल्क अपडेट किए जाएंगे। इसके अलावा बच्चों के नए आधार कार्ड भी बनाए जाएंगे, ताकि अभिभावकों को दूर-दराज के कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

उन्होंने कहा कि आधार कार्ड आज हर सरकारी और निजी कार्य के लिए एक आवश्यक दस्तावेज बन चुका है। ऐसे में बच्चों का आधार समय पर अपडेट करवाना बेहद जरूरी है। शिविर के दौरान आधार में नाम, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर, फोटो सहित अन्य आवश्यक सुधार संबंधी सेवाएं भी उपलब्ध रहेंगी। भारतीय डाक विभाग ने गगरेट विधानसभा क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि वे अपने बच्चों के आवश्यक दस्तावेज साथ लेकर समय पर शिविर में पहुंचें और इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। शिविर में आधार अपडेट प्रक्रिया पूरी तरह नियमानुसार की जाएगी तथा लोगों की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था भी की गई है।

बनगढ़ में चुनाव परिणाम पर विवाद हारे प्रत्याशी ने लगाए धांधली के आरोप

विधायक सतपाल सत्ती के नेतृत्व में एसडीएम को सौंपी शिकायत

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, ऊना। जनपद की ग्राम पंचायत बनगढ़ में प्रधान पद के चुनाव परिणाम को लेकर विवाद गहरा गया है। प्रधान पद के हारे प्रत्याशी देवेंद्र सिंह ने चुनाव प्रक्रिया में गंभीर धांधली के आरोप लगाते हुए बुधवार को सतपाल सिंह सत्ती के नेतृत्व में एसडीएम कार्यालय पहुंचकर प्रशासन को शिकायत सौंपी। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण और समर्थक भी उनके साथ मौजूद रहे। देवेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि मतगणना प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी नहीं थी और चुनाव ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों की भूमिका भी संदेह के घेरे में रही। उन्होंने कहा कि मतदान प्रक्रिया समाप्त होने के बाद जिस मोहर का उपयोग बंद हो जाना चाहिए था, उसे एक अधिकारी मतगणना स्थल पर लेकर घूमता रहा, जिससे पूरे चुनाव पर सवाल खड़े हो गए हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि मतगणना के शुरुआती दौर में वह जीत की स्थिति में थे, लेकिन बाद में अचानक परिणाम बदल दिए गए और उन्हें पराजित घोषित कर दिया गया। देवेंद्र सिंह का कहना है कि जब उन्होंने इस प्रक्रिया पर आपत्ति जताई और पारदर्शिता की मांग की तो उनके साथ धक्कामुक्की भी की गई। देवेंद्र सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि मामले से ध्यान हटाने और उन्हें दबाव में लेने के लिए उनके बच्चों पर सड़क पर जानलेवा हमला करवाया गया, जिसमें उन्हें चोटें आई हैं। उन्होंने इसे एक सुनियोजित साजिश करार देते हुए कहा कि उन्हें जानबूझकर चुनाव हराने का प्रयास किया गया है।

विधायक ने निष्पक्ष जांच की उठाई मांग

विधायक सतपाल सिंह सत्ती ने मामले को गंभीर बताते हुए प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि चुनाव प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनियमितता हुई है तो इसकी गहन जांच होनी चाहिए, ताकि लोकतांत्रिक व्यवस्था पर लोगों का भरोसा बना रहे। एसडीएम कार्यालय पहुंचे ग्रामीणों और समर्थकों ने भी चुनाव परिणामों पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। प्रशासन ने शिकायत प्राप्त होने की पुष्टि करते हुए मामले की जांच का आश्वासन दिया है। बनगढ़ पंचायत का यह मामला अब पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है और ग्रामीण प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर नजर बनाए हुए हैं।

एसटीपी और ईटीपी प्लांट के लिए 1.67 करोड़ जारी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, ऊना। लंबे समय से बजट की कमी से धीमी गति से चल रहे पीजीआई सैटेलाइट सेंटर के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) और एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी) निर्माण कार्य को अब गति मिलने की उम्मीद जगी है। सरकार की ओर से परियोजना के लिए एक करोड़ 67 लाख रुपए का बजट जारी कर दिया गया है। हालांकि प्लांट निर्माण के लिए अभी भी करीब 1.88 करोड़ रुपए की राशि जारी होना बाकी है।

पीजीआई सैटेलाइट सेंटर प्रदेश की महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य परियोजनाओं में शामिल है। अस्पताल के संचालन के दौरान निकलने वाले सीवरेज और मेडिकल अपशिष्ट के उचित निस्तारण के लिए एसटीपी और ईटीपी प्लांट का निर्माण किया जा रहा है। इन प्लांटों के निर्माण पर कुल 4.55 करोड़ रुपए खर्च किए जाने हैं। परियोजना का जिम्मा जल शक्ति विभाग को सौंपा गया है। बजट की कमी के चलते बीते कुछ समय से निर्माण कार्य अपेक्षित गति नहीं पकड़ पा रहा था। सीमित संसाधनों के साथ विभाग केवल जरूरी कार्यों को ही आगे बढ़ा रहा था। अब नई राशि जारी होने के बाद विभाग ने लंबित कार्यों को तेजी से पूरा करने की तैयारी शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार एसटीपी प्लांट के माध्यम से अस्पताल परिसर से निकलने वाले गंदे पानी का शोधन किया जाएगा जबकि ईटीपी प्लांट मेडिकल गतिविधियों से निकलने वाले रासायनिक और जैविक अपशिष्ट को वैज्ञानिक तरीके से ट्रीट करेगा।

नशा तस्करी का मुख्य आरोपी खुल्लर गिरफ्तार

बंगाणा पुलिस ने अदालत में किया पेश, तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बंगाणा। उपमंडल बंगाणा में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कथित मुख्य सरगना दिनेश कुमार उर्फ विक्की खुल्लर को गिरफ्तार किया है। आरोपी को वीरवार को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस अब मामले से जुड़े आर्थिक लेन-देन और संभावित नेटवर्क की जांच में जुट गई है।

डीएसपी अजय ठाकुर ने बताया कि कुछ समय पहले बंगाणा पुलिस ने धुंदला क्षेत्र में छापेमारी कर मुनीश कुमार उर्फ मनी के घर से 48.52 ग्राम अफीम, 17.78 ग्राम चरस, शराब की कई बोतलें, 4 लाख 69 हजार 120 रुपए नकद तथा विदेशी मुद्रा के दो नोट बरामद किए थे। इस मामले में पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट और हिमाचल प्रदेश एक्साइज एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था।

जांच के दौरान पुलिस को बैंक ट्रांजैक्शन से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज मिले, जिनसे दिनेश कुमार उर्फ विक्की खुल्लर की कथित संलिप्तता सामने आई। पुलिस के अनुसार नशा तस्करी से जुड़े पैसों के लेन-देन में उसका नाम सामने आने के बाद उसे एनडीपीएस एक्ट की धारा 29 के तहत गिरफ्तार किया गया। थाना प्रभारी रोहित चौधरी ने बताया कि मामले की जांच हर पहलू से की जा रही है। प्रारंभिक जांच में आरोपी के तार बड़े नशा नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस बैंक खातों के माध्यम से हुए लेन-देन की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

पुलिस की गिरफ्त में मुख्य सरगना और उसका साथी। अनंत ज्ञान

आरोपी पहले भी नशे से जुड़े मामलों में जेल जा चुका है और उसका नाम पूर्व में भी संदिग्ध गतिविधियों में सामने आता रहा है। वहीं स्थानीय लोगों ने पुलिस की कार्रवाई की सराहना करते हुए क्षेत्र में नशा कारोबार के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की है। वहीं, थाना प्रभारी रोहित चौधरी ने कहा कि जिला पुलिस नशा तस्करों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है।

'मेडिएशन फॉर द नेशन 2.0 से' आपसी सहमति से निपटेंगे विवाद

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, ऊना। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऊना की सचिव शिखा लखनपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आमजन के बीच मध्यस्थता एवं आपसी सहमति से विवादों के समाधान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'मेडिएशन फॉर द नेशन 2.0' नामक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य न्यायालयों में लंबित मामलों के त्वरित, सरल एवं सौहार्दपूर्ण निपटारे के प्रति लोगों को जागरूक करना है।

उन्होंने बताया कि इस अभियान के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि मध्यस्थता समय और धन की बचत करने के साथ-साथ आपसी संबंधों को भी बनाए रखने में सहायक सिद्ध होती है। यह एक गैर-विवादास्पद प्रक्रिया है, जिसमें दोनों पक्षों की सहमति से शांतिपूर्ण समाधान निकाला जाता है।

उन्होंने कहा कि अभियान के तहत न्यायालयों में लंबित दीवानी, पारिवारिक, वाणिज्यिक तथा शमनीय आपराधिक मामलों के समाधान के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत वैवाहिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस, संपत्ति विभाजन, भूमि अधिग्रहण तथा उपभोक्ता मामलों जैसे सुलह योग्य विवादों को प्राथमिकता दी जा रही है। शिखा लखनपाल ने आम नागरिकों से अपील की कि वे विवादों के समाधान के लिए मध्यस्थता को प्राथमिकता दें तथा मेडिएशन फॉर द नेशन 2.0 अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाएं।

फिर धधक उठे बिलासपुर के जंगल, बेशकीमती वन संपदा राख

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। गर्मियों के मौसम में प्रदेश के गर्म जिला बिलासपुर के जंगलों का धधकना कोई नई बात नहीं है, हर साल वन आग की भेंट चढ़ते हैं और हर साल आग पर नियंत्रण के लिए तैयार होने वाली विभागीय एक्सरसाइज औंधे मुंह गिरती है। बिलासपुर नगर सुशोभित बंदला धार और इसके साथ की पहाड़ियां एक बार फिर भीषण आग की चपेट में है। चंगर सेक्टर के साथ लगते ओयल, दनोह, धमणा, आदि गांवों में पशु पक्षियों की चिल्लाने की आवाजें सहज ही सुनी जा सकती है।

बिलासपुर शहर की सामने वाली पहाड़ी पर जलते जंगल।

बड़े पक्षी या पशु अपने बचाव के लिए इधर उधर भाग सकते हैं, लेकिन घोंसलों में बैठे मासूमों का आग की भेंट चढ़ना स्वाभाविक है। इस जघन्य पाप के लिए कोई भी जिम्मेदार हो लेकिन इसकी जिम्मेदारी सभ्य समाज और तंत्र को लेनी ही होगी। इन जंगलों में दिनरात लगी आग का राख और धुएं का गुबार नगर में देखा जा सकता है। असंख्या पशु-पक्षियों के जिंदा जलने के साथ-साथ वन संपदा का नुकसान हर साल की बात है, इस प्रकार की घटनाओं से तापमान में भी अप्रत्याशित वृद्धि हो रही है। यह आग कौन लगाता है, कब लगाता है, इसका कोई पता नहीं चल पाता है,

◆असंख्य पशु पक्षियों के जिंदा जलने की संभावना, वनाग्नि पर उठे सवाल

लेकिन धधकते जंगल और तेजी से फैलती आग के आगे सब नतमस्तक हैं। बताया जाता है कि नए घास के लिए यह आग जान-बूझकर लगाई जाती है लेकिन चंद पशुओं के घास के लिए लगाई जाने वाली आग हजारों जानवरों और पक्षियों के लिए मौत का संदेश लेकर आती है, इस ओर कोई नहीं सोचता। अपनी गर्ज के लिए असंख्य बेजुबानों की बलि का देना कहां तक उचित है। हैरानी यह भी है कि इस आगजनी की घटना में संभवतया कागजी औपचारिकताओं की पूर्ति होती हो लेकिन किसी को कठोर सजा का न होना भी इस प्रकार की घटनाओं को बढ़ावा देता है। विभाग वन संरक्षण के लिए समस्त जनता, युवा मंडल, महिला मंडलों, सांझा वन प्रबंधन समितियों, वन विकास समितियों तथा गैर सरकारी संगठनों से अपील तो हर साल करता है लेकिन वन भी हर साल ही जलते हैं।

यहीं नहीं प्रत्येक बीट स्तर पर सामुदायिक कार्यशालाएं, जनजागरूकता कार्यक्रम तथा अन्य गतिविधियां नियमित रूप से आयोजित की गई तथा जिला में 45 फायर वॉचर्स की तैनाती संवेदनशील क्षेत्रों पर नजर बनाने के लिए हुई है। बावजूद इसके जंगल जले और जल रहे हैं। रात के समय इस आग का भयावह मंजर किसी के भी मन को प्रभावित करता है। नगर के प्रबुद्ध बुद्धिजीवी लोगों में शामिल सरदार रच्छपाल सिंह, सुरेंद्र गुप्ता, जसजीत वालिया, राजेश महाजन, आशुतोष, अनीश, विशाल आदि का कहना है कि हर साल होने वाली इस प्रकार की आगजनी की घटनाओं से संज्ञान लेने की आवश्यक्ता है तथा इन घटनाओं की पुनर्रावृति न हो इसके लिए विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों की जबावदेही तय होनी चाहिए।

दूसरे चरण में शांतिपूर्ण मतदान के लिए सक्रिय रहा जिला प्रशासन

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। पंचायतीराज संस्थाओं के द्वितीय चरण के मतदान को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए जिला प्रशासन पूरे दिन सक्रिय रहा। मतदान प्रक्रिया के दौरान जिला प्रशासन के अधिकारी लगातार विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहे। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी बिलासपुर राहुल कुमार तथा अतिरिक्त उपायुक्त ओम कांत ठाकुर ने विभिन्न मतदान केंद्रों एवं मॉडल पोलिंग स्टेशनों का निरीक्षण कर मतदान प्रक्रिया तथा मतदाताओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

मतदान केंद्र का निरीक्षण करते उपायुक्त राहुल कुमार।

उपायुक्त ने झंडूता विकास खंड के अंतर्गत प्रशासन द्वारा स्थापित गालियां तथा बरठीं मॉडल पोलिंग स्टेशनों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए उपलब्ध करवाई गई सुविधाओं की समीक्षा की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा मतदाताओं को बेहतर एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से मॉडल पोलिंग स्टेशनों में विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। उन्होंने बताया कि मॉडल पोलिंग स्टेशनों पर मतदाताओं की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क, स्वास्थ्य जांच सुविधा, बैठने की समुचित व्यवस्था, पेयजल तथा बच्चों के लिए क्रेच सुविधा उपलब्ध करवाई गई है, ताकि मतदाता सहज वातावरण में अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने मतदान केंद्रों पर पहुंचे मतदाताओं से बातचीत कर व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी भी ली। मतदाताओं ने मतदान केंद्रों पर उपलब्ध सुविधाओं एवं शांतिपूर्ण वातावरण पर संतोष व्यक्त किया।

कोठीपुरा में उपप्रधान के कड़े मुकाबले में आठ मतों से जीते परमदेव शर्मा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। ग्राम पंचायत कोठीपुरा में उपप्रधान पद के लिए हुए रोमांचक मुकाबले में समाजसेवा से जुड़े और मिलनसार व्यक्तित्व के धनी परमदेव शर्मा ने शानदार जीत दर्ज की है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को मात्र 8 मतों के अंतर से हराकर उप प्रधान पद पर कब्जा जमाया।

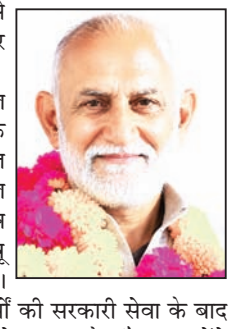

परमदेव शर्मा को कुल 284 मत प्राप्त हुए, जबकि मदन लाल को 276 मत मिले। इसके अलावा अनिल कुमार को 263, स्वतंत्र कुमार को 229 तथा बाबू राम को 142 मत प्राप्त हुए। परमदेव शर्मा करीब 37 वर्षों की सरकारी सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए हैं। अपने सेवाकाल के दौरान उन्होंने स्वच्छ छवि और ईमानदार कार्यशैली बनाए रखी। यही कारण रहा कि पंचायत क्षेत्र में उनकी अच्छी पकड़ और लोगों से गहरा जुड़ाव बना रहा।

चामिक एवं समाजसेवी प्रवृत्ति के परमदेव शर्मा की जीत को ग्रामीणों ने विकास और विश्वास की जीत बताया है। उनकी सरलता, मिलनसार व्यवहार और जनहित में कार्य करने की सोच ने मतदाताओं का दिल जीतने में अहम भूमिका निभाई। जीत के बाद समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई और पंचायत क्षेत्र में लोगों ने परमदेव शर्मा को बधाइयां देकर उनके उज्ज्वल कार्यकाल की उम्मीद जताई।

हर बार की तरह परिवार संग विजयपुर आएंगे जेपी नड्डा, 30 मई को डालेंगे वोट

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा एक बार फिर उस अनूठी परंपरा को निभाने अपने गृह जिले बिलासपुर आ रहे हैं, जो लोकतंत्र के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। नड्डा हर चुनाव की तरह इस बार भी दिल्ली से अपने पूरे परिवार के साथ विजयपुर पहुंचेंगे, ताकि 30 मई को अपने पैतृक बूथ पर मताधिकार का प्रयोग कर सकें। राजधानी में रहकर मतदान करने के बजाय वे हजारों किलोमीटर का सफर तय करके अपनी धरोहर की माटी से जुड़े इस बूथ को प्राथमिकता देते हैं, जिसे भाजपा कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मूल्यों की बुलंद मिसाल मानते हैं।

◆लोकतंत्र के प्रति निष्ठा की मिसाल

भाजपा के प्रदेश सह-मीडिया प्रभारी स्वदेश ठाकुर ने बताया कि जेपी नड्डा 29 मई को दिल्ली से हवाई मार्ग के जरिए चंडीगढ़ पहुंचेंगे और फिर सड़क मार्ग से शाम करीब छह बजे विजयपुर स्थित अपने निवास पहुंचेंगे। अगले दिन 30 मई की सुबह वह राजकीय प्राथमिक पाठशाला विजयपुर में बनाए गए मतदान केंद्र पर अपने परिवार के सभी सदस्यों के साथ कतार में खड़े होकर वोट डालेंगे। यह दृश्य हर चुनाव में बिलासपुर के लोगों के लिए प्रेरणा का क्षण होता है, जब देश का एक बड़ा मंत्री सादगी से पंक्तिबद्ध होकर अपने कर्तव्य का निर्वहन करता है।

मतदान समाप्त होने के बाद नड्डा पूरा दिन विजयपुर में ही रुकेंगे। इस दौरान वह भाजपा के स्थानीय कार्यकर्ताओं, बूथ स्तर के संगठनकर्ताओं और ग्रामीण नेताओं के साथ बातचीत करेंगे। चूंकि, इस समय प्रदेश में पंचायत चुनाव चल रहे हैं, ऐसे में एक केंद्रीय मंत्री का अपने गृह जिले में रुककर कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करना संगठनात्मक ऊर्जा का संचार करने वाला माना जा रहा है।

बिलासपुर में श्रद्धा और उत्साह से मनाई ईद

जामा मस्जिद में अदा की गई विशेष नमाज, अमन-चैन और भाईचारे की मांगी दुआ

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। कुर्बानी का त्योहार ईद उल अजहा यानी बकरीद आज बिलासपुर समेत समूचे जिला बिलासपुर में पूरी अकीदत और एहतराम के साथ मनाया गया। इस मौके पर जिला बिलासपुर की विभिन्न मस्जिदों और ईदगाहों में बकरीद की विशेष नमाज अदा की गई और मुल्क की तरक्की व दुनिया में अमन चैन कायम रहने की दुआ की गई। सुबह से ही मुस्लिम समुदाय के लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला। शहर की जामा मस्जिद सहित विभिन्न मस्जिदों में बड़ी संख्या में लोगों ने एकत्रित होकर ईद की नमाज अदा की और देश-प्रदेश में सुख, शांति, तरक्की तथा आपसी भाईचारे की दुआ मांगी।

जामा मस्जिद में नमाज के अवसर पर उपस्थित मुस्लिम समुदाय। अनंत ज्ञान

नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। बच्चों और युवाओं में भी त्योहार को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। लोगों ने अपने घरों में विशेष व्यंजन तैयार किए और रिश्तेदारों व मित्रों के साथ खुशियां साझा कीं।

जानकारी देते प्रधान हारुन मोहम्मद।

जामा मस्जिद कमेटी के प्रधान हारुन मोहम्मद ने जानकारी देते हुए बताया कि ईद का पर्व प्रेम, सौहार्द और मानवता का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि सभी समुदायों को मिलजुल कर समाज में भाईचारे और एकता को मजबूत बनाना चाहिए। उन्होंने क्षेत्रवासियों को ईद की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व लोगों को आपसी मतभेद भुलाकर प्रेम और सद्भाव के साथ रहने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने बताया कि मस्जिद परिसर में नमाज के दौरान व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा गया तथा श्रद्धालुओं ने अनुशासन और शांतिपूर्ण वातावरण में धार्मिक कार्यक्रम में भाग लिया। प्रशासन और पुलिस विभाग की ओर से भी सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के उचित प्रबंध किए गए थे। ईद के अवसर पर विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी मुस्लिम समुदाय को शुभकामनाएं दीं और जिले में आपसी सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया। पूरे दिन शहर में उत्सव जैसा माहौल बना रहा और लोगों ने मिलकर इस पर्व की खुशियां मनाई। वहीं, डियारा इस्लामिया कमेटी के प्रधान नईम शेख एवं महासचिव दनिश अख्तर ने बताया कि डियारा कब्रिस्तानवाली मस्जिद में मौलवी जुबेर अहमद ने डियारा मस्जिद में पढ़ाई नमाज पढ़ाई एवं सामूहिक रूप से मुल्क की तरक्की व दुनिया में अमन चैन कायम रहने की दुआ की गई।

लोकतंत्र के महापर्व में बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर किया मतदान

अनंत ज्ञान

अरुण डोगरा रीतू, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश में चल रहे पंचायतीराज चुनावों के दौरान लोकतंत्र के इस महापर्व में युवाओं के साथ-साथ बुजुर्ग मतदाताओं ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाकर समाज के सामने प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। कई पंचायतों में 90 से लेकर 100 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक मतदान केंद्रों तक पहुंचे और अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र के प्रति अपनी गहरी आस्था व्यक्त की।

रूपा देवी मतदान करने जाती हुई।

ग्राम पंचायत हरनोड़ा के नहर वार्ड नंबर-1 के 106 वर्षीय संत राम ने मतदान कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। वहीं पंचायत दकड़ी की 107 वर्षीय मनभरूं देवी तथा कसारू पंचायत के कठलग वार्ड नंबर-6 की 108 वर्षीय रूपा देवी ने भी अपने मत का प्रयोग कर लोकतंत्र के प्रति अपनी जागरूकता और जिम्मेदारी का परिचय दिया। इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत हीरा पुर की 96 वर्षीय पार्वती देवी, ग्राम पंचायत सुई सुरहाड़ के चिलग बुनगर वार्ड नंबर-2 की 100 वर्षीय महंती देवी, औहर के 98 वर्षीय बाली राम तथा चांदपुर की 91 वर्षीय जसोढ़ा देवी ने भी मतदान कर लोगों को प्रेरित किया। ग्राम पंचायत दकड़ी के गांव चुवांडी की 94 वर्षीय दामोदरी देवी ने भी मतदान केंद्र पहुंचकर अपने मत का प्रयोग किया। वहीं गांव दाडा के प्रभु राम (82) और कमला देवी (77) ने भी लोकतंत्र के इस पर्व में उत्साह के साथ भाग लिया। इन बुजुर्ग मतदाताओं के जज्बे और उत्साह ने यह साबित कर दिया कि लोकतंत्र की मजबूती में हर नागरिक की भागीदारी महत्वपूर्ण है। मतदान केंद्रों पर पहुंचे इन वरिष्ठ नागरिकों को देखकर युवाओं में भी विशेष उत्साह देखने को मिला।

लोकतंत्र के महापर्व पर चंबा में दिखा उत्साह

महिलाओं और युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक ने बढ़-चढ़कर अपने मताधिकार का किया प्रयोग

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, चंबा। जिले में पंचायत चुनावों दूसरे चरण के मतदान के दौरान लोकतंत्र के महापर्व को लेकर लोगों में भारी उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें लगी रहीं और महिलाओं और युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक ने बढ़-चढ़कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सुबह से ही मौसम ठीक होने के कारण हल्की-हल्की फुवारों के बीच वोटिंग डालने के लिए लोगों का उत्साह देखने को मिला।

वोटिंग के दौरान कई प्रेरणादायक और भावुक तस्वीरें भी सामने आईं, जहां बुजुर्ग, महिलाएं और दिव्यांग मतदाता भी पूरे उत्साह के साथ मतदान केंद्र पहुंचे।

पुलिस और प्रशासन की मुस्तैदी के बीच शांतिपूर्ण माहौल में मतदान प्रक्रिया संपन्न होती नजर आई। लोकतंत्र के इस पर्व ने एक बार फिर साबित कर दिया कि जागरूक मतदाता ही मजबूत लोकतंत्र की असली ताकत हैं। शाम 1:00 बजे का करीब तक नैनीखड्ड के 7 पोलिंग बूथ मे टोटल 1680 मे से 1349 वोट पोल हुए टोटल 80% पोलिंग रहा सातों बूथ में शांतिपूर्ण मतदान हुआ।

90 वर्षीय खेम्बो राम राम ने डाला वोट।

नैनीखड्ड पोलिंग बूथ पर 86 वर्षीय चंचल रानी और 90 वर्षीय ब्रह्मा देवी ने किया मतदान।

अनंत ज्ञान

◆ सुबह से ही मतदान केंद्रों पर लग गई थीं कतारें

युवा मतदाताओं में दिखा क्रेज

ओडा पंचायत में पंचायती राज चुनाव के दौरान युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए लोकतंत्र के प्रति अपनी जागरूकता और जिम्मेदारी का परिचय दिया। मतदान केंद्रों पर सुबह से ही युवा मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। युवाओं ने शांतिपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग कर यह संदेश दिया कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में नई पीढ़ी की भूमिका बेहद अहम है। चुनाव प्रक्रिया के दौरान पंचायत में पूरी तरह शांतिपूर्ण माहौल बना रहा तथा लोगों ने अनुशासन और सौहार्द के साथ मतदान में भाग लिया। पहली बार मतदान करने पहुंचे युवा मतदाताओं में भी खास उत्साह देखने को मिला।

98 साल की उम्र में लोकतंत्र के प्रति अद्भुत जज्बा

परिजनों ने पीठ पर उठाकर पहुंचाया मतदान केंद्र, बुद्धि सिंह बने प्रेरणा का प्रतीक

अनंत ज्ञान, भरमौर। पंचायतीराज चुनाव 2026 के द्वितीय चरण में पंचायत प्रांघाला के पालथा मतदान केंद्र पर लोकतंत्र के प्रति समर्पण और परिवार के सहयोग की एक भावुक एवं प्रेरणादायक तस्वीर देखने को मिली। 98 वर्षीय बुद्धि सिंह ने चलने-फिरने में असमर्थ होने के बावजूद मतदान करने का उत्साह दिखाते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग किया। विशेष बात यह रही कि उनके परिवारजनों ने उन्हें अपनी पीठ पर उठाकर मतदान केंद्र तक पहुंचाया, ताकि वे लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी निभा सकें। यह दृश्य वहां मौजूद लोगों के लिए भावुक कर देने वाला क्षण बन गया और सभी ने परिवार की इस जिम्मेदारी व समर्पण की सराहना की। बुद्धि सिंह का यह जज्बा साबित करता है कि उम्र कभी भी लोकतांत्रिक जिम्मेदारियों के आड़े नहीं आती। वहीं परिवार द्वारा दिया गया सहयोग सामाजिक मूल्यों, सम्मान और कर्तव्यनिष्ठा का भी सशक्त उदाहरण बनकर सामने आया।

एडीएम विकास शर्मा ने किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण

अनंत ज्ञान, भरमौर। पंचायतीराज चुनाव 2026 के द्वितीय एवं अंतिम चरण के दौरान अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी भरमौर विकास शर्मा ने क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर चुनावी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदान केंद्रों पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न करवाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने मतदाताओं से भी लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक का मत लोकतंत्र की मजबूती का आधार है तथा जागरूक मतदान से ही मजबूत और सशक्त लोकतंत्र का निर्माण संभव है।एडीएम ने कहा कि प्रशासन द्वारा सभी मतदान केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं ताकि मतदाता भयमुक्त एवं निष्पक्ष वातावरण में अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में मतदान कर लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का आह्वान किया।

चंबा में बकरीद पर नमाज अदा कर मांगी अमन, शांति और खुशहाली की दुआ

बकरीद का पर्व श्रद्धा, उल्लास और आपसी भाईचारे के साथ मनाया। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

चंबा। पूरे देश के साथ-साथ जिला चंबा में भी ईद-उल-अजहा यानी बकरीद का पर्व श्रद्धा, उल्लास और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया।

चंबा के ऐतिहासिक चौगान नंबर पांच में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एक साथ ईद की नमाज अदा कर अमन, शांति और खुशहाली की दुआ मांगी। सुबह से ही ईदगाह और नमाज स्थल पर लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। छोटे-छोटे बच्चे नई-नई पोशाकों में बेहद उत्साहित नजर आए, वहीं युवाओं और बुजुर्गों ने भी पूरे उत्साह के साथ नमाज में भाग लिया। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और भाईचारे का संदेश दिया। ईद-उल-अजहा को कुर्बानी के त्योहार के रूप में भी जाना जाता है। यह पर्व त्याग, समर्पण और इंसानियत की भावना का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन कुर्बानी देकर समाज में जरूरतमंदों के साथ खुशियां बांटने और मानवता की सेवा का संदेश दिया जाता है। चंबा के ऐतिहासिक चौगान में मनाई गई ईद ने एक बार फिर सामाजिक सौहार्द, प्रेम और एकता की मिसाल पेश की, जहां लोगों ने मिल-जुलकर इस पवित्र पर्व की खुशियां साझा की

डलहौजी में बंदरों का आतंक, हर दिन कर रहे हमले

अनंत ज्ञान

अजीत सिंह, डलहौजी। पर्यटन नगरी डलहौजी के साथ लगते छावनी क्षेत्र में इन दिनों बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि लोगों का घरों से बाहर निकलना तक मुश्किल हो गया है। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को झेलनी पड़ रही है, जिन्हें घर से स्कूल तक पहुंचने में बंदरों के हमलों का डर सताता रहता है। कई बार बच्चे डर के कारण देर से स्कूल पहुंचते हैं, तो कई बार उन्हें मजबूरी में छुट्टी करनी पड़ती है, जिससे उनकी पढ़ाई पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों के दौरान छावनी क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर बंदरों के हमलों में तीन महिलाएं और एक स्कूली छात्र गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं। बंदरों के बढ़ते आतंक के कारण लोग अपने घरों में रहने को मजबूर हो गए हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार ये बंदर अक्सर सौ से अधिक की संख्या में झुंड बनाकर एक स्थान से दूसरे स्थान की ओर जाते हैं, जिससे रास्तों से गुजरना बेहद कठिन और खतरनाक हो गया है। बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं और युवा-सभी वर्ग के लोग इन हमलावर बंदरों के कारण भय के साए में जी रहे हैं। कई लोग बंदरों से बचने के प्रयास में भागते समय गिरकर घायल भी हो चुके हैं। आमतौर पर लोगों को सलाह दी जाती है कि बंदरों को खाने की वस्तुएं न दें और कूड़ा खुले में न फेंकें, लेकिन डलहौजी छावनी क्षेत्र स्वच्छता व्यवस्था के लिए जाना जाता है। यहां छावनी परिषद द्वारा डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रह किया जाता है तथा कचरे का उचित निपटान किया जाता है। क्षेत्र में कहीं भी खुले में कचरा नहीं फेंका जाता। इसके बावजूद बंदरों की संख्या लगातार बढ़ रही है और उनका व्यवहार अत्यधिक आक्रामक होता जा रहा है। स्थानीय जनता में दहशत का माहौल है तथा लोग इसे जानलेवा समस्या मानने लगे हैं। लोगों ने वन विभाग और प्रशासन से मांग की है कि बंदरों के आतंक से राहत दिलाने के लिए जल्द से जल्द प्रभावी और स्थायी कदम उठाए जाएं।

बंदरों के हमले से लोगों में भय। अनंत ज्ञान

शिशु गुप्ता बोले- कुर्सी सेवा का माध्यम बने, स्थायी कब्जे का नहीं

अनंत ज्ञान

चंबा। राजनीतिक विश्लेषक शिशु गुप्ता ने कहा कि समाज सेवा का उद्देश्य हमेशा जनहित, पारदर्शिता और सामूहिक विकास माना गया है, लेकिन आज कई सामाजिक संगठनों में स्थिति इसके विपरीत दिखाई देने लगी है। कुछ लोग किसी पद पर पहुंचते ही उसे सेवा का अवसर नहीं, बल्कि निजी जागीर समझने लगते हैं। धीरे-धीरे संगठन समाज के लिए काम करने के बजाय 'कुर्सी बचाओ अभियान' का केंद्र बन जाता है।

विडंबना यह है कि जो लोग लोकतंत्र, पारदर्शिता और समय पर चुनाव कराने की बातें बड़े उत्साह से करते हैं, वही पद मिलने के बाद चुनावों से बचने लगते हैं। संगठन के भीतर विचारों की जगह गुटबाजी और पद संरक्षण की राजनीति हावी हो जाती है। आम सदस्य यह सोचकर चुप रहता है कि संगठन चल रहा है, जबकि वास्तविकता में कुछ लोग उसे निजी संस्था की तरह संचालित कर रहे होते हैं। असल समस्या पद नहीं, बल्कि उससे पैदा होने वाला अहंकार है। कई लोग यह मान बैठते हैं कि पद छूटते ही समाज में उनकी पहचान समाप्त हो जाएगी। यही कारण है कि वर्षों तक जिम्मेदारी निभाने के बाद भी वे नए नेतृत्व को आगे आने का अवसर नहीं देते। परिणामस्वरूप संगठन कमजोर होने लगता है और लोकतांत्रिक मूल्यों का ह्रास होने लगता है। पुराने समय की पंचायतों में लोग निष्पक्षता और न्याय के भरोसे जाते थे, लेकिन आज कई संगठनों में आम व्यक्ति पहले ही यह सोचने लगता है कि फैसला निष्पक्ष होगा या किसी गुट विशेष के हित में। सच्चाई यही है कि संगठन विचारों और सेवा भावना से मजबूत बनते हैं, न कि पदों पर स्थायी कब्जे से। जो व्यक्ति समय आने पर जिम्मेदारी छोड़ने का साहस नहीं रखता, वह धीरे-धीरे नेतृत्व की नैतिक योग्यता भी खो देता है। क्योंकि सेवा त्याग मांगती है, अधिकारों पर कब्जा नहीं।

ट्राइडेंट लिमिटेड ने ग्लोबल एक्सपोर्ट में जीती गोल्ड ट्रॉफी

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। ट्राइडेंट लिमिटेड को टेक्सप्रोसिल एक्सपोर्ट अवार्ड्स 2023-24 में ग्लोबल एक्सपोर्ट्स श्रेणी में गोल्ड ट्रॉफी से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान कंपनी को भारत के टेक्सटाइल निर्यात क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया।

यह पुरस्कार मुंबई में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया, जिसकी मुख्यातिथि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रहीं। कंपनी के चेयरमैन एमेरिटस पद्मश्री राजिंदर गुप्ता ने कहा कि यह उपलब्धि भारत की वैश्विक टेक्सटाइल पहचान को मजबूत करने में कंपनी के योगदान को दर्शाती है।

उन्होंने कहा कि ट्राइडेंट की सफलता क्वालिटी, इनोवेशन और सस्टेनेबिलिटी के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का परिणाम है। कंपनी 2005 से अब तक 30 से अधिक निर्यात पुरस्कार हासिल कर चुकी है और लगातार 19वें वर्ष टेक्सप्रोसिल द्वारा सम्मानित हुई है। टेक्सप्रोसिल देश की प्रमुख एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल है, जो कॉटन टेक्सटाइल सेक्टर में निर्यात को बढ़ावा देने का काम करती है। ट्राइडेंट लिमिटेड अपने एकीकृत उत्पादन और मजबूत निर्यात क्षमता के दम पर वैश्विक बाजार में भारत की स्थिति को और मजबूत कर रही है।

शॉपिंग सेंटर्स में इंटरनेशनल ब्रांड्स की पहुंच में चंडीगढ़ नंबर वन

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। नाइट फ्रैंक इंडिया की नवीनतम रिपोर्ट 'भारत इंटरनेशनलाइज्ड: भारत के टियर-2 रिटेल शहरों का संरचनात्मक उभार' में चंडीगढ़ को अंतरराष्ट्रीय ब्रांड पहुंच रैंकिंग-2026 में देश में पहले स्थान पर रखा गया है। 'थिंक इंडिया थिंक रिटेल' शृंखला के 10वें संस्करण के अनुसार, मात्र 1.3 मिलियन आबादी के बावजूद चंडीगढ़ ने उपभोग क्षमता, प्रीमियम रिटेल इंफ्रास्ट्रक्चर और वैश्विक ब्रांड उपस्थिति के मामले में कई बड़े शहरों को पीछे छोड़ दिया है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि शहर का मासिक प्रति व्यक्ति व्यय 13,425 रुपए है, जो राष्ट्रीय शहरी औसत से लगभग 60% अधिक है। साथ ही यहां 91% ग्रेड-ए मॉल स्टॉक, 90% मॉल ऑक्यूपेंसी और प्रति मिलियन आबादी पर 58 अंतरराष्ट्रीय ब्रांड स्टोर्स मौजूद हैं। नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर शिशिर बैजल ने कहा कि चंडीगढ़ की बढ़त यह दर्शाती है कि भारत में रिटेल ग्रोथ अब उन शहरों से संचालित हो रही है जहां खर्च करने की क्षमता और बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर मौजूद है। रिपोर्ट के अनुसार, चंडीगढ़ की मौजूदा रिटेल सप्लाई उसकी वास्तविक उपभोग क्षमता से कम है, जिससे प्रीमियम और अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों के लिए यहां विस्तार के बड़े अवसर मौजूद हैं।

महाराजा रणजीत सिंह प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट के दो कैडेट बने भारतीय नौसेना के अधिकारी

अनंत ज्ञान

गुरनाम सागर, चंडीगढ़। महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट के दो कैडेटों अर्पित पराशर (9वां कोर्स) और विशेष सूद (10वां कोर्स) को आज केरल के एझीमाला में इंडियन नेवल अकादमी की पासिंग आउट परेड (पीओपी) में भारतीय नौसेना में अधिकारी के रूप में कमीशन प्राप्त हुआ। परेड का निरीक्षण वाइस एडमिरल समीर सक्सेना, एवीएसएम, एनएम, दक्षिणी नेवल कमांड के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ द्वारा किया गया।

संगरूर जिले के धूरी निवासी कैडेट अर्पित तथा एसएएस नगर (मोहाली) निवासी कैडेट विशेष सूद ने इंस्टीट्यूट में दो वर्ष का प्रशिक्षण पूरा करने के बाद नेशनल डिफेंस अकादमी (एनडीए) में तीन वर्ष तथा आईएनए में एक वर्ष का सेवा-विशेष प्रशिक्षण पूरा किया। अब वे जल्द ही भारतीय नौसेना में अपनी सेवाएं देंगे। दोनों कैडेटों को बधाई देते हुए पंजाब के रोजगार सृजन, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण मंत्री अमन अरोड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार राज्य के उन युवाओं के सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो सशस्त्र सेनाओं में शामिल होना चाहते हैं। इन अधिकारियों ने पंजाब का गौरव बढ़ाया है। आने वाले समय में कई अन्य कैडेट भी नई ऊंचाइयों को छुएंगे।

इंस्टीट्यूट के निदेशक मेजर जनरल अजय एच चौहान, वीएसएम (सेवानिवृत्त) ने कहा कि इन कैडेटों के अलावा संस्थान के 24 अन्य कैडेट भी अपने एसएसबी इंटरव्यू पास कर चुके हैं और जून 2026 से विभिन्न प्रशिक्षण अकादमियों में शुरू होने वाले कोर्सों के लिए जॉइनिंग लेटर का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने नव-नियुक्त अधिकारियों के राष्ट्र सेवा में उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एडवोकेट मुनीश भारद्वाज लीगल एडवाइजर नियुक्त

अनंत ज्ञान, गुरनाम सागर, खरड़। खरड़ विकास ग्रुप (रजि.) के संस्थापक सुधीर गुलेरिया ने वीरवार को ग्रुप का विस्तार करते हुए खरड़ निवासी एवं पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता श्री मुनीश भारद्वाज को ग्रुप का 'लीगल एडवाइजर' नियुक्त किया है।

सुधीर गुलेरिया ने कहा कि एडवोकेट मुनीश भारद्वाज की नियुक्ति से शहर के विकास कार्यों में तेजी आएगी। अब खरड़ विकास ग्रुप के पास अपनी 'सक्षम लीगल टीम' है जो जनहित के मुद्दों पर समय-समय पर नगर कौंसिल खरड़ और सरकार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर हाईकोर्ट में जवाब तलब करेगी।

भाजपा सरकार के 'अमृत काल' के बड़े-बड़े दावे हुए फेल : चीमा

अनंत ज्ञान

गुरनाम सागर, चंडीगढ़। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने वीरवार को कहा कि एफडीआई भरोसे के मामले में दुनिया की टॉप 15 इकॉनमी की लिस्ट से भारत का बाहर होना भाजपा की अगुवाई वाली केंद्र सरकार में निवेशकों के भरोसे के गहरे संकट को दिखाता है। ताजा एफडीआई कॉन्फिडेंस इंडेक्स रैंकिंग का हवाला देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि 2016 में भारत दुनिया के टॉप 10 निवेश स्थानों में से एक था, लेकिन अब यह 2026 में टॉप 15 लिस्ट से पूरी तरह बाहर हो गया है।

विश्वव्यापी रैंकिंग का हवाला देते हुए, वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि यह घटनाक्रम भाजपा सरकार के प्रचार-आधारित दावों और भारतीय अर्थव्यवस्था की असली स्थिति के बीच बड़े अंतर को दिखाता है। 'एक्स' पर एक पोस्ट में, उन्होंने लिखा, 'भारत कभी विदेशी निवेश के लिए दुनिया के टॉप स्थानों में से एक था। 2016 में, भारत ग्लोबल एफडीआई कॉन्फिडेंस के मामले में टॉप 10 अर्थव्यवस्थाओं में से एक था। आज, भारत टॉप 15 में भी नहीं है।

वित्त मंत्री ने कहा कि विदेशी निवेशक तेजी से दूसरे ऑप्शन (दूसरे देशों) की ओर देख रहे हैं क्योंकि पिछले एक दशक में भारत के इन्वेस्टमेंट माहौल में भरोसा काफी कम हो गया है। उन्होंने कहा कि निवेशकों का भरोसा कम हो रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि भाजपा सरकार ने हमेशा मतलब वाले आर्थिक सुधारों के बजाय अपनी इमेज चमकाना पसंद किया है। उन्होंने दावा किया कि 'अमृत काल' के सभी बड़े-बड़े दावों के बावजूद, असलियत यह है कि विदेशी निवेशक दूसरे देशों का रुख कर रहे हैं, जबकि भाजपा सरकार असली आर्थिक सुधारों के बजाय सिर्फ सुर्खियां बटोरने वाले प्रबंधों में लगी हुई है।

सिरसा में नशा तस्कर और हत्या मामले में आरोपी गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, सिरसा। पुलिस ने जिले में नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से हेरोइन और अफीम बरामद की गई है।

पुलिस के अनुसार सीआईए ऐलनाबाद टीम गश्त के दौरान संदिग्ध युवक को पकड़ने में सफल रही, जिसके पास से हेरोइन मिली। वहीं डबवाली पुलिस ने अलग-अलग मामलों में हेरोइन और अफीम के साथ अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसी बीच हत्या के एक मामले में भी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए महिला आरोपी सुखविंद्र कौर को गिरफ्तार किया है। यह मामला गांव कुरंगावाली में बुजुर्ग की हत्या से जुड़ा है।

पुलिस ने बताया कि उधारी के विवाद में बुजुर्ग पर तेजधार हथियारों से हमला कर उसकी हत्या कर दी गई थी, जबकि एक अन्य व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल किया गया था। इस मामले में पहले ही कई आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच जारी है।

ईद पर एसए खान के घर पहुंचे मनीष तिवारी और एचएस लक्की ने दी बधाई

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। ईद-उल-अजुहा का त्योहार मुस्लिम समुदाय में आज बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एक दूसरे को गले लग ईद की मुबारकबाद दी । वहीं इस अवसर पर चंडीगढ़ के सांसद मनीष तिवारी चंडीगढ़ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एसए खान के गृह निवास पहुंचे और परिवार और मुस्लिम भाईचारे को ईद की मुबारकबाद दी। इस अवसर पर चंडीगढ़ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हरमोहिंदर सिंह लक्की भी उपस्थित थे।

सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि ईद उल अजुहा इस्लाम धर्म में यह दूसरा सबसे बड़ा और प्रमुख त्योहार है। मुस्लिम समुदाय की परंपरा के अनुसार यह त्योहार पैगंबर इब्राहिम द्वारा अल्लाह के प्रति अपनी अटूट आस्था और आज्ञाकारिता में अपने बेटे की कुर्बानी देने की तत्परता की याद में मनाया जाता है। इस दिन मुसलमान अल्लाह की राह में जानवरों की कुर्बानी (बलिदान) देते हैं।

चंडीगढ़ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हरमोहिंद्र सिंह लक्की ने कहा कि ईद-उल-अजुहा (जिसे बकरीद भी कहते हैं) इस्लाम धर्म का एक प्रमुख और पवित्र त्योहार है, जिसे 'कुर्बानी का पर्व' माना जाता है। यह त्योहार पैगंबर इब्राहिम की अल्लाह के प्रति अटूट आस्था, भक्ति और उनकी उस कुर्बानी की याद में मनाया जाता है, जिसमें वे अपने बेटे इस्माइल को कुर्बान करने के लिए तैयार हो गए थे। खान ने सांसद तिवारी और एचएस लक्की का अपने घर आने पर आभार जताया। वही उन्होंने ईद त्योहार की महत्वत्ता पर रोशनी डालते हुए कहा कि मुसलमान ईद-अल-अजुहा को अल्लाह (सुभान अल्लाह) के प्रति इब्राहिम और इस्माइल (अ.स.) के विश्वास, आज्ञाकारिता और भक्ति को याद करने और उस पर विचार करने के लिए मनाते हैं। इब्राहिम अपने प्रिय और प्यारे बेटे की कुर्बानी देने के लिए तैयार थे और इस्माइल अल्लाह (सुभान अल्लाह) की इच्छा के चलते अपनी जान कुर्बान करने को तैयार थे।

इलेक्ट्रिक बसों में मान्य होंगे विद्यार्थियों के बस पास : सैनी

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों को राहत प्रदान करते हुए ऐलान किया है कि राज्य में नई शुरू होने जा रही इलेक्ट्रिक बसों में भी उनके बस पास मान्य होंगे। मुख्यमंत्री ने वीरवार को पानीपत में इलेक्ट्रिक बस डिपो का उद्घाटन किया तथा 80 इलेक्ट्रिक सिटी बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 80 इलेक्ट्रिक बसों में पानीपत के लिए 40, यमुनानगर के लिए 15, कुरुक्षेत्र और सोनीपत के लिए 10-10 तथा पंचकूला के लिए 5 बसें शामिल हैं। यह केवल बसें नहीं हैं, बल्कि हरियाणा के स्वच्छ, सुगम और आधुनिक भविष्य की नई शुरुआत हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पानीपत में लगभग 7 करोड़ रुपए की लागत से अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक बस डिपो तैयार किया गया है। इसके अलावा प्रदेश के 8 अन्य जिलों में भी इलेक्ट्रिक बस डिपो निर्माणाधीन हैं, जहां बसों की चार्जिंग की आधुनिक व्यवस्था उपलब्ध करवाई जाएगी। सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश को 'ग्रीन इंडिया', 'नेट जीरो' और 'सस्टेनेबल डेवलपमेंट' का विजन दिया है। पूरी दुनिया आज पर्यावरण संरक्षण और ग्रीन एनर्जी की दिशा में आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री ने पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने तथा इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने का आह्वान किया है और हरियाणा सरकार उसी सोच को धरातल पर उतारने का कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार बसों को रेलवे की तर्ज पर ट्रैकिंग सिस्टम से जोड़ने पर भी कार्य कर रही है, जिससे यात्री मोबाइल ऐप के माध्यम से बसों की लोकेशन और आगमन समय की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही एक वर्ष के भीतर 10 नए इलेक्ट्रिक बस स्टैंड बनाए जाएंगे तथा भविष्य में अधिक से अधिक इलेक्ट्रिक बसें खरीदी जाएंगी।

मतदान की झलकियां

मतदान केंद्रों पर सुबह से लगीं लंबी कतारें, ग्रामीण इलाकों में लोकतंत्र के महापर्व में लोगों ने निभाई भागीदारी

दूसरे चरण में 1276 पंचायतों में पड़े वोट

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में पंचायतीराज चुनाव के दूसरे चरण के दौरान वीरवार को गांव-गांव में लोकतंत्र का उत्सव देखने को मिला। राज्य की 1276 पंचायतों में सुबह सात बजे से मतदान शुरू हुआ और दोपहर तक अधिकांश जिलों में मतदान प्रतिशत तेजी से बढ़ता रहा। गर्म मौसम के बावजूद महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों में मतदान को लेकर भारी उत्साह दिखाई दिया। मतदान केंद्रों पर सुबह से ही लंबी कतारें लगी रहीं और ग्रामीण इलाकों में लोगों ने बढ़-चढ़कर लोकतंत्र के इस महापर्व में भागीदारी निभाई।

मतदान करने के बाद अंगुली पर लगी स्याही दिखातीं युवतियां। अनंत ज्ञान

चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक कांगड़ा जिले में दोपहर तीन बजे तक 68.62 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जबकि कुल्लू जिले में एक बजे तक 64.48 प्रतिशत मतदान हुआ। मंडी जिले में दोपहर एक बजे तक 63.24 फीसदी मतदान रिकॉर्ड किया गया। हमीरपुर जिले में एक बजे तक 62.46 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि चंबा जिले की 116 पंचायतों में पूर्वाह्न 11 बजे से दोपहर एक बजे तक 29.54 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। किन्नौर की कल्पा पंचायत, जो देश के पहले मतदाता स्वर्गीय श्याम सरन नेगी की गृह पंचायत है, वहां भी युवाओं और बुजुर्गों में खासा उत्साह देखने को मिला और दोपहर एक बजे तक 59.14 प्रतिशत मतदान हुआ। शिमला ग्रामीण क्षेत्र की ग्राम पंचायत नेहरा के वार्ड नंबर पांच सोहल में 98 वर्षीय धनी राम ने मतदान कर लोकतंत्र के प्रति अपनी मजबूत आस्था का परिचय दिया। लाठी के सहारे मतदान केंद्र पहुंचे धनी राम को देखकर युवाओं में भी उत्साह देखने को मिला। स्थानीय लोगों ने उनके जज्बे की सराहना करते हुए कहा कि वरिष्ठ नागरिकों का यह उत्साह नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा है।

हमीरपुर जिले की सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत री के वार्ड नंबर-1 कंगरी में चुनाव बहिष्कार पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बना रहा। ग्रामीणों ने वर्षों से विकास कार्य न होने, सड़क, बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी तथा पंचायत मुख्यालय की दूरी को लेकर प्रशासन और सरकार के खिलाफ रोष जताया। करीब 288 मतदाताओं वाले इस वार्ड में केवल पांच लोगों ने ही अपने मताधिकार का प्रयोग किया। ग्रामीणों की मांग है कि कंगरी वार्ड को री पंचायत से अलग कर ख्याह लोहाखरियां पंचायत में शामिल किया जाए अथवा नई पंचायत का गठन किया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत कार्यालय तक पहुंचने के लिए खड्ड पार कर लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे लोगों को सरकारी कार्य करवाने में भारी परेशानी होती है।

बुजुर्ग वोटर्स ने युवा मतदाताओं से किया बढ़-चढ़कर मतदान करने का आह्वान

बढ़ती आयु के बावजूद मतदान केंद्रों में पहुंचकर अपने मताधिकार का किया प्रयोग

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। पंचायतीराज चुनाव के दूसरे चरण के तहत वीरवार को मशोबरा विकास खंड की 11 पंचायतों ढली, कोहलू जुब्बड़, कुफरी, पधेची, जनेडघाट, धाली, मल्याणा, पुजारली, मांजू डाबरी, शिलोन बाग और पगोग में समाचार लिखे जाने तक मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से जारी रही। प्रात:काल से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं तथा लोगों में लोकतंत्र के इस महापर्व को लेकर विशेष उत्साह नजर आया। निर्वाचन अधिकारी पंचायत मशोबरा के अनुसार धाली पंचायत में 94 वर्षीय शौंकिया राम ने बढ़ती आयु के बावजूद मतदान केंद्र पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया, वहीं अस्वस्थ होने के बावजूद 80 वर्षीय नारायण सिंह ठाकुर ने लगभग दो किलोमीटर पैदल चलकर मतदान केंद्र तक पहुंचकर वोट डाला। शौंकिया राम ने युवाओं से लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए मतदान में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान भी किया।

मतदान के बाद अंगुली पर लगी स्याही दिखाते 94 वर्षीय शौंकिया राम।

टूंड में मतदान करने के बाद अंगुली दिखातीं 96 वर्षीय गौरी देवी।

कुफरी शवाह में 93 वर्षीय संतराम ने भी किया मतदान।

इसी प्रकार ग्राम पंचायत कुफरी शवाह में 93 वर्षीय संतराम, 90 वर्षीय कमला देवी तथा 87 वर्षीय गौरी दत्त ने अस्वस्थता के बावजूद मतदान कर लोकतंत्र के प्रति अपनी निष्ठा दिखाई। वहीं, टूंड मतदान केंद्र पर 96 वर्षीय गौरी देवी और 92 वर्षीय बिश राम ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर सभी के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया।

बुजुर्ग मतदाताओं के उत्साह और जागरूकता ने युवाओं को भी मतदान के लिए प्रेरित किया तथा मतदान केंद्रों पर पूरे दिन उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

महादेव मतदान केंद्र में तय समय से पहले पहुंचे वोटर्स

ग्राम पंचायत महादेव में मतदान करने पहुंचे मतदाता। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

महादेव। पंचायतीराज चुनाव के मद्देनजर विकास खंड धनोटू की ग्राम पंचायत महादेव के पांच छह और सात वार्डों के मतदाताओं के लिए गांव महादेव के राजकीय प्राथमिक विद्यालय मंदिर महादेव भवन में सुविधा दी गई इसके अलावा अन्य वार्डों के मतदाताओं के लिए मतदान प्रक्रिया ग्राम पंचायत महादेव के भवन तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय धनोटू के भवन में चली। प्राथमिक विद्यालय मंदिर महादेव से संबंधित मतदान केंद्र में निर्धारित किए गए समय से प हले ही उत्साहित मतदाताओं ने यहां एक बार फिर लोकतंत्र का मान बढ़ाया।खासकर पांच नं वार्ड जिसकी मतदाता संख्या 182 है के महिला एवं पुरुष मतदाताओं ने खासा उत्साह दिखाया।यहां सबसे पहले लगभग सत्तर साल के मतदाता कृष्ण चंद ने मतदान किया। मतदान शुरू करने से पहले ड्यूटी पर तैनात चुनाव आयोग के अधीन टीम द्वारा गर्व महसूस करते हुए अपने रिकार्ड हेतु उक्त मतदान केंद्र पर सबसे पहले आए इन मतदाताओं के फाटो उतार कर लोकतंत्र की गरिमा बनाए रखने के लिए गौरवान्वित करने वाला यह श्रेष्ठ कार्य किया।

भाजपा में 'समर्थित वर्सेस समर्पित' का माहौल

सुजानपुर, हमीरपुर-बड़सर में नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर, नतीजे खोलने लगे पोल

अनंत ज्ञान

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर। जिले की भाजपा राजनीति इन चावन में समर्थित वर्सेस समर्पित के माहौल में फंसी हुई है। इसमें सुजानपुर, हमीरपुर और बड़सर में वहां के कद्दावर नेताओं की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी हुई है। दूसरे चरण के चुनावों का दौर खत्म हो गया है और इसमें अपने-अपने समर्पित लोगों के जो रुझान सामने आ रहे हैं। इसमें आने वाले समय में इन नेताओं के लिए सबक भी मिल रहा है। लेकिन अहम बात यह है कि इसका फर्क पड़ेगा, कितना पड़ेगा, इसका आंकलन मुकम्मल तौर पर जब जिला परिषद के चुनावों के नतीजे सामने आ जाएंगे, तभी चल पाएगा।

कौन किसका वफादार है? बस जीत हार का यही सहारा है। पार्टी जिस दशा दिशा में कदमताल कर रही है। इसका असर खास मायने नहीं रखता। नेता के साथ समर्पण की भावना से कौन आगे बढ़ रहा है। यही सबसे बड़ी हकीकत इन चुनावों में भाजपा के भीतर खुलकर सामने आ चुकी है। इन तीनों विधानसभा क्षेत्रों में नेताओं की हकीकत पार्टी की असलियत और पुराने नेताओं की 'टीस' खुलकर चर्चा में आ रही है।

पहले चरण के चुनाव में प्रधानी को उपप्रधानी को लेकर जितने लोग जीत कर आए हैं। उनमें यही पता चला है कि भाजपा के भीतर एक दूसरे को काटने के लिए दोनों खेमे अपनी अपनी भूमिका में अव्वल साबित होना चाह रहे हैं। जो भी होगा एक बात साबित होने वाली है की बड़े नेता पार्टी कार्यकर्ताओं की भावनाओं के विपरीत काम करने का जिस बड़े स्तर पर प्रयास कर लेते हैं, क्या उसका सारा माहौल विधानसभा स्तर के चुनावों के लिए इतना महत्वपूर्ण हो गया है।

एक-दूसरे को ठिकाने लगाने की दिखी होड़

इन तमाम नेताओं की असली प्रतिष्ठा जिला परिषद के चुनाव के साथ जुड़ी हुई है, जिनके नतीजे 31 मई को घोषित होंगे। तब तक पंचायत प्रतिनिधियों की सारी स्थिति और उनका आकलन भीतर तौर पर लग चुका होगा जिला परिषद के चुनावों की गिनती जब शुरू होगी, तब खुद को कद्दावर समझने वाले यह नेता उनकी चर्चाएं को हकीकत में बदलेंगे? क्या उनकी काम करने की शैली और पार्टी की भीतरी व्यवस्था मोटे-मोटे तौर पर उजागर हो जाएगी। कारण यह है कि दोनों पक्षों ने सिर धड़ की बाजी लगाकर चुनाव जीतने के लिए जिस स्तर पर इन तीनों विधानसभा क्षेत्रों में खुद को अब्बल साबित करने का माहौल बनाया हुआ है, वह अजीबोगरीब दशा-दिशा में बदला हुआ है। एक-दूसरे को ठिकाने लगाने के चक्कर में कई जगह पर यानी की सीटों पर पार्टी की कब्र भी खुद रही है।

चुनाव नतीजों के बाद क्या गिरेगी गाज?

अब असल सवाल यही पूछा जा रहा है कि क्या भाजपा के भीतर जितना कुछ पक रहा है। उसकी असलियत का पता बड़े नेता क्या पार्टी के खिलाफ काम करने वालों को बाहर का रास्ता दिखाएंगे? या फिर जो माहौल कांग्रेस के भीतर मौजूदा स्थिति में दिख रहा है। इस तरह भाजपा के लोग भी ज्यादा कंफ्यूज होने की बजाए चुपचाप ही माहौल को शांत कर लेंगे। फिलहाल इसकी इंतजार रहेगी। क्योंकि नतीजे के बाद यह भी देखा जाएगा कि किसकी जरूरत किसे कितनी पड़ेगी? उसी के आधार पर नापतोल होगा। लगता नहीं बागियों और अनुशासनहीनता के मामलों में चाबुक अपना असर दिखा पाएगा?

तमाशा देख रहा भाजपा का एक खेमा

भाजपा के भीतर एक ऐसा वर्ग भी है, जो असहाय जैसी मुद्रा में खुद को समझकर इस चुनावी खींचतान को तमाशे के रूप में देख रहा है। वजह यह है कि उसकी सुनवाई कहीं हो नहीं रही।

भाजपा ने चुनाव आयोग से की मुख्यमंत्री की शिकायत

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। प्रदेश में पंचायती राज चुनावों के दौरान लागू आदर्श चुनाव आचार संहिता के बीच मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा नेरवा दौरे के दौरान की गई वित्तीय घोषणाओं को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने हिमाचल प्रदेश चुनाव आयोग में औपचारिक शिकायत दर्ज करवाई है। भाजपा के मीडिया संयोजक कर्ण नंदा ने मुख्य चुनाव आयुक्त को शिकायत पत्र सौंपते हुए आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री ने चुनाव प्रक्रिया के दौरान नई वित्तीय घोषणाएं कर निर्वाचन नियमों की भावना का उल्लंघन किया है।

- चुनाव आचार संहिता में घोषणाएं करने का लगाया आरोप
- आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की उठाई मांग

भाजपा की ओर से जारी शिकायत में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने 27 मई को नेरवा प्रवास के दौरान राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नेरवा के लिए लगभग पांच करोड़ रुपये की लागत से नए भवन निर्माण की घोषणा की। इसके साथ ही विद्यालय से जुड़े अन्य विकास कार्यों और सुविधाओं के आश्वासन भी दिए गए। भाजपा का कहना है कि चुनावी आचार संहिता लागू होने के दौरान इस प्रकार की नई घोषणाएं मतदाताओं को प्रभावित करने का प्रयास मानी जा सकती हैं। कर्ण नंदा ने कहा कि मुख्यमंत्री का यह दौरा और सार्वजनिक मंच से की गई घोषणाएं निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली प्रतीत होती हैं।

उन्होंने चुनाव आयोग से मामले की निष्पक्ष जांच करवाने तथा आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। भाजपा ने शिकायत के साथ मीडिया में प्रकाशित संबंधित समाचारों की प्रतियां भी आयोग को उपलब्ध करवाई हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान को लेकर दिखा उत्साह

युवाओं से लेकर 100 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों ने भी किया मतदान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। जिले की विभिन्न पंचायतों में वीरवार को पंचायत चुनाव के दूसरे चरण में युवा मतदाताओं से लेकर 100 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों तक ने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया और लोकतंत्र को मजबूत करने का संदेश दिया। सुबह से ही ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान को लेकर उत्सव जैसा वातावरण बना रहा तथा मतदान केंद्रों पर लंबी कतारें दिखाई दीं।

जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत बलघर के शाघर वार्ड में 82 वर्षीय चरणथू राम ने मतदान किया, वहीं बजरोली पुल मतदान केंद्र में 102 वर्षीय पाड़ी देवी ने वोट डालकर सभी को प्रेरित किया। ग्राम पंचायत भटवाड़ी झटवाड़ी के वार्ड नंबर-4 में 107 वर्षीय धर्मपति ने मतदान कर लोकतंत्र के प्रति अपनी अटूट आस्था दिखाई। ग्राम पंचायत दीयूदी मायला के जीपीएस मायला मतदान केंद्र में 107 वर्षीय बाला देई ने भी उत्साहपूर्वक मतदान किया। रोहड़ू की ब्रासली पंचायत में 110 वर्षीय सुरतु देवी ने मतदान कर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। ग्राम पंचायत जंगला के जीपीएस थाली मतदान केंद्र में 108 वर्षीय तथा 103 वर्षीय महिलाओं ने मतदान करके लोकतंत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया।

ग्राम पंचायत हीरा भलावन के वार्ड नंबर-1 में 101 वर्षीय अनंत राम नंबरदार ने मतदान किया, जबकि पौड़िया पंचायत में 96 वर्षीय वीर सिंह और 90 वर्षीय गोकलू देवी ने मतदान केंद्र पहुंचकर लोकतंत्र के इस पर्व में भागीदारी निभाई। लालपानी पंचायत के गुणसा वार्ड के 95 वर्षीय हरि सिंह लगभग दो किलोमीटर पैदल चलकर मतदान केंद्र पहुंचे और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसके अतिरिक्त माधना पंचायत के 89 वर्षीय मंगत राम, स्मोली पंचायत की 88 वर्षीय स्वाग पति, खंगटेरी पंचायत के 88 वर्षीय रैकू राम तथा नीन पंचायत के 87 वर्षीय वरिष्ठ मतदाताओं ने भी मतदान कर लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति विश्वास व्यक्त किया। पहली बार मतदान करने वाले युवाओं में भी विशेष उत्साह दिखाई दिया। ग्राम पंचायत भराणा के गढ़ली भराणा मतदान केंद्र में 19 वर्षीय ध्रुव शर्मा और 20 वर्षीय ज्योति ने पहली बार मतदान किया। ग्राम पंचायत कियारटू के टाटल वार्ड में निखिल ने पहली बार वोट डालकर लोकतंत्र में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।

जगोठी, खंगटेरी, ब्रासली और अन्य पंचायतों में भी युवा मतदाताओं ने पूरे उत्साह के साथ मतदान किया। ग्राम पंचायत गुम्मा के अणु वार्ड में लोकतंत्र की अनूठी तस्वीर देखने को मिली, जहां 90 वर्षीय बालो देवी और 20 वर्षीय युवा मतदाता एंजेल ने मतदान कर पीढ़ियों के लोकतांत्रिक जुड़ाव का संदेश दिया।

मुलाकात विधायक विवेक शर्मा से मिले कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधि

पंचायत प्रतिनिधि ग्रामीण विकास की अहम कड़ी: विवेक

अनंत ज्ञान

बंगाणा। कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र में पंचायत चुनावों के बाद नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा जनप्रतिनिधियों से शिष्टाचार मुलाकातों का दौर जारी है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत बरनोह की नवनिर्वाचित प्रधान आरती ठाकुर, उपप्रधान अजय बग्गा तथा वार्ड पंच शारदा देवी और रामपाल ने जोगी पंगा स्थित कार्यालय में विधायक विवेक शर्मा से मुलाकात की। इस दौरान विधायक ने सभी प्रतिनिधियों को सम्मानित कर नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दीं।

विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधि ग्रामीण विकास की महत्वपूर्ण कड़ी हैं और जनता ने जिन अपेक्षाओं के साथ उन्हें चुना है, उन पर खरा उतरना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पंचायतों में विकास कार्यों और जनसमस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव सहयोग दिया जाएगा।

इस अवसर पर प्रधान आरती ठाकुर सहित अन्य प्रतिनिधियों ने विधायक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पंचायत स्तर पर सड़क, पेयजल, स्वच्छता और अन्य मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्य किए जाएंगे। उन्होंने क्षेत्र के विकास और जनकल्याण के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने की प्रतिबद्धता भी जताई। कार्यक्रम के दौरान कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों से आए अन्य नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों ने भी विधायक से मुलाकात की।

विधायक ने सभी प्रतिनिधियों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जनता का विश्वास जीतने पर बधाई देते हुए पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पंचायतें ग्रामीण विकास की आधारशिला हैं और सरकार गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधि विधायक विवेक से मुलाकात करते हुए।

पंचायती राज चुनावों के प्रथम चरण के परिणामों के बाद क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियां भी तेज हो गई हैं। विधायक विवेक शर्मा ने चुनावों में विजयी प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि जनता ने विकास और जनसेवा की राजनीति में विश्वास जताया है। उन्होंने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका गांवों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में अहम रहती है और सभी को मिलजुलकर क्षेत्र के विकास के लिए कार्य करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्य कर रही है तथा पंचायत प्रतिनिधियों के सहयोग से इन योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाया जाएगा। विधायक ने सभी प्रतिनिधियों से चुनावी माहौल के बाद आपसी भाईचारे और सौहार्द बनाए रखने की अपील भी की।

कार्यक्रम के दौरान पंचायत प्रतिनिधियों और समर्थकों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। कई स्थानों पर विजयी उम्मीदवारों के समर्थकों ने मिठाइयां बांटकर खुशी जाहिर की और क्षेत्र में विकास की नई उम्मीदें व्यक्त कीं।